शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 343 | गुवाहाटी | बुधवार, 12 जुलाई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग को लेकर जेएसएफ का अनिश्चितकालीन ... पेज 3

अजित पवार की मांग ने बढ़ाई शिंदे-फडणवीस की टेंशन पेज 4

ओबरा में 18 हजार करोड़ में दो पावर प्लांट स्थापित करेगी योगी सरकार पेज 5

लोकतंत्र में नेतृत्वशीलता की विशेष भूमिका : लोस अध्यक्ष ओम बिरला पेज 8

चुनावी हिंसा के कारण बंगाल के 133 लोगों ने असम में ली शरण : सीएम

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आज कहा कि पंचायत चुनाव में हुई हिंसा के कारण पश्चिम बंगाल के 100 से अधिक लोगों ने अपनी जान के डर से अपना घर छोड़ कर राज्य में शरण ली। उन लोगों को राहत शिविर में आश्रय प्रदान किया गया है। संकट के इस समय मुख्यमंत्री ने उन्हें मानवीय सहायता का आश्वासन दिया। जबकि पश्चिम बंगाल के भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने पीड़ित विपक्षी पार्टी कार्यकर्ताओं को राहत प्रदान करने के लिए शर्मा को धन्यवाद दिया। उधर पड़ोसी राज्य के कैबिनेट मंत्री शशि पांजा ने संकेत दिया कि असम के सीएम झूठा अलार्म बजा रहे थे और घबराहट की भावना पैदा कर रहे है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने ट्विटर पर लिखा कि पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव में हुई हिंसा के कारण अपनी जान के डर से 133 व्यक्तियों ने असम के धुबड़ी जिले में शरण ली। हमने उन्हें राहत शिविर में आश्रय के साथ-साथ भोजन और चिकित्सा सहायता भी प्रदान किया। उधर मुख्यमंत्री शर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए पश्चिम बंगाल के विपक्ष के नेता अधिकारी ने लिखा कि मैं परेशान विपक्षी पार्टी कार्यकर्ताओं को राहत प्रदान करने के लिए असम के माननीय मुख्यमंत्री हिमंत विश्व को धन्यवाद देना चाहता हूं। पश्चिम बंगाल, विशेष रूप से भाजपा के लोग, जो बार-बार चुनाव संबंधी हिंसा का शिकार होते हैं और असम राज्य के करीब होने के कारण, वे अपनी सुरक्षा के लिए अपने परिवारों के साथ सीमा पार कर यहां रहना सुरक्षित समझते हैं। वहीं मुख्यमंत्री शर्मा ने माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट पर अधिकारी को तुरंत जवाब दिया और हर जरूरत के समय मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने लिखा कि हम पश्चिम बंगाल के लोगों को अपना मूल्यवान और सम्मानित पड़ोसी मानते हैं। पश्चिम बंगाल में पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान भी हमने यही सहायता दी थी। कृपया आश्वस्त रहें कि संकट के समय आप किसी भी मानवीय सहायता के लिए हम पर भरोसा कर सकते हैं। उधर तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता तथा पश्चिम बंगाल के मंत्री शशि पांजा ने राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) के अंतिम मसौदे से बाहर रह गए लोगों का संदर्भ देते हुए मुख्यमंत्री शर्मा पर निशाना साधा। उन्होंने ट्वीट पर लिखा मुख्यमंत्री हिमंत विश्व को आत्म-धार्मिकता और गलत नैतिक श्रेष्ठता की चक्करदार ऊंचाइयों से उबकाया जाना चाहिए! झूठा अलार्म बजाने और घबराहट की भावना पैदा करने से पहले, उन्हें असम के उन 1.9 मिलियन निवासियों के भाग्य पर विचार करना चाहिए, जो एनआरसी के कारण राज्यविहीन हो गए हैं। मालूम हो कि शनिवार को पश्चिम बंगाल के ग्रामीण चुनावों में हिंसा हुई थी, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि मतपेटियों को तोड़ दिया गया था, मतपत्रों को आग लगा दी गई थी और कई -शेष पृष्ठ दो पर

जोरहाट के चुकाफा समन्वय क्षेत्र का मुख्यमंत्री ने किया दौरा

जोरहाट (हि.स.)। जोरहाट के चुकाफा समन्वय मैदाम में आज पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने चुकाफा की प्रतिमा पर तर्पण करने के अलावा, समन्वय क्षेत्र में संग्रहालय का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने समन्वय मैदान में नवनिर्मित अत्याधुनिक सभागार का उद्घाटन भी किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि चुकाफा ने समाज के सभी वर्गों के लोगों को विश्वास में लेकर वृहत्तर असम की नींव रखी। मुख्यमंत्री ने -शेष पृष्ठ दो पर

पुलिस ने गुवाहाटी के पास पकड़ी 16 करोड़ की हेरोइन एक तस्कर को दबोचा

गुवाहाटी। असम पुलिस ने मादक पदार्थ जब्त करने में बड़ी कामयाबी हासिल की है। एक पुलिस अधिकारी ने मामले की जानकारी देते हुए कहा कि मंगलवार को एक ऑपरेशन में पुलिस ने गुवाहाटी के पास एक संदिग्ध ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया और 16 करोड़ रुपए की कीमत की हेरोइन बरामद की गई है। अधिकारी ने बताया कि हेरोइन को साबुन के डिब्बों में मणिपुर से पैक करके ले जा रहा था। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक -शेष पृष्ठ दो पर

अहोम समुदाय के जाति प्रमाणपत्रों की प्रामाणिकता सत्यापित करने के लिए समिति बनाएगी राज्य सरकार

गुवाहाटी। अहोम समुदाय के वास्तविक सदस्यों को जाति प्रमाण पत्र जारी करने के संबंध में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री पीयूष हजारिका ने आज जनता भवन में अहोम समुदाय के चार संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक के दौरान, प्रतिनिधियों ने मंत्री को अवगत कराया कि इस समय अहोम समुदाय के सदस्यों के अधिकारों को सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस मुद्दे को संबोधित करते हुए, मंत्री ने प्रतिनिधियों के साथ गहन विचार-विमर्श के बाद बताया कि इस मामले को संबोधित करने के लिए एक नई समिति जल्द ही बनाई जाएगी। और बैठक के दौरान यह भी निर्णय लिया गया कि समिति में अहोम संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा चुने -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

शिक्षा विभाग ने कॉलेजों और विवि के लिए नए दिशा-निर्देश लागू किए

गुवाहाटी। असम के शिक्षा विभाग ने राज्य में कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के कामकाजी घंटों में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। विभाग ने 10 जुलाई को एक अधिसूचना जारी की, जिसका उद्देश्य शिक्षा प्रणाली के भीतर संचालन को सुव्यवस्थित करना और दक्षता में सुधार करना है। अधिसूचना के अनुसार, असम में प्रांतीयकृत, सरकारी और पीडीयूएएम (पंडित दीनदयाल उपाध्याय आदर्श महाविद्यालय) कॉलेज अब अपने कामकाजी समय सुबह 10:00 बजे के पिछले -शेष पृष्ठ दो पर

अनुच्छेद-370 : 2 अगस्त से एससी में हर रोज होगी रोजाना सुनवाई

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर को स्पेशल स्टेटस देने से संबंधित अनुच्छेद-370 को खत्म किए जाने के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 2 अगस्त से रोजाना सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली बेंच ने कहा है कि इस मामले में पक्षकार लिखित दलील 27 जुलाई तक पेश करें। सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की संवैधानिक बेंच मामले में 2 अगस्त से सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने कहा है कि सुनवाई मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को होगी। सोमवार और शुक्रवार को इस मामले की सुनवाई नहीं की जाएगी। सोमवार और शुक्रवार को अन्य मामले (मिसलेनियस) सुप्रीम कोर्ट के सामने होंगे जिसकी सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वह 27 जुलाई तक पक्षकार लिखित दलीलें पेश कर दें। उस दिन सुप्रीम कोर्ट एक याचिकाकर्ता की ओर से और दूसरे सरकार की ओर से वकील नियुक्त करेंगे जो दस्तावेज को कंपाइल करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 27 जुलाई के बाद कोई भी दस्तावेज पेश किए जाने पर उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। सुनवाई के दौरान सीनियर एडकोकेट राजू रामचंद्रन दो याचिकाकर्ता आईएएस ऑफिसर शाह फैजल और शेहला रशीद की ओर से पेश हुए और कहा कि ये दोनों याचिकाकर्ता अपने नाम याचिकाकर्ता से वापस लेना चाहते हैं। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने केंद्र सरकार की ओर से पेश होते हुए कहा कि उन्हें इस बात से ऐतराज नहीं है कि अगर कोई याचिककर्ता अर्जी से नाम वापस लेना चाहता हो। इसके बाद बेंच ने शाह -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में भड़काऊ भाषण देने से बचें लोग : सीजेआई

नई दिल्ली। हिंसा की आग में जल रहे मणिपुर की स्थिति को लेकर सुप्रीम कोर्ट भी चिंतित है। सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को केंद्र और राज्य सरकार को राज्य के नागरिकों के जीवन की सुरक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कहा है। वहीं, कोर्ट ने मंगलवार को मणिपुर जनजातीय मंच द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया है। दरअसल, मणिपुर जनजातीय मंच ने कोर्ट से गुहार लगाया था कि राज्य में कुकी जनजाति की -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
योग्य सहायकों के बिना निर्णय करना बड़ा कठिन होता है।
- आचार्य चाणक्य

यूसीसी पर विधि आयोग को मिल चुके लाखों सुझाव, लोगों ने जमकर लिया भाग

नई दिल्ली। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर विचार भेजने की समय सीमा दो दिन में खत्म होने वाली है, लेकिन इससे पहले विधि आयोग को करीब 46 लाख प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुई हैं। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि आने वाले दिनों में कुछ खास संगठनों और लोगों को आयोग द्वारा व्यक्तिगत सुनवाई के लिए आमंत्रित किए जाने की भी संभावना है। इनमें से कुछ आमंत्रण पत्र भेजे जा चुके हैं। आयोग ने राजनीतिक रूप से इस संवेदनशील मुद्दे पर लोगों और मान्यता प्राप्त धार्मिक संगठनों सहित सभी हितधारकों के विचार आमंत्रित करते हुए 14 जून को समान नागरिक संहिता पर एक नयी विमर्श-प्रक्रिया शुरू की थी। इससे पहले, 21वें विधि आयोग ने मुद्दे -शेष पृष्ठ दो पर

अयोध्या में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर पथराव, शीशे चकनाचूर

अयोध्या। जिले के रौनाही थाना क्षेत्र के सोहावल इलाके से मंगलवार को गुजर रही वंदे भारत एक्सप्रेस पर लोगों के एक समूह ने पथराव कर दिया, जिससे ट्रेन के दो डिब्बों की खिड़की के शीशे आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के निरीक्षक सोनू कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब नौ बजे पटरी (ट्रैक) के बायीं ओर खड़े कुछ लोगों ने वंदे भारत ट्रेन पर पथराव किया, जिससे दो बोगियों की कुछ खिड़कियों के -शेष पृष्ठ दो पर

भारत में 15 रुपए लीटर मिलेगा पेट्रोल...

गडकरी के फैन हुए पाकिस्तानी

नई दिल्ली। पाकिस्तान को रूस से तेल मिलना शुरू हो गया है लेकिन इसके बाद भी देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें नियंत्रण से बाहर हैं। देश में पेट्रोल और डीजल 200 रुपए से ज्यादा दाम पर बिक रहा है। इन सबके बीच जब भारत के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भारत में पेट्रोल 15 रुपए प्रति लीटर तक बेचा जा सकता है। यह कैसे संभव होगा, इसके बारे में भी गडकरी आपको आगे बताते हैं। लेकिन इतनी सस्ती कीमत पर पेट्रोल मिलने के उनके बयान ने पाकिस्तानियों को भी उनका मुरीद बना दिया है। पाकिस्तानी लोग गडकरी के इस बयान की तारीफ कर रहे हैं और अपने देश की सरकार को उनका उदाहरण दे रहे हैं। भारत के केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने हाल ही में एक बैठक में कहा था कि अगर 60 फीसदी इथेनॉल और 40 फीसदी बिजली का इस्तेमाल किया जाए तो देश में पेट्रोल की कीमत 15 रुपए प्रति लीटर होगी। गडकरी के इस बयान ने न सिर्फ भारत बल्कि पड़ोसी देश पाकिस्तान के -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल में मतगणना केंद्रों के बाहर भाजपा एजेंटों के साथ मारपीट

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव के लिए हो रही मतगणना भी हिंसा से अछूती नहीं रही। भारतीय जनता पार्टी ने दावा किया है कि उसके काउंटिंग एजेंट को कई जगहों पर मतगणना केंद्र के अंदर नहीं घुसने दिया गया। कई जगहों पर भाजपा एजेंट से मारपीट की गई। भाजपा ने कहा है कि डायमंड हार्बर के फकीर चंद कॉलेज के सामने भाजपा के काउंटिंग एजेंट को पीटा गया। पुलिस तमाशबीन बनी रही। काउंटिंग एजेंट का आई कार्ड छीन लिया गया। डायमंड हार्बर के विष्णुपुर एक नंबर के भाजपा काउंटिंग -शेष पृष्ठ दो पर

ट्विटर ने पाकिस्तान को दिया बड़ा झटका

गिलगित-बाल्टिस्तान को भारत के जम्मू और कश्मीर राज्य में दिखाया

गिलगित-बाल्टिस्तान। अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क के माइक्रो ब्लागिंग प्लेटफार्म ट्विटर पर पाकिस्तान के कब्जे वाले गुलाम कश्मीर स्थित *गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र* को अब भारत के जम्मू और कश्मीर राज्य में दिखाया जा रहा है। पाकिस्तानी अखबार डान ने अपनी रिपोर्ट में गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र की लोकेशन बदले जाने की जानकारी दी है। पाकिस्तानी अंग्रेजी अखबार के मुताबिक अगर पाकिस्तानी यूजर अगर एप पर लोकेशन फीचर को आन करते हैं तो गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र से भेजे गए ट्वीट और सभी पोस्टें जम्मू और कश्मीर से सृजित बताई जा रही हैं। गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र के लोगों को स्पष्ट रूप से ट्विटर पर अपनी लोकेशन बदली हुई नजर आ रही है। साथ ही वह अब पाकिस्तान सरकार के आधिकारिक एकाउंट को भी नहीं देख पा रहे हैं क्योंकि -शेष पृष्ठ दो पर

15 साल में गरीबी से निकले 41 करोड़ लोग, यूएन ने की भारत की तारीफ

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र ने दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश की उल्लेखनीय उपलब्धि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 2005/2006 से 2019/2021 तक केवल 15 वर्षों के भीतर भारत में कुल 415 मिलियन लोग गरीबी से बाहर निकले। वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) का नवीनतम अपडेट संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) और ऑक्सफोर्ड गरीबी और मानव विकास पहल (ओपीएचआई) द्वारा ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में जारी किया गया था। इसमें कहा गया है कि भारत सहित 25 देशों ने 15 वर्षों के भीतर अपने वैश्विक एमपीआई मूल्यों को सफलतापूर्वक आधा कर दिया है, जिससे पता चलता -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

नकली दवा बनाने वाली कंपनियों पर होगी कड़ी कार्रवाई : डॉ. मनसुख मांडविया

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि भारत में निर्मित दवाओं की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। नकली दवा बनाने वाली कंपनियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह बात केंद्रीय डॉ. मनसुख मंडाविया ने मंगलवार को एमएसएमई क्षेत्र की फार्मा कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात के दौरान कही। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि फार्मा उत्पादों की उच्चतम गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए, नियामक अधिकारियों ने संयंत्रों का जोखिम-आधारित निरीक्षण और ऑडिट शुरू किया है। उन्होंने कहा कि 137 फर्मों का निरीक्षण किया गया और 105 फर्मों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। 31 फर्मों में उत्पादन बंद कर दिया गया है और 50 फर्मों के खिलाफ उत्पाद एवं लाइसेंस रद्द करने

और निलंबन जारी किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 73 फर्मों को कारण बताओ नोटिस तथा 21 फर्मों के विरुद्ध चेतावनी पत्र जारी किए गए हैं। इंडस्ट्री के आश्वासन के आधार पर मंत्री ने कहा कि चरणबद्ध तरीके से एमएसएमई फार्मा सेक्टर के लिए शेड्यूल एम अनिवार्य किया जाएगा, जिससे दवा की गुणवत्ता को सुनिश्चित किया जा सकेगा।

होजाई-कार्बी आंग्लांग सीमावर्ती इलाके में चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

कार्बी आंग्लांग (हिंस)। होजाई-कार्बी आंग्लांग जिलों के सीमावर्ती इलाके में आज प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया गया। कार्बी आंग्लांग जिला प्रशासन ने होजाई-कार्बी आंग्लांग सीमा पर स्थित नखुंटी शिविर बाजार और आमबारी रिजर्व फॉरेस्ट लैंड पर अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। कार्बी आंग्लांग प्रशासन और पुलिस की एक बड़ी टुकड़ी आज सुबह बिना किसी सूचना के इलाके में पहुंची और लोगों को वहां से बाहर निकाल दिया। प्रशासन ने अवैध रूप से बनाए गए घरों और दरवाजों को तोड़कर आग लगा दी है। उल्लेखनीय है कि होजाई अनुमंडल प्रशासन लंबे समय से कार्बी आंग्लांग के अधीन वाले इस विवादित क्षेत्र की मांग कर रहा है। दोनों जिला-अनुमंडल प्रशासन आज तक सीमाओं का सीमांकन नहीं कर पाए हैं।

रिश्वत लेते रंगे हाथों लोक सेवक गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय, असम की टीम ने आज एक लोक सेवक को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार निदेशालय की टीम ने एक शिकायत के आधार पर नगांव जिलांतर्गत सलोना के उत्तरी रेंज के वन रेंज अधिकारी कार्यालय के सहायक वन संरक्षक (एसीएफ) नेपाल चंद्र मंडल को शिकायतकर्ता से ट्रांजिट परमिट (टीपी) चालान जारी करने के लिए 8 हजार की रिश्वत लेते पकड़ा गया। सूत्रों ने बताया है कि आज दोपहर 2.25 बजे नेपाल चंद्र मंडल को पकड़ने के बाद शिकायतकर्ता से लिए गए 8 हजार रुपए रिश्वत की रकम भी उसके कब्जे से बरामद कर लिया गया। स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में उसे जब्त कर लिया गया है। आरोपी लोक सेवक के खिलाफ पर्याप्त सबूत पाते हुए, सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय, असम की टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में एसीबी थाने में 11/07/2023 को एसीबी पीएस द्वारा मामला दर्ज किया गया है। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (2018 में संशोधित) की धारा 7 (ए) के तहत केस नंबर 51/2023 दर्ज कर लिया गया है। आवश्यक कानूनी अनुवर्ती कार्रवाई चल रही है।

ब्लॉक वन अधिकारी के खिलाफ लोगों ने किया प्रदर्शन

नगरबेड़ा (विभास)। ग्वालपाड़ा जिले में रंगजुली वन परिक्षेत्र कार्यालय के तहत शीमलीतोला ब्लॉक वन अधिकारी कनक चंद्र डेका के खिलाफ कल लोगों ने प्रदर्शन किया। जनता के अनुसार 30 दिसंबर 2022 को शिमलीटोला प्रखंड वन अधिकारी कार्यालय की टीम ने तस्करी की लकड़ी से भरी बोलेरो गाड़ी को जब्त कर कार्यालय में स्टोर कर रखा था, लेकिन पिछले कुछ दिनों से स्थानीय लोगों को शक हो रहा था कि बोलेरो गाड़ी कार्यालय में नहीं दिखी. जनता के अनुसार बोलेरो वाहन नया था, इसलिए उसने मालिक से पैसे का आदान-प्रदान किया और एक पुरानी मैक्स पिक-अप गाड़ी रखी और बोलेरो मालिक को वापस कर दी। घटना को लेकर लोगों ने वन अधिकारी के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया और स्थानीय लोगों ने डीएफओ और संभागीय मंत्री से जांच के दायरे में आए अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की।

सोलह करोड़ के हेरोइन समेत ड्रग्स तस्कर मफिजूल हक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के सोनापुर थाना क्षेत्र के नजीराघाट टोल प्लाजा के पास एसटीएफ की टीम ने अभियान चलाकर 15 करोड़ रुपए की हेरोइन समेत गुवाहाटी के एक शातिर ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि एसटीएफ के डीआईजी पार्थसारथी महंत के नेतृत्व में सोनापुर टोल प्लाजा के पास अभियान चलाकर गुवाहाटी के गाड़ीगांव के शातिर ड्रग्स तस्कर मफिजुल हक को 145 पैकेट हेरोइन समेत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी होंडा सिटी कार (एएस-01बीएल-2211) के जरिए हेरोइन को मणिपुर से लाया था। जिसे वह चांगसारी में दूसरे तस्कर को देने के फिराक में था। उसने अपना स्थान बदलकर ड्रग्स की सप्लाई करने के लिए सोनापुर इलाके में पहुंचा। नजीराघाट टोल प्लाजा के पास एसटीएफ की टीम ने मफिजूल की कार को रोकना चाहा लेकिन वह बैरिकेड तोड़कर फरार हो गया। जिसके बाद पुलिस ने गोली चलाई मजबूर होकर ड्रग्स तस्कर मफिजूल ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। जब्त हेरोइन की कीमत लगभग 16 करोड़ रूपये आंकी गई है। गिरफ्तार आरोपी मफिजूल को जालुकबाड़ी पुलिस पहले भी अपराधिक मामले में गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार शातिर ड्रग्स तस्कर मफिजूल से सघन पूछताछ कर रही है।

अवैध रूप से लाए गए 78 मवेशी समेत तीन पशु तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के जोराबाट पुलिस चौकी की टीम ने पुलिस चौकी प्रभारी के नेतृत्व में अभियान चलाकर अवैध रूप से 78 मवेशियों को लेकर जा रहे दो ट्रक और एक डीआई वाहन को जब्त करने के साथ ही तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आज (मंगलवार) सुबह जोराबाट पुलिस चौकी प्रभारी कपिल पाठक के नेतृत्व में जोराबट पुलिस चौकी के पास चलाए गए अभियान के दौरान डीआई (एएस-01क्यूसी-5717) को जब्त किया गया। जब्त किए गए वाहन में अवैध तरीके से 12 मवेशियों को नुमालीगढ़ होते हुए मेघालय के पशु बाजार तक ले जाया जा रहा था। बरामद किए गए 11 पशु मृत अवस्था में पाए गए। वहीं अन्य एक अभियान के दौरान ट्रक (एनएल-02के-3695) से 42 मवेशी बरामद किए गए हैं। बरामद किए गए सभी मवेशियों को बोकाखात से मेघालय के पशु बाजार तक जायज ले जाया जा रहा था। वहीं एक अन्य अभियान के दौरान नगांव जिले के रूपहीहाट से मेघालय के पशु बाजार तक जा रहे ट्रक (एएस-23सीसी-0303) को जब्त किया गया। ट्रक में अवैध तरीके से 24 पशुओं की तस्करी की जा रही थी। पशु तस्करी मामले में तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान आबिबुर इस्लाम, फारूक अब्दुल्ला और आशिकुल इस्लाम के रूप में की गई है। ज्ञात हो कि राज्य में सख्त पशु कानून लागू होने के बावजूद भी पशुओं की तस्करी जारी है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

पृष्ठ एक का शेष

चुनावी हिंसा के कारण ...

स्थानों पर प्रतिद्वंद्वियों पर बम भी फेंके गए थे। मारे गए लोगों में से 11 टीएमसी से जुड़े थे। 8 जून को चुनाव प्रक्रिया शुरू होने और तारीखों की घोषणा होने के बाद से राज्य में मरने वालों की कुल संख्या 30 से अधिक हो गई है। शनिवार को 80.71 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था, जबकि पूरे पश्चिम बंगाल में 696 बूथों पर शाम 5 बजे तक 69.85 प्रतिशत वोट दर्ज किया गया था, जहां सोमवार को पुनर्मतदान हुआ था।

जोरहाट के चुकाफा...

जोरहाट के चुकाफा समन्वय क्षेत्र में गुवाहाटी राज्य संग्रहालय का एक परिसर स्थापित करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने जोरहाट में चुकाफा समन्वय क्षेत्र के विकास के लिए 100 करोड़ रुपए का अनुदान देने और तीन साल के भीतर काम पूरा करने की घोषणा की। चराइदेउ को विश्व धरोहर स्थल में बदलने के निर्णय की घोषणा भी मुख्यमंत्री ने की। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में सरकार ने अहोम युग की विरासत को संरक्षित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। इस मौके पर असम सरकार के मंत्री बिमल बोरा, सांसद तपन कुमार गोगोई, सांसद एवं मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार पवित्र मार्घेरिटा, सांसद कामाख्या प्रसाद तासा, विधायकों में हितेंद्र नाथ गोस्वामी, तरंग गोगोई, भवेश भराली, रुपज्योति कुर्मी, मुख्यमंत्री के शिक्षा सलाहकार ननी गोपाल महंत, चाउलूंग चुकाफा समन्वय क्षेत्र के उपाध्यक्ष डॉ. दयानंद बरगोहाईं समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

पुलिस ने गुवाहाटी के पास ...

कल्याण पाठक ने बताया कि हमें जानकारी मिली थी कि मणिपुर से प्रतिबंधित सामग्री की एक खेप कामरूप जिले के चांगसारी या पलासबारी इलाके में पहुंचाई जानी थी। लेकिन बाद में, योजना में बदलाव हुआ और गुवाहाटी के बाहरी इलाके सोनपुर में डिलीवरी का निर्णय लिया गया। पुलिस की एक टीम ने सोनापुर टोल गेट पर ड्रग्स ले जा रहे वाहन को रोकने की कोशिश की लेकिन चालक नहीं रुका। आगे उन्होंने बताया कि वाहन को रोकने के लिए पुलिस टीम को एक राउंड फायरिंग करनी पड़ी। पुलिस ने ड्राइवर को पकड़ लिया है, जो गुवाहाटी के जालुकबारी इलाके का है। वह गोलीबारी में घायल नहीं हुआ। एएसपी ने कहा कि हमने साबुन के डिब्बों में पैक हेरोइन के 145 पैकेट बरामद किए। मादक पदार्थ का वजन दो किलोग्राम है और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इसकी अनुमानित कीमत 16 करोड़ रुपए है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पाठक ने कहा कि यह मादक पदार्थ गुवाहाटी और आसपास के इलाकों में वितरण के लिए मणिपुर से लाया जा रहा था। गिरफ्तार तस्कर को पहले भी गुवाहाटी पुलिस ने इसी तरह के मादक पदार्थ से संबंधित मामले में पहले एक बार गिरफ्तार किया था। आगे पाठक ने कहा कि हमने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

अहोम समुदाय के जाति...

गए सदस्य शामिल होंगे, जिन्हें जाति प्रमाण पत्र के लिए आवेदन करने वाले व्यक्ति की वास्तविकता को सत्यापित करने का अधिकार होगा। अहोम समुदाय के सदस्यों के सामने आने वाली चुनौतियों के महत्व को रेखांकित करते हुए, मंत्री ने आगे कहा कि प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए, नई समिति को सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1960 के तहत पंजीकरण करना आवश्यक होगा और इसके लिए कैबिनेट को एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाएगा। उसी की स्वीकृति। मंत्री ने उम्मीद जताई कि इस फैसले से आने वाले दिनों में अहोम समुदाय के लोगों को एक सहज प्रक्रिया के तहत जाति प्रमाण पत्र प्राप्त करने में काफी फायदा होगा और कोई भी वास्तविक व्यक्ति अपने अधिकारों से वंचित नहीं रहेगा। बैठक में असम सरकार के जनजातीय मामलों के विभाग (सादा) के आईएएस सचिव बिनीता पेगु, अनुसूचित जाति के कल्याण निदेशक कुलश्री नाथ और संबंधित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

शिक्षा विभाग ने ...

कार्यक्रम से एक घंटे पहले सुबह 9:00 बजे शुरू करेंगे। यह समायोजन सुबह 9:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक एक मानक कार्य अवधि स्थापित करता है, जिसमें दोपहर 1:00 बजे से 2:00 बजे तक एक निर्दिष्ट टिफिन/लंच का समय होता है। काम के घंटों में बदलाव के अलावा, अधिसूचना में शैक्षणिक संस्थानों के पालन के लिए कई अन्य दिशा-निर्देश भी शामिल हैं। ये दिशा-निर्देश तकनीकी हस्तक्षेप के माध्यम से नियमित संकाय उपस्थिति के महत्व पर जोर देते हैं, जिससे संकाय सदस्यों को पुस्तकालयों का दौरा करने और परिसर के भीतर और बाहर निर्दिष्ट गतिविधियों में भाग लेने की सुविधा मिलती है। अधिसूचना निर्धारित संपर्क घंटों के दौरान शिक्षण के महत्व और आंतरिक और बाहरी परीक्षाओं के संचालन के लिए अच्छी तरह से परिभाषित मॉडल की आवश्यकता को भी रेखांकित करती है। दिशा-निर्देश यूजी-पीजी एकीकृत पाठ्यक्रमों के कार्यान्वयन की सुविधा के लिए शिक्षण घंटे आवंटित करते हुए अनुसंधान के लिए फेलोशिप धारकों की भूमिका को भी संबोधित करते हैं। जवाबदेही सुनिश्चित करने और मूल्यांकन प्रक्रिया की अखंडता बनाए रखने के उपायों के साथ, आंतरिक मूल्यांकन और उत्तर पुस्तिकाओं के समय पर मूल्यांकन पर जोर दिया जाता है। छात्र मार्गदर्शन को बढ़ाने के लिए, दिशा-निर्देश मासिक मूल्यांकन बैठकों और गतिविधियों के दस्तावेज़ीकरण की सलाह देते हैं, जो एनआईआरएफ और एनएएसी जैसी कॉलेज रैंकिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संकाय सदस्यों के लिए उचित कार्यभार आवंटन और प्रत्येक शिक्षक के लिए कक्षा की दिनचर्या और प्रशासनिक जिम्मेदारियों को अपलोड करना भी आवश्यक है। इन दिशा-निर्देशों का उद्देश्य असम में कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के समग्र कामकाज में सुधार करना, प्रभावी शिक्षण और मूल्यांकन प्रथाओं को सुनिश्चित करना और संकाय और छात्रों को समान रूप से सहायता प्रदान करना है।

अनुच्छेद-370 : 2 अगस्त ...

और रशीद के नाम याचिकाकर्ताओं की लिस्ट से हटाने की इजाजत दे दी। सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार की ओर से दाखिल हलफनामे में कहा गया है कि संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में अभूतपूर्व शांति, प्रगति और समृद्धि देखने को मिली है। आतंकी कार्रवाई अब अतीत की बात हो चुकी है। दो अगस्त से चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पांच जजों की बेंच मामले की सुनवाई करेगी। बेंच में चीफ जस्टिस के अलावा जस्टिस एस के कौल, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस सूर्यकांत शामिल हैं। यह मामला 2019 से पेंडिंग है। सबसे पहले मामले में एमएल शर्मा की ओर से अर्जी दाखिल कर 370 निरस्त करने के फैसले को चुनौती दी गई थी। इसके बाद जम्मू-कश्मीर के वकील शाकीर शब्बीर की ओर से अर्जी दाखिल की गई। फिर नैशनल कांफ्रेंस के नेता की ओर से अर्जी दाखिल की गई। उनकी दलील में कहा गया कि राज्य के स्टेटस में बदलाव किया गया और लोगों का अधिकार उनसे पूछे बिना ले लिया गया। इस मामले में राष्ट्रपति ने जो आदेश पारित किया है वह गैर संवैधानिक है। इसके अलावा भी मामले में अर्जी दाखिल की गई है। इनमें पूर्व डिफेंस ऑफिसर और ब्यूरोक्रेट भी शामिल हैं। इनकी अर्जी में 370 निरस्त करने के फैसले को गैर संवैधानिक घोषित करने की गुहार लगाई गई है। 23 जनवरी 2020 को दिनेश द्विवेदी, संजय पारेख और जफर अहमद शाह ने मामले को लार्जर बेंच रेफर करने की गुहार लगाई थी वहीं केंद्र सरकार की ओर से अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि मामले को लार्जर बेंच रेफर करने की जरूरत नहीं है क्योंकि पहले इससे संबंधित मामले में कोई विरोधाभास नहीं है। अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने कहा था कि जम्मू-कश्मीर के संविधान की धारा-3 में जो घोषणा है उससे साफ है कि वह भारत का अभिन्न अंग है। पहले जम्मू-कश्मीर के महाराजा ने पाकिस्तान से एग्रीमेंट किया और पाकिस्तान ने उसका उल्लंघन किया और ट्रकों में भरकर कबायिलियों को भेजा ताकि कश्मीर पर कब्जा कर सकें इसी परिस्थितियों में महराजा ने भारत सरकार से एग्रीमेंट किया और भारत में सम्मिलित होने का फैसला हुआ। सुप्रीम कोर्ट का पहले के दो फैसले में कोई विरोधाभास नहीं है ऐसे में इस मामले को लार्जर बेंच भेजने की जरूरत नहीं है। 2 मार्च 2020 को अपने अहम फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि मामले की सुनवाई पांच जज की संवैधानिक बेंच करेगा और मामले को लार्जर बेंच नहीं भेजा जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि वह याचिकाकर्ता के उस दलील से सहमत नहीं हैं जिसमें कहा गया है कि इस मामले में पहले दिए दो फैसलों में विरोधाभास है। इस मामले में दिए गए दोनों ही फैसले में कोई विरोधाभासी टिप्पणी नहीं है ऐसे में हम ऐसा कोई आधार नहीं देख रहे जिसके कारण मामले को लार्जर बेंच रेफर किया जाए। पिछली सुनवाई के दौरान अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को निरस्त करने के फैसले को केंद्र सरकार ने सही ठहराते हुए सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर किया था। सुप्रीम कोर्ट में केंद्र ने बताया था कि विशेष दर्जा खत्म करने का फैसला देशहित में है। सुप्रीम कोर्ट को केंद्र सरकार ने बताया कि जम्मू कशमीर के लोगों के विकास के लिए तीन गुणा खर्च किया जाता रहा लेकिन अनच्छेद-370 व 35 ए के कारण वहां का विकास नहीं हुआ। अदालत में दाखिल हलफनामे में केंद्र ने कहा था कि साल 2017-18 में प्रति व्यक्ति 8227 रुपया प्रति व्यक्ति देश भर में खर्च किया गया लेकिन जम्मू-कश्मीर में 27 हजार 358 रुपए प्रति व्यक्ति खर्च किए गए बावजूद इसके जम्मू-कश्मीर राज्य (अब केंद्र शासित प्रदेश) के लोगों का विकास नहीं हुआ था। केंद्र ने कहा था कि देखा जाए तो 35 ए और 370 के जम्मू-कश्मीर के लोगों के विकास में बाधक था।

मणिपुर में भड़काऊ ...

सुरक्षा की जिम्मेदारी भारतीय सेना को दी जाए। कोर्ट ने कहा कि सेना और अर्धसैनिक बलों को इस तरह का निर्देश देना उचित नहीं होगा। सुनवाई के दौरान भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने मणिपुर में मौजूद सभी पक्षों से शांति बनाए रखने का अनुरोध किया। वहीं, उन्होंने आगे कहा कि राज्य के लोग ऐसे भाषण देने से बचे, जिससे राज्य में हिंसा भड़क सकती है। बता दें सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मणिपुर हिंसा में अब तक 142 लोग जान गवां चुके हैं। हिंसा मामले पर 5,995 केस दर्ज किए गए हैं।

यूसीसी पर विधि ...

की पड़ताल की थी और सभी हितधारकों से दो मौकों पर विचार मांगे थे। उसका कार्यकाल अगस्त 2018 में समाप्त हो गया। इसके बाद, अगस्त 2018 में *परिवार कानून में सुधार* पर एक परामर्श पत्र जारी किया गया था। विधि आयोग ने एक सार्वजनिक नोटिस में कहा था कि चूंकि उक्त परामर्श पत्र को जारी किए तीन साल से अधिक समय बीत गया है, ऐसे में विषय की प्रासंगिकता एवं महत्व को ध्यान में रखते हुए तथा विषय पर विभिन्न अदालती आदेशों पर गौर करते हुए 22वें विधि आयोग का यह मानना है कि मुद्दे पर नये सिरे से विचार करना जरूरी है।

अयोध्या में वंदे भारत ...

शीशे टूट गए। उन्होंने बताया कि आरपीएफ के *एस्कॉर्ट* ने इसकी जानकारी अयोध्या कैंट आरपीएफ पोस्ट को दे दी, हालांकि ट्रेन अपने गंतव्य लखनऊ की ओर तेज गति से गुजर गई। घटना के बारे में बात करते हुए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक(एसएसपी) अयोध्या आर के नैय्यर ने बताया कि जांच के दौरान यह पाया गया कि रविवार को स्थानीय निवासी नान्हू पासवान की बकरियों का एक झुंड वंदे भारत ट्रेन की चपेट में आने से मर गया था, इसी घटना के कारण ट्रेन को निशाना बनाया गया। एसएसपी ने बताया कि हमने नान्हू पासवान और उसके दो बेटों अजय और विजय को गिरफ्तार कर लिया है। एसएसपी ने कहा कि घटना में कोई घायल नहीं हुआ और ट्रेन बिना रुके गुजर गई।

गडकरी के फैन ...

नागरिकों को भी हैरान कर दिया। यूट्यूबर सना अमजद ने जब पाकिस्तानी नागरिकों से बात की तो उन्होंने खुलकर गडकरी की तारीफ की है। देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के बीच सना ने 15 रुपए पेट्रोल वाले बयान पर देशवासियों की प्रतिक्रिया जानी। इस पर पाकिस्तान के नागरिक शारिक ने कहा कि ये वाकई तारीफ की बात है। इस बात की सराहना की जानी चाहिए कि भारत के मंत्री अपने देश की जनता और पूरी दुनिया के लिए ऐसे नए प्रयोग करने में लगे हुए हैं। इससे विश्व को निश्चित ही लाभ होगा। गडकरी के बयान के बाद पाकिस्तान के लोगों ने कहा है कि भारत ऐसा कर सकता है। अगर वहां का मंत्री ऐसा बयान दे रहा है तो इसका मतलब है कि वह इस दिशा में सोच रहा है। संभव है कि वहां मंत्री जो भी कह रहे हों, उसे सच साबित कर दें। वहां के लोगों की मानें तो पाकिस्तान सरकार उनके लिए नीतियां बनाएगी और उससे उन्हें फायदा होगा, जैसा भारत में मोदी सरकार कर रही है। एक अन्य नागरिक का कहना है कि भारत एक दिन अपने लोगों को 15 रुपए प्रति लीटर पेट्रोल जरूर देगा। पाकिस्तान हर बार की तरह इस बार भी इसका मजाक बनाता रहेगा और हाथ मलता रहेगा। आज नहीं तो दो साल बाद यह भारत में 15 रुपए प्रति लीटर बिकने लगेगा।

गिलगित-बाल्टिस्तान को ...

उन्हें ब्लाक कर दिया गया है। यह मुद्दा तब सामने आया जब गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र के कई ट्विटर यूजर्स ने शिकायत की कि वह पाकिस्तान सरकार के आधिकारिक ट्विटर एकाउंट को एक्सेस नहीं कर पा रहे हैं। जब यूजर्स ने एकाउंट देखने की कोशिश की तो मैसेज आता है कि एक कानूनी मांग के आधार पर अब यह खाता भारत में है। अखबार ने बताया कि पाकिस्तानी अधिकारियों ने उनकी तरफ से कोई बदलाव किए जाने से इन्कार किया है। दर्जनों क्षेत्रीय निवासियों की शिकायतों के बावजूद इन दावों को निराधार बताया है। पाक अधिकारियों का कहना है कि पूरे गिलगित-बाल्टिस्तान में इंटरनेट, मीडिया और अभिव्यक्ति की आजादी पर कोई पाबंदी नहीं है। उल्लेखनीय है कि मार्च, 2023 से पाकिस्तान सरकार के आफिशियल एकाउंट्स पर भारत में प्रतिबंध लगा हुआ है। इससे पहले, वर्ष 2022 में कानूनी शिकायतों के बाद इन सारी खातों को दो बार बाधित किया गया था। स्थानीय लोग चकराएडान के मुताबिक गिलगित के रहीमाबाद क्षेत्र के निवासी यासिर हुसैन ने ट्वीट कर कहा कि मैं पाकिस्तान में हूं और बहुत से एकाउंट के ट्वीट क्यों नहीं देख पा रहा हूं। पाकिस्तान सरकार के ट्वीट भी नजर नहीं आ रहे। जब मैं एप पर गया तो उस पर मेरी लोकेशन गिलगित-बाल्टिस्तान के बजाय जम्मू और कश्मीर दिखा रहा है। इसीतरह, करीम शाह निजारी ने कहा कि वह अपने ट्वीट में लोकेशन पाकिस्तान नहीं दिखा पा रहा है। इसमें केवल जम्मू-कश्मीर का ही विकल्प है। निजारी ने कहा कि वह गिजेर जिले की यासिन घाटी में हैं लेकिन ट्विटर के एल्गोरिदम के हिसाब से उनके फीड में उनके ट्वीट भारत से आए दिखाए जा रहे हैं। पाकिस्तान ने गैरकानूनी तौर पर गिलगित-बाल्टिस्तान पर कब्जा कर रखा है, पर भारत इसे कानूनी तौर पर अपना हिस्सा मानता है। मौजूदा मोदी सरकार ने गुलाम कश्मीर पर अपना पूरा हक जताते हुए इसे भारत में वापस मिलाने का एलान कर रखा है। भारत-पाकिस्तान में गिलगित-बाल्टिस्तान को लेकर विवाद 1947 से है। भारत के जिस हिस्से पर पाकिस्तान का कब्जा है, उसमें सिर्फ 15 प्रतिशत क्षेत्र गुलाम कश्मीर में है। 85 प्रतिशत हिस्सा तो गिलगित-बाल्टिस्तान या नार्दर्न क्षेत्र है। यह चीन-पाकिस्तान इकोनामिक कारिडोर (सीपीईसी) का मुख्य इलाका है। सिंधु नदी पाकिस्तान में गिलगित-बाल्टिस्तान से ही होकर प्रवेश करती है।

15 साल में गरीबी ...

है कि तेजी से प्रगति संभव है। इन देशों में कंबोडिया, चीन, कांगो, होंडुरास, भारत, इंडोनेशिया, मोरक्को, सर्बिया और वियतनाम शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में भारत 142.86 करोड़ लोगों के साथ चीन को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि विशेष रूप से, भारत में गरीबी में उल्लेखनीय कमी देखी गई, केवल 15 वर्षों की अवधि (2005/6-19/21) के भीतर 415 मिलियन लोग गरीबी से बाहर निकले। रिपोर्ट दर्शाती है कि गरीबी में कमी लाना संभव है। हालांकि, कोविड-19 महामारी की अवधि के दौरान व्यापक डेटा की कमी के कारण तत्काल संभावनाओं का आकलन करने में चुनौतियां पैदा होती हैं। भारत में, 2005/2006 से 2019/2021 तक 415 मिलियन गरीब लोग गरीबी से बाहर निकले, 2005/2006 में 55.1 प्रतिशत से गिरकर 2019/2021 में 16.4 प्रतिशत हो गई।

बंगाल में मतगणना ...

एजेंट को भी पीटा गया। उसे घुसने नहीं दिया गया। भाजपा समर्थक महिलाओं को पीटा गया। उनके कपड़े फाड़ दिए गए। स्थानीय भाजपा नेता गोपीनाथ सरदार ने बताया कि तृणमूल कांग्रेस समर्थक हमले कर रहे हैं। पुलिस उनकी मदद कर रही है। मतगणना केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में केंद्रीय बलों की सुरक्षा है। मगर यह लोग इस दायरे से पहले ही पूरा गिरोह बनाकर खड़े हैं। काटोया में भी भाजपा के काउंटिंग एजेंट को मतगणना केंद्र के अंदर प्रवेश नहीं करने दिया गया। इसके खिलाफ भाजपा कार्यकर्ताओं ने थाने का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया है।

स्वर्वेद भाष्य

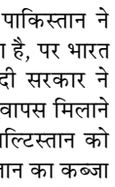

पंचम मंडल **प्रथम अध्याय**

(विविध योग)

परम पुरुष अरु आतमा, सन्धि निरन्तर योग।
जड़ माया व्यापे नहीं, कभी न होय वियोग॥ 17॥

शब्दार्थ : (परम पुरुष) पूर्ण परब्रह्म (आत्मा) जीवात्मा (सन्धि) संबंध (वियोग) विच्छेद (व्यापे) प्रभाव।

भाष्य : परब्रह्म और जीवात्मा के निरंतर संबंध को योग कहते हैं, जहां पर जड़ प्रकृति का प्रभाव नहीं पड़ता और न कभी दोनों का संबंध छूटता है।

मेरुडंड पर बैठकर, योगी तारी लाय।
देह भस्म माटी मिली, तब कहँ योग समाय॥ 18॥

शब्दार्थ : (मेरुडंड) जो पीठे चूतड़ से लेकर गर्दत तक सीधे दंड है जिस पर सारा शरीर खड़ा है, उस पर्वत के समान खड़े हुए दंड को मेरुदंड कहते हैं। (तारी) चेतना की एक स्थिरता।

भाष्य : मेरुदंड पर स्थित हो कर योगी तारी लाता है और जह यह देह भस्म हो कर मिट्टी में मिल जाती है, तब वह योग कहां पर प्रवेश करता है? प्रकृति-आधार स्थित हो कर योग नहीं होता, क्योंकि प्रकृति एकरूप में न रहकर नष्ट हो जाती है, तब बिना आधार का योग कैसे होगा? इसलिए प्रकृति-आधार का जब साथ छूट जाता है और आत्मा स्वच्छंद, स्वतंत्र हो जाती है, तब प्रभुप्राप्ति के योग का साधन उपयुक्त होता है। प्रकृति और प्रकृति-मंडल के योग मन एवं प्राण के आधार पर होते हैं जो आत्मा के विशुद्ध उन्नति के साध नहीं है इसलिए आत्मा को वास्तविक सुख-शांति की प्राप्ति नहीं होती। सद्गुरु-विधान द्वारा प्रकृति और उसके देह-संघात से पृथक हो कर अपने शुद्ध चेतन स्वरूप से जो साधन होता है, वही आत्मा के कल्याण का हेतु भव-दुःख बंधन को छुड़ाने वाला होता है।

जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग को लेकर जेएसएफ का अनिश्चितकालीन धरना 23 सितंबर से

गुवाहाटी (हिंस)। आज विश्व जनसंख्या दिवस है। आज के दिन के महत्व को बनाए रखने के लिए जनसंख्या समाधान फाउंडेशन, असम (जेएसएफ) द्वारा भारत के प्रधान मंत्री को एक ज्ञापन सौंपा गया। जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग को लेकर 23 सितंबर से जेएसएफ द्वारा अनिश्चितकालीन धरना कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जनसंख्या नियंत्रण कानून की वकालत में 23 सितंबर, 2023 को नई दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम पर जेएसएफ द्वारा जनसंख्या नियंत्रण कानून की वकालत में देश भर में चल रहे हस्ताक्षर संग्रह अभियान के बाद 22 सितंबर को देशभर से कार्यकर्ता नई दिल्ली पहुंचेंगे। आज जेएसएफ, असम के कार्यकर्ताओं ने जनसंख्या असंतुलन के कारण देश में संभावित गृह युद्ध को रोकने के लिए प्रधान मंत्री को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा। देश के सभी हिस्सों से जेएसएफ कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्रों में जनसंख्या नियंत्रण कानून के

समर्थन में हस्ताक्षर के पन्ने एकत्र करके 22 सितंबर को दिल्ली-गाजियाबाद सीमा पर जेएसएफ शिविर में एकत्र होंगे। वहां से 23 सितंबर को सुबह 8 बजे प्रधानमंत्री कार्यालय तक जुलूस निकाला जाएगा। जन प्रतिनिधियों के माध्यम से प्रधानमंत्री को संबोधित पत्र में कहा गया है कि संगठन ने 23 सितंबर से धरना जारी रखने का निर्णय लिया गया है। जब तक वे जनसंख्या नियंत्रण कानून की प्रक्रिया शुरू करने के लिए सहमत नहीं हो जाते तब तक अनिश्चित काल तक धरना जारी रहेगा। जेएसएफ पिछले नौ वर्षों से अधिक समय से अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल चौधरी के नेतृत्व में जनसंख्या नियंत्रण कानून की वकालत करते हुए देश भर के 23 राज्यों के 400 से अधिक जिलों में अभियान चला रहा है। अभियान को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य और जेएसएफ के मुख्य संरक्षक इंद्रेश कुमार और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह सहित 125 सांसदों ने समर्थन दिया है। बताया गया है कि संगठन और संसद का एक संयुक्त प्रतिनिधिमंडल 9 अगस्त, 2018 को भारत के राष्ट्रपति से मिला था और 125 सांसदों द्वारा हस्ताक्षरित एक याचिका सौंपी। यह पत्र असम के कामरूप (मेट्रो) के जिला उपायुक्त को जेएसएफ के अध्यक्ष पंकज तालुकदार, युवा और महिला विंग के अध्यक्षों, उपाध्यक्षों, महासचिवों और कई लोगों की उपस्थिति में सौंपा गया था।

जाली नोटों के साथ दो गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी शहर के बीचों-बीच नकली नोटों का हो रहे कारोबार का पता चला है। गुवाहाटी की कामाख्या थाना पुलिस ने मालीगांव स्थित नर्सरी में नकली नोटों के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार गिरफ्तार तस्करों की पहचान धुबड़ी के सद्दाम हुसैन और कोकराझाड़ के महमूद हसन के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के पास से 500 रुपए मूल्य के 297 नकली नोट जब्त किए हैं। साथ ही पुलिस ने 45 हजार रुपए नकद असली नोट के साथ दो मोबाइल फोन भी जब्त किए। उल्लेखनीय है कि दोनों तस्कर नकली नोटों से असली नोटों को बदलने का कारोबार किया करते थे। खुफिया जानकारी के आधार पर कामाख्या पुलिस के आईसी अभिलेख तालुकदार के नेतृत्व में चलाए गए एक अभियान के दौरान दोनों रंगेहाथ पकड़े गए। दोनों के खिलाफ जालुकबाड़ी पुलिस थाने में पहले ही मामला दर्ज है। पुलिस अधिक जानकारी के लिए पूछताछ कर रही है।

असम-पश्चिम बंगाल सीमावर्ती क्षेत्र सीमाल्टापु से ड्रक्स के साथ दो गिरफ्तार

कोकराझाड़ (विभास)। जिले के गोसाईगांव महकमे के अंतर्गत असम-पश्चिम बंगाल सीमावर्ती सुमल्टापू पुलिस चौकी के अंतर्गत पीजीआर गांव में आज दोपहर करीब 1 बजे गांव वालों ने ड्रक्स के साथ दो युवकों को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। पकड़े गए दोनों युवकों की पहचान सुमल्टापू गांव के निवासी हारानूर इस्लाम (20) और रफीकुल इस्लाम (22) के रूप में की गई है। पुलिस ने युवकों के पास से एएस 01 -एजे 7671 नंबर का स्वीफ्ट गाड़ी समेत आठ कांटेनर में रखे ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया है। फिलहाल पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है।

विपक्षी बीपीएफ सदस्यों ने बीटीसी के मानसून सत्र से किया वॉकआउट

कोकराझाड़ (हिंस)। बोड़ोलैंड की विपक्षी पार्टी बोड़ोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के पार्षदों ने बोड़ोलैंड टेरिटोरियल कार्उंसिल (बीटीसी) के चालू मानसून सत्र के पहले दिन आज सदन से वाकआउट किया। कोकराझाड़ शहर के बडोफा स्थित बीटीसी परिषदीय सचिवालय में आज से बीटीसी का मानसून सत्र आयोजित किया गया है। बीपीएफ ने सदन की कार्यवाही बीच में ही छोड़ दी। क्योंकि, सत्तारूढ़ दल ने सत्र के दौरान निर्वाचन क्षेत्र के पुनर्निर्धारण, भर्ती, शिक्षा आदि जैसे विभिन्न मुद्दों पर चर्चा नहीं की। विपक्ष के नेता और बीपीएफ पार्षद देरहासांग बसुमतारी ने अपना गुस्सा व्यक्त करते हुए कहा कि सत्तारूढ़ यूपीपीएल, भाजपा और जीएसपी गठबंधन वाली बीटीसी परिषद सरकार सदन के पटल पर महत्वपूर्ण मुद्दों का जवाब रखने में सक्षम नहीं है। क्योंकि, उन्होंने बीटीसी निवासियों के वास्तविक विकास पर ध्यान नहीं दिया है। बीटीसी के मुख्य कार्यकारी सदस्य प्रमोद बोड़ो ने बीटीसी सचिवालय में एक संवाददाता सम्मेलन को भी संबोधित किया।

तीन लाख से अधिक लाभार्थी करेंगे गृह-प्रवेश

गुवाहाटी (हिंस)। असम के ग्रामीण एवं पंचायत राजमंत्री रंजीत दास ने बताया कि आगामी 13 जुलाई को *प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)* के तहत तीन लाख से अधिक लाभार्थी एक साथ गृह प्रवेश करेंगे। यह जानकारी पंचायत राजमंत्री रंजीत दास ने पांजाबारी स्थित पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा 13 जुलाई को दिन के 11 बजे श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र परिसर से इस कार्यक्रम का औपचारिक रूप से उद्घाटन करेंगे। उन्होंने कहा कि इस मौके पर दिन के 11.30 बजे से राज्य के प्रत्येक जिला, विकास खंड तथा पंचायत स्तर पर सांसद, मंत्री, विधायक, जिला परिषद अध्यक्ष और सदस्य, पंचायत तथा क्षेत्रीय पंचयात अध्यक्ष आदि विशिष्ट व्यक्ति अपने-अपने इलाकों में लाभार्थियों को गृह प्रवेश कराएंगे।

रंगिया : लोगों ने एक झपटमार को पकड़कर पुलिस को सौंपा

रंगिया (विभास)। सीडीएम से रुपए झपटकर भागने की घटना से रंगिया में सनसनी फैल गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक गृहरक्षी जवान सनोवर हुसैन रंगिया के व्यस्ततम एम जी रोड के समीप स्थित स्टेट बैंक के सीडीएम में 9 हजार रुपए जमा कर रहा था। उसी समय पीछे खड़े एक बदमाश ने उसे धक्का देकर उक्त रुपए लेकर भागने लगा। रुपए झपटकर भागते समय घटनास्थल पर उपस्थित लोगों ने उसे दबोच लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान गोरोका (खैराबाड़ी), रंगिया निवासी मानस कलिता (उम्र-22) के रूप में हुई है। अभियुक्त के पास से एक चाकू और छीनी गई रकम 9000 बरामद कर ली गई है। पुलिस पकड़े गए व्यक्ति से सघन पूछताछ कर रही है।

धुबड़ी से लोकसभा चुनाव लड़ने का मन बनाया सैफुल इस्लाम

नागरबेड़ा (विभास)। आगामी लोकसभा चुनाव का दिन जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, विभिन्न राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों ने हड़बड़ी शुरू कर दी है. एआईयूडीएफ के अध्यक्ष और मौजूदा सांसद मौलाना बदरुद्दीन आजमल निर्वाचन क्षेत्र से फिर से निर्वाचित होने के लिए विभिन्न स्थानों पर बैठकें करके लोगों को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि कांग्रेस के पूर्व सांसद आब्दुल हामिद, पूर्व मंत्री वाजेद आली चौधरी, गोलपारा पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र के विधायक आब्दुर रशिद मंडल ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। पार्टी सूत्रों के एक खबर के अनुसार पूर्व मंत्री रकीबुल हुसैन भी धुबड़ी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। इस बीच, भाजपा की सहयोगी एजीपी से पार्टी में शामिल हुए अब्दुर रहीम जिबरान के भी चुनाव लड़ने की संभावना है।भाजपा की ओर से अभी तक किसी उम्मीदवार का नाम सामने नहीं आया है लेकिन मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के राज्य सह सम्मेलन सैफुल इस्लाम ने अल्पसंख्यक मंच धुबड़ी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने की आशा जताई है। सैफुल इस्लाम ने कहा कि अगर पार्टी उन्हें टिकट देती है, तो वह एआईयूडीएफ और कांग्रेस उम्मीदवारों को आसानी से हरा पाएगी। इस बीच, मुस्लिम राष्ट्रीय मंच असम में सम्मेलन के आलकास हुसैन और राज्य सम्मेलन के नूर आजम मंडल ने भी मांग की है कि सैफुल इस्लाम से पहले पार्टी पदाधिकारियों को लोकसभा चुनाव में भाजपा का टिकट दिया जाए। नूर आजम मंडल ने कहा कि मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के संगठनात्मक पहलू को और मजबूत करने के लिए गोवालपारा में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक आयोजित करने की योजना बनाई जा रही है।

विशिष्ट शिक्षाविद डॉ. शरदानंद देवगोस्वामी का निधन

जुलाई। जाने-माने लेखक, पत्रकार, लघु कथाकार, उपन्यासकार, शिक्षाविद, साहित्यिक, होजाई महाविद्यालय के सेवानिवृत्त अध्यापक, होजाई जिला साहित्य सभा के संस्थापक अध्यक्ष, डॉ. शरदानंद देवगोस्वामी का सोमवार शाम होजाई के हाम अस्पताल में निधन हो गया। निधन के वक्त उनकी आयु 80 वर्ष थी। उनके निधन के समाचार से पूरे होजाई जिले में शोक की लहर है। आज सुबह 9:00 बजे उनके विष्णुपल्ली स्थित निवास से उनकी अंतिम यात्रा निकली। उन्हें सर्वप्रथम श्रद्धांजलि अजमल फाऊंडेशन, विष्णु मंदिर, रविंद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, होजाई प्रेस क्लब,हाम अस्पताल, अंकुर संघ, मरकाजुल मारीफ, जकारिया क्लब द्वारा अपने अपने संस्थान के सम्मुख दी गई तत्पश्चात अंतिम यात्रा होजाई साहित्य सभा परिसर पहुंची जहां दर्जनों संस्थाओं व व्यक्तिगत रूप से लोगों ने उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। उनका अंतिम संस्कार शांति वन श्मशान में हुआ।

कामरूप जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति की बैठक आयोजित

रंगिया (विभास)। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (डीडीसीएमसी) की बैठक आज एकीकृत उपायुक्त कार्यालय, अमीनगांव के बैठक कक्ष में गुवाहाटी लोकसभा क्षेत्र की सांसद क्वीन ओजा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में जिले में विभिन्न विकास विभागों द्वारा क्रियान्वित की जा रही योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा की गई। मंगलदई लोकसभा क्षेत्र के सांसद दिलीप शैकिया, पश्चिम गुवाहाटी विधानसभा क्षेत्र के विधायक रमेंद्र नारायण कलिता, पलाशबाड़ी विधानसभा क्षेत्र के विधायक हेमांग ठाकुरिया, जिला उपायुक्त कीर्ति जल्ली, कामरूप जिला परिषद की अध्यक्ष रीता तालुकदार, कामरूप जिले के विकास आयुक्त नर्सिंग बे, कामरूप जिले के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पराग कुमार काकोती, जिले के सभी विधानसभाओ के सभी विधायकों के प्रतिनिधि, पंचायतों और क्षेत्रीय पंचायतों के अध्यक्ष और विभिन्न विभागीय शीर्ष अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में जिला परिषद के अधीन जारी विभिन्न योजनाएं, महात्मा गांधी एनरेगा, अमृत सरोवर और प्रधानमंत्री आवास योजना

(ग्रामीण), जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), लोकनिर्माण की प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, समाज कल्याण विभाग के तहत आदर्श आंगनबाड़ी केंद्र, सिंचाई विभाग की प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, सौर ऊर्जा संचालित पंप, कौशल विकास विभाग की प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, सांसद आदर्श ग्राम योजना, खाद्य के तहत नए राशन कार्ड जारी करने के विषय और शिक्षा विभाग के तहत विभिन्न योजनाओं की प्रगति, मत्स्य पालन विभाग के तहत प्रधान मंत्री मत्स्य सम्पदा योजना और वन विभाग के तहत जारी विभिन्न योजनाओं की प्रगति और क्रियान्वित विभिन्न योजनाओं पर चर्चा की गई।

शिव भक्तों के लिए लायंस उमंग का सेवा शिविर आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। सावन के महीने में बाबा भोलेनाथ को जल अर्पित करने जाने वाले शिवभक्त कांवड़ियों के लिए लायंस क्लब आफ गुवाहाटी उमंग की ओर से सेवा शिविर का आयोजन किया गया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में शिविर का आयोजन पलटन बाजार स्थित नेपाली मंदिर के पास किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में कांवरियों के बीच रात भर बुंदिया-भुजिया, फूड पैकेट (सब्जी, पुलाव) व पेयजल की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम संयोजिका सुनीता पारीक व लिपिका मोदी की देखरेख में संपादित किया गया। इसके अलावा क्लब की ओर से कार्यक्रम संयोजिका प्रीति जैन

की देखरेख में हंगर रिलीफ परियोजना के तहत बी बरुवा कैंसर अस्पताल में बड़ी संख्या में लोगों के लिए भोजन उपलब्ध कराया गया। वही सयोजिका बबीता जालान की देख रेख में जीएमसीएच ऑडिटोरियम के पास भी हंगर रिलीफ कार्यक्रम के तहत जरूरतमंद लोगों को भोजन कराया गया। जिलापाल प्रथम सीमा गोयनका के मार्गदर्शन में आयोजित मानव सेवा के इस कार्यों को सफल बनाने में अध्यक्ष कंचन पोद्दार, सचिव संगीता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष स्वाति चौधरी, अनीता जैन, बंदना बड़जातिया, रोमा भजनका, रिंकी केडिया, सुखविंदर कौर, श्वेता खंडेलिया, शशि सरावगी, सोनाली जैन, ज्योति खेमका, सलोनी जैन के अलावा इंदिरा देवी जैन, आयुषी जैन, ऋतु जैन, रिया जैन, सिद्धार्थ जैन, लियो कामरूपा के सदस्य ध्रुब मोदी का भरपूर सहयोग रहा।

पुलिस एनकाउंटर में घायल अपराधी की मौत दो पुलिस कर्मी घायल

कछार (हिंस)। कछार जिला मुख्यालय शहर सिलचर स्थित सिलचर कारागार से फरार शातिर अपराधी हिफजुर पुलिस एनकाउंटर में बीती रात गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसकी इलाज के दौरान सिलचर मेडिकल कालेज एंड अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने आज (मंगलवार) बताया है कि गत 11 मई को सिलचर जेल से फरार हिफजुर रहमान की तलाश में असम-मेघालय के सीमावर्ती राताछोड़ा इलाके में असम पुलिस की एक टीम पहुंची थी। इस दौरान उसने पुलिस दल पर अचानक हमला कर दिया। हिफजुर द्वारा किए गए हमले में दो पुलिस वाले घायल हो गए।

रंगिया : हर बुधवार को सभी व्यवसायी प्रतिष्ठान रहेंगे बंद

रंगिया (विभास)। रंगिया के सभी व्यवसाय संगठनों के अध्यक्ष-सचिव तथा अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में रंगिया महकमाधिपति कार्यालय के सभागार में महकमाधिपति दिपन बर्मन और पौरसभा के अध्यक्ष अमरेंद्र लहकर के नेतृत्व में एक विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे गए। इनमें से पहला प्रस्ताव रंगिया में प्रति सप्ताह के बुधवार को सभी व्यवसाय बंद रखने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। मालूम हो कि रंगिया में बुधवार को व्यवसायिक छुट्टी सन 1967 से चलती आ रही है। परंतु कोई ठोस कार्यवाही न होने के कारण कई दुकानदार अपनी दुकानें खुली रखते आ रहे है।

लोहिया हुंडई में किया गया हुंडई एक्सटर को लांच

गुवाहाटी (विभास)। भारत की पहली स्मार्ट मोबिलिटी समाधान प्रदाता और शुरुआत से सबसे बड़ी निर्यातक हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने आज अपनी स्पोर्टी एंट्री एसयूवी - हुंडई एक्सटर लांच की। इसे लोहिया हुंडई, सरुजसाई में भी भव्य तरीके से लांच किया गया। इस अवसर पर श्री बद्रीनाथ सीयू-क्षेत्रीय बिक्री प्रमुख, हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड के साथ-साथ अन्य विशिष्ट अतिथि-आरजे मैंडी, कौशिक गोगोई और ध्रुब जे कलिता के साथ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इसे 5.99 लाख रुपए (एक्स-शोरूम) की शुरुआती कीमत पर बिल्कुल नया एक्सटर लांच किया गया है। इसके सेगमेंट में बेंचमार्क को फिर से परिभाषित करने के लिए

डिजाइन किया गया। हुंडई एक्सटर को अनोखे एक्सटीरियर, विशाल इंटीरियर, उन्नत सुरक्षा (6 एयर बैग) और प्रौद्योगिकी और असाधारण प्रदर्शन के सिद्धांतों को प्रतिबिंबित करने के लिए विकसित किया गया है। हुंडई एक्सटर भारत के जनरल एमजेड ग्राहकों के गुणों का प्रतीक है, जो घूमने की लालसा और अन्वेषण के एड्रेनालाईन से प्रेरित हैं। हुंडई एक्सटर के लांच पर बोलते हुए, हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड के एमडी और सीईओ, श्री अनसू किम ने कहा, हुंडई मोटर इंडिया ने हमेशा अपने क्रांतिकारी उत्पादों और प्रौद्योगिकियों के साथ उद्योग में नए मानक बनाए हैं। एक बार फिर, एक्सटर के साथ हमें एक ऐसी एसयूवी पेश करने पर गर्व है जो नवीन डिजाइन, बुद्धिमान प्रौद्योगिकी और असाधारण प्रदर्शन के प्रति हुंडई की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। अपने आधुनिक और भरोसेमंद एक्सटीरियर, अत्याधुनिक तकनीक और अद्वितीय सुरक्षा सुविधाओं के साथ, हुंडई एक्सटर इस तेजी से बढ़ते सेगमेंट। को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है। हमें विश्वास है कि हुंडई एक्सटर हमारे ग्राहकों की अपेक्षाओं को पूरा करेगी और भारत के अग्रणी स्मार्ट मोबिलिटी समाधान प्रदाता के रूप में हुंडई की स्थिति को फिर से स्थापित करेगी।

PROHIBITORY ORDER U/S 144 Cr. P. C.

Whereas Hon'ble Supreme Court of India vide its order I.A. No. 42944/2019 on WP (C) 202/1995 dtd 12/04/2019 has directed to stop all new construction In all the nine identified animal corridors on NH-715 (erstwhile NH-37)/AH-1 passing through the vicinity of Kaziranga National Park and Tiger Reserve.

And whereas urgent steps are needed to be taken in connection with implementation of the above Hon'ble Supreme Court order to prevent any new construction in the 7 identified animal corridor areas including those on private land as well as restrict/limit some other activities in the interest of protection and preservation of the animals of Kaziranga National Park.

And whereas the Govt. of Assam has already identified and delineated all the nine animal corridors vide Govt. Notification No. FRW 7/2022/Pt V/01 dtd 01/04/2022 which covers the 7 animal corridors falling under Kaliabor Sub-Divisional jurisdiction described in the schedule below.

Therefore, in exercise of the powers conferred upon me under section 144 (1) of the Cr. P.C. I, Liza Talukdar, ACS, Addl District Magistrate, I/c Kaliabor Sub-Division do hereby promulgate prohibitory order prohibiting the following in the areas under schedule :

1. **Any kind of new construction is strictly prohibited in the areas of all the seven notified animal corridors falling under the jurisdiction of Kaliabor Revenue Circle in Kaliabor Sub-Division under Nagaon District.**
2. **Parking and stoppage of Trucks and HMV in the animal corridor and cleaning/ washing of vehicles which can pollute the natural water source and endanger/be detrimental to the flora and fauna of Kaziranga National Park is strictly prohibited.**
3. **Use of high voltage/intensely bright electrical lights at night is strictly prohibited.**
4. **Playing of sound/ music in high/loud volume through music. system etc. is strictly prohibited.**
5. **Blowing of loud horns in and around Kaziranga National Park including Additional area is strictly prohibited.**

This order shall come into force with immediate effect and shall continue until further order.

In view of emergent nature of the situation, this order is passed ex-parte under section 144 (2) of the Cr. P.C. Any person feeling aggrieved due to this order may approach the undersigned, with a just cause and in writing, for exemption / rescind / alteration of this order under section 144 of the Cr. P.C.

In the event of any violation of this prohibitory order, action will be taken u/s 188 of the IPC against the violators.

Schedule :

All the seven notified animal corridors on and around NH-715 (erstwhile NH-37)/AH-1 passing through the vicinity of Kaziranga National Park and Tiger Reserve and falling under the jurisdiction of Kaliabor Revenue Circle in Kaliabor Sub-Division under Nagaon District as shown below with their GPS Coordinates:

1.	Baguri (Dwar Bagori Mouza) : Length on NH: 1337 Mtr	East : Lat 26.580433⁰ N Long 93.296822⁰E West : Lat 26.577490° N Long 93.284215⁰E
2.	Harmati (Dwar Bagori Mouza) : Length on NH : 1410 Mtr	East : Lat 26.578285° N Long 93.266627°E West : Lat 26.576363° N Long 93.253413°E
3.	Kanchanjuri (Dwar Bagorl Mouza) : Length on NH : 6351 Mtr	East : Lat 26.575306° N Long 93.239720°E West : Lat 26.574163° N Long 93.176747°E
4.	Hatidandi (Dwar Bagori Mouza) : Length on NH : 5290 Mtr West :	East : Lat 26.574163° N Long 93.176747°E Lat 26.576107° N Long 93.152436⁰E
5.	Deosur (Dwar Bagori Mouza) : Length on NH : 5292 Mtr	East : Lat 26.576107 N Long 93.152436⁰E West : Lat 26.573619° N Long 93.103493⁰E
6.	Chirang (Dwar Bagori Mouza) : Length on NH : 2530 Mtr	East : Lat 26.573619° N Long 93.103493°E West : Lat 26.577277° N Long 93.080917°E
7.	Amguri (Dwar Bagori Mouza) : Length on NH : 6628 Mtr West :	East : Lat 26.577277° N Long 93.080917°E Lat 26.569563° N Long 93.021177°E

Given under my hand and seal on this 10th day of July, 2023.

Addl District Magistrate
I/C Kaliabor-Sub-Division

-- Janasanyog /D/ 6631/ 23

विभागों के बंटवारे को लेकर खींचतान जारी

अजित पवार की मांग ने बढ़ाई शिंदे-फडणवीस की टेंशन

मुंबई। महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता अजित पवार और पार्टी विधायकों के एक वर्ग के शामिल होने के नौ दिन बाद, बहुप्रतीक्षित राज्य मंत्रिमंडल विस्तार अभी तक नहीं हुआ है। इसको लेकर महाराष्ट्र में चर्चाओं का दौर जारी है। राज्य में सत्तारूढ़ शिवसेना और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सूत्रों ने बताया कि यह कदम विभागों के बंटवारे को लेकर अटका हुआ है, क्योंकि उपलब्ध पदों की तुलना में मंत्री पद के दावेदार अधिक हैं। सूत्रों ने कहा कि यह 17 जुलाई से पहले होने की उम्मीद है, जब राज्य विधानसभा का मानसून सत्र शुरू होगा। विभागों के बंटवारे को लेकर लगातार बैठकों का दौरा जारी है। अजित पवार और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी कई बार मिल चुके हैं। वहीं देवेंद्र फडणवीस भी लगातार बैठक कर रहे हैं। अजित पवार ने शिंदे सरकार में डिप्टी सीएम के रूप में शपथ ली, यह पद वह 2 जुलाई को फडणवीस के साथ साझा कर रहे हैं। आठ अन्य एनसीपी विधायकों ने भी शिंदे सरकार में शामिल होने के लिए शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी

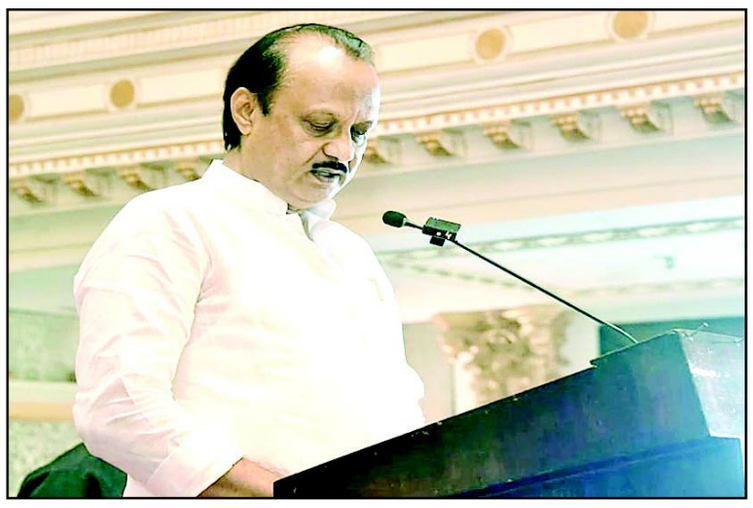

के खिलाफ बगावत कर दी थी। हालाँकि, अभी तक उन्हें विभाग आवंटित नहीं किये गये हैं। सूत्रों ने बताया कि सरकार में एनसीपी नेताओं के प्रवेश ने भाजपा और सेना खेमों में असंतोष को हवा दी है। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि महाराष्ट्र में कैबिनेट विस्तार दो दिनों में होगा और भाजपा और शिवसेना को पांच-पांच कैबिनेट मंत्री पद मिलेंगे। वर्तमान में, राज्य मंत्रिमंडल में 29 मंत्री हैं जिनकी अधिकतम संख्या 43 है। भाजपा नेता ने कहा कि भाजपा और शिवसेना को आवंटन के बाद चार कैबिनेट स्थान बचेंगे। अब जो भी शामिल किया जाएगा उसे कैबिनेट मंत्री के रूप में लिया जाएगा और कोई राज्य मंत्री नहीं होगा। कैबिनेट विभागों के आवंटन पर गतिरोध मुख्य रूप से बागी एनसीपी नेताओं को पदों के वितरण का परिणाम है। सूत्रों ने बताया कि अजित पवार ने गृह, वित्त, पर्यटन, उत्पाद शुल्क, सामाजिक न्याय और ग्रामीण विकास जैसे प्रमुख मंत्रालय मांगे हैं। शिवसेना-शिंदे के विधायक संजय शिरसाट ने कहा कि विभागों के बंटवारे पर अभी भी विचार चल रहा है और 1-2 दिनों में कैबिनेट विस्तार होने की संभावना है। तीनों पार्टियों (भाजपा, शिवसेना और एनसीपी) को एक पेज पर आने की जरूरत है. हम मुख्यमंत्री से मिलने जा रहे हैं और फिर हमें अधिक जानकारी मिल सकती है... अधिकारियों को विभाग तय करने दीजिए। अब तक जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक अजित पवार को वित्त मंत्रालय मिल सकता है। हालांकि, कहा जा रहा है कि अगर गृह या वित्त मंत्रालय में से कोई भी पवार को जाता हो तो यह फडणवीस के लिए झटका होगा।

प्रकाशम में नहर में गिरी बस सात लोगों की मौत, कई घायल

अमरावती। आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले में मंगलवार को बड़ा हादसा हुआ। यहां शादी समारोह में जा रही एक बस तड़के नहर में गिर गई। इस घटना में कम से कम सात लोगों की मौत हुई है, जबकि कई और लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, घटना की सूचना मिलते ही राहत-बचाव दल को घटनास्थल पर भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक, दारसी के बाहरी इलाके में यह हादसा उस समय हुआ, जब लगभग 45 बारातियों से भरी आंध्र प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (एपीएसआरटीसी) की बस एनएसपी नहर में गिर गई। पुलिस ने बताया कि इस हादसे में बस में सवार पांच महिलाओं, एक पुरुष और छह साल की एक बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। प्रकाशम जिले की पुलिस अधीक्षक (एसपी) मल्लिका गर्ग ने बताया कि एपीएसआरटीसी बस का चालक विपरीत दिशा से आ रही एक निजी बस से टकराने से बचने की कोशिश में वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा, जिससे एपीएसआरटीसी बस नहर में जा गिरी। गर्ग के मुताबिक, नहर में गिरने से पहले बस एक खंभे से भी टकराई। उन्होंने बताया कि हादसे में बच गए बस चालक ने कहा कि बस के स्टीयरिंग ने काम करना बंद कर दिया था और ब्रेक भी फेल हो गए थे। शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक, हादसे में मौतों का कारण दम घुटना था, क्योंकि जो लोग आगे की सीटों पर बैठे थे, वे पीछे के हिस्से से उनके ऊपर गिरे अन्य यात्रियों का वजन नहीं सह पाए। पुलिस अधीक्षक के अनुसार, हादसे में बचे बस चालक, खलासी और अन्य यात्री खिड़कियों के शीशे तोड़कर वाहन से बाहर निकले। उन्होंने बताया कि हादसे में कम से कम 18 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें ओंगोल के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस अधीक्षक के मुताबिक, बस में फंसे लोगों को निकालने के लिए घटनास्थल पर एक क्रेन भेजी गई थी। पोडिली के एक परिवार ने एक विवाह समारोह में शामिल होने के लिए काकीनाडा जाने के वास्ते एपीएसआरटीसी की बस किराये पर ली थी। ये लोग सोमवार देर रात 12 बज कर करीब 35 मिनट पर बस में सवार हुए थे और लगभग 15 मिनट बाद जब वे दारसी के बाहरी इलाके में पहुंचे, तो दुर्घटना के शिकार हो गए। पुलिस ने शुरुआती जांच के आधार पर चालक के शराब पीकर बस चलाने की आशंका को खारिज किया है। उसने भारतीय दंड संहिता की धारा-304 (गैर-इरादतन हत्या) के तहत मामला दर्ज कर हादसे की जांच तेज कर दी है।

अजीत डोभाल ने भारत को बताया विविधता की भूमि

नई दिल्ली। इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर में मंगलवार को आयोजित एक कार्यक्रम में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल शामिल हुए। इस कार्यक्रम में भारत के दौरे पर आए मुस्लिम वर्ल्ड लीग के महासचिव शेख डॉ. मोहम्मद बिन अब्दुल करीम अल-इस्सा ने भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम में डोभाल ने कहा कि भारत उन संस्कृतियों और धर्मों का मिश्रण है, जो सदियों से सद्भाव के साथ आगे बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि देश के धार्मिक समूहों के बीच इस्लाम एक अनोखा और गौरवपूर्ण स्थान रखता है। अपने संबोधन के दौरान डोभाल ने अल-इस्सा को उदारवादी इस्लाम की वैश्विक आवाज और उसकी गहरी समझ रखने वाला विद्वान बताया। भारत और सऊदी अरब के बीच वर्षों से जारी मजबूत और बेहतर संबंधों की सराहना करते हुए डोभाल ने कहा कि यह संबंध साझा सांस्कृतिक विरासत, समान मूल्यों और आर्थिक संबंधों पर आधारित हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत, अविश्वसनीय विविधता की भूमि है। डोभाल ने कहा कि अल-इस्सा ने अपनी बातचीत में हमारी विविधता का विस्तार से उल्लेख किया। भारत उन विभिन्न संस्कृतियों, धर्मों, भाषाओं और पंथों के लिए एक मिश्रित केंद्र रहा है, जो यहां सदियों से सद्भाव के साथ रह रहे हैं। भारत अपने सभी नागरिकों को उनकी धार्मिक, जातीय और सांस्कृतिक पहचान के बिना समान सम्मान देता है। डोभाल ने आगे कहा कि भारत के अलग-अलग धार्मिक समूहों के बीच इस्लाम एक अनूठा और गौरवपूर्ण स्थान रखता है। मुसलमानों की दूसरी सबसे बड़ी आबादी भारत में रहती है। भारत में रहने वाले मुसलमानों की संख्या इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) में शामिल 33 से ज्यादा सदस्य देशों की संयुक्त आबादी के लगभग बराबर है।

अनुच्छेद 370 पर बदले शेहला रशीद और आईएएस शाह फैसल के सुर

सुनवाई से पहले एससी में याचिका से वापस लिया नाम

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट तैयार हो गया है। अब दो अगस्त से रोजाना इस मामले में सुनवाई होगी। डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ मामले में सुनवाई करेगी। अनुच्छेद 370 के अलावा मंगलवार को शेहला रशीद और शाह फैसल चर्चा में रहे। दरअसल, छात्र नेता शेहला रशीद और आईएएस अधिकारी शाह फैसल ने अनुच्छेद 370 हटाए जाने के फैसले का पुरजोर विरोध किया था। शेहला और शाह ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर केंद्र के फैसले को चुनौती भी दी थी, लेकिन अब दोनों से सुर बदले-बदले से लग रहे हैं। शेहला और शाह ने अपनी-अपनी याचिका वापस ले ली है। शेहला

और शाह फैसल दोनों ने अदालत में कहा था कि वह इस मामले में अब पक्षकार नहीं बनना चाहते हैं। लिहाजा उन्होंने याचिका से अपना नाम वापस लेने के लिए एक आवेदन दिया था। इसके साथ ही अदालत ने शेहला रशीद को अनुच्छेद 370 को लेकर चुनौती देने वाली याचिकाकर्ताओं की सूची से अपना नाम हटाने की याचिका स्वीकार कर ली है, जबकि आईएएस अधिकारी शाह फैसल को लिस्ट से अपना नाम हटाने के लिए आवेदन करने को कहा है। शेहला रशीद अपने बयानों को लेकर चर्चा में रही हैं। शेहला ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने का पुरजोर विरोध किया था। जम्मू-कश्मीर की रहने वाली शेहला जेएनयू की छात्र रह चुकी हैं। वह जेएनयू में छात्र संघ की उपाध्यक्ष रह चुकी हैं। 2016 में जेएनयू के तत्कालीन छात्रसंघ अध्यक्ष कन्हैया कुमार और उमर खालिद की गिरफ्तारी के बाद शेहला ने प्रदर्शन किए थे। शेहला अपने विवादित बयानों को लेकर भी चर्चा में रही हैं। शेहला ने सेना पर कश्मीर के लोगों के साथ अत्याचार करने का आरोप लगाया था। दिल्ली पुलिस ने उनके खिलाफ राजद्रोह का केस दर्ज किया था।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया हवाई सर्वेक्षण

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया। इससे पहले उन्होंने ट्वीट कर कहा कि सभी वरिष्ठ नागरिकों और छोटे बच्चों वाले परिवारों सहित 10 लोगों को चंद्र ताल झील, लाहौल स्पीति से भुंतर, कुल्लू तक एयरलिफ्ट किया गया है। मैं निकासी और बहाली कार्यों की निगरानी के लिए जिला कुल्लू और मंडी का भी दौरा कर रहा हूं। इससे पहले सोमवार को उन्होंने कहा था कि राज्य ने पिछले 50 साल में इतनी भारी बारिश नहीं देखी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी राज्य में भारी बारिश के कारण हुए नुकसान के संबंध में मुख्यमंत्री से बात की और राज्य सरकार को संकट से बाहर निकालने के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। कुल्लू के उपायुक्त आशुतोष गर्ग ने मंगलवार को कहा कि कल रात से मौसम में सुधार हुआ है जिससे हमें बहाली कार्य में प्रगति करने में मदद मिली है। मैं आश्वस्त करना चाहता हूं कि फंसे हुए लोगों का ख्याल रखा जा रहा है क्योंकि कुल्लू में सात राहत शिविर स्थापित किए गए हैं। हिमाचल प्रदेश के मंडी में बाढ़ जैसी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि यहां लगातार बारिश के कारण ब्यास नदी उफान पर है। हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले में चंद्रताल झील में फंसे पर्यटकों को निकालने के लिए भारतीय वायु सेना के एक हेलीकॉप्टर को बुलाया गया है जबकि काजा से एक बचाव दल कुंजुम दर्रा पहुंच गया है तथा वह झील से महज आठ किलोमीटर दूर है। प्रधान सचिव (राजस्व) ओंकार चंद शर्मा ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जिले में बारिश और हिमपात के बाद 14,100 फुट की ऊंचाई पर स्थित चंद्रताल में शिविरों में करीब 300 लोग फंस गए हैं जिनमें से ज्यादातर पर्यटक हैं।

इसरो ने चंद्रयान-3 का लॉन्च रिहर्सल किया पूरा, 14 को किया जाएगा प्रक्षेपण

तिरूपति। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने मंगलवार को चंद्रयान-3 के लिए *लॉन्च रिहर्सल* को पूरा कर लिया है। बता दें कि चंद्रयान-3 मिशन को 14 जुलाई को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया जाएगा। इसरो ने ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी है। इसरो ने बताया कि *चंद्रयान-3 मिशन* के लॉन्च रिहर्सल की तैयारी और 24 घंटे तक चलने वाली प्रक्रिया को पूरा कर लिया गया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 5 जुलाई को सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में लॉन्च वाहन एलवीएम 3 के साथ चंद्रयान-3 युक्त एनकैप्सुलेटेड असेंबली को एकीकृत किया था। इसरो ने ट्वीट कर बताया कि आज श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में चंद्रयान-3 वाली इनकैप्सुलेटेड असेंबली को एलवीएम3 के साथ जोड़ा गया है। अंतरिक्ष एजेंसी के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने पिछले महीने एएनआई को बताया था कि वे 13-19 जुलाई के बीच अपने तीसरे चंद्र मिशन के लॉन्च की योजना बना रहे हैं। सोमनाथ ने कहा था कि हम चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग करने में सक्षम होंगे। लॉन्च का दिन 13 जुलाई है या फिर 19 जुलाई तक जा सकता है। बता दें कि चंद्रयान-2 गड़बड़ी के कारण चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग करने में असफल रहा था। हालांकि, अब वैज्ञानिकों का पूरा फोकस चंद्रयान-3 मिशन की सफलता है। इससे पहले पिछले साल अक्टूबर में इसरो अध्यक्ष ने कहा था कि जून 2023 में अपना चंद्रयान-3 मिशन लॉन्च करने की संभावना है। चंद्रमा पर भारत का दूसरा मिशन चंद्रयान-2, 22 जुलाई 2019 को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया गया था, लेकिन 6 सितंबर की सुबह विक्रम चंद्र लैंडर के चंद्रमा पर दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद मिशन विफल हो गया था।

खड़गे ने विपक्षी दलों के नेताओं को लिखा पत्र, अगली बैठक के लिए किया आमंत्रित

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने 17-18 जुलाई को बेंगलुरु में होने वाली अगली एकता बैठक में भाग लेने के लिए शीर्ष विपक्षी नेताओं को आमंत्रित किया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने शीर्ष विपक्षी दल के नेताओं को संबोधित एक पत्र में उन्हें बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा बुलाई गई 23 जून को पटना में आयोजित विपक्षी बैठक में उनकी भागीदारी के बारे में याद दिलाया। अपने पत्र में खड़गे ने लिखा कि बैठक एक बड़ी सफलता थी क्योंकि हम विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की और एक साथ चुनाव लड़ने पर सहमत हुए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हम विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने में सक्षम हुए जो हमारी लोकतांत्रिक राजनीति को खतरे में डालते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने नेताओं को आगे याद दिलाया कि हम जुलाई में फिर से मिलने पर सहमत हुए हैं। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि इन चर्चाओं को जारी रखना और हमने जो गति बनाई है उसे आगे बढ़ाना महत्वपूर्ण है। हमारा देश जिन चुनौतियों का सामना कर रहा है, उनका समाधान खोजने के लिए हमें मिलकर काम करने की जरूरत है। इसके अलावा, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि कृपया 17 जुलाई को शाम 6.00 बजे बेंगलुरु में होने वाली बैठक और उसके बाद रात्रिभोज में भाग लेना सुनिश्चित करें। बैठक 18 जुलाई 2023 को सुबह 11.00 बजे से जारी रहेगी। बेंगलुरु में आपसे मिलने के लिए उत्सुक हूं। 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर विपक्ष की पहली बैठक पटना में हुई, जिसमें 15 से ज्यादा पार्टियां शामिल हुईं। बैठक में शामिल होने वालों में एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी, राकांपा प्रमुख शरद पवार, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन समेत कई नेता शामिल थे।

रोडरेज की आड़ में की लड़ाई, 2.5 टन टमाटर लदा ट्रक लूट ले गए बदमाश

बेंगलुरु। देशभर में टमाटर के रेट में हुई वृद्धि ने आम लोगों की कमर तोड़ रखी है। लोग अब टमाटर को बचाने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं, तो इस दौड़ में बदमाश भी पीछे नहीं है। जहां यूपी से खबर आई थी कि टमाटर दुकान पर गार्ड्स की तैनाती हुई है। वहीं, अब बेंगलुरु में कुछ बदमाशों ने टमाटर लदे ट्रक को लूट लिया है। हालांकि, कर्नाटक से एक सप्ताह पहले भी ऐसी ही खबर सामने आई थी। बता दें कि बेंगलुरु के पास चिक्काजाला में रोड रेज की आड़ में तीन लोगों के एक गिरोह ने कथित तौर पर टमाटरों से लदे एक ट्रक का पीछा किया। काफी देर पीछा करने के बाद ट्रक को रुकवाकर टमाटर लदे ट्रक लेकर फरार हो गया। ट्रक में करीब 2.5 टन टमाटर लदे थे। मालूम हो कि बाजार में टमाटर का भाव आसमान छू रहा है और 100 से 150 रुपये प्रति किलो के भाव से बिक रहा है। जानकारी के मुताबिक, चित्रदुर्ग जिले के हिरियुर के किसान मल्लेश शनिवार को कोलार में टमाटर ले जा रहे थे। टमाटर लदे ट्रक ने गलती से उस कार को टक्कर मार दी, जिसमें आरोपी सवार थे। इसके बाद आरोपियों ने किसान और उसके ड्राइवर के साथ बदतमीजी की और मुआवजे के नाम पर बड़ी रकम मांगने लगे। हालांकि, किसान के पास पैसे नहीं थे और उन्होंने आरोपियों से बातचीत करने की कोशिश की, लेकिन आरोपियों ने एक नहीं सुनी। इसके बाद आरोपी ने कथित तौर पर ट्रक को लूट लिया। किसान बताया कि पहले तो आरोपी ने जबरदस्ती ट्रक चलाना शुरू कर दिया और बाद में किसान और ड्राइवर को धक्का देकर बाहर फेंक दिया और टमाटर लदे ट्रक लेकर फरार हो गया। इस मामले में पुलिस ने शिकायत दर्ज कर ली है।

श्री कृष्ण जन्मभूमि मामला

शाही ईदगाह मस्जिद समिति ने एचसी के फैसले को दी चुनौती

मथुरा। प्रबंधन ट्रस्ट शाही मस्जिद ईदगाह समिति ने मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि भूमि विवाद से संबंधित सभी याचिकाओं को उत्तर प्रदेश के जिला न्यायालय मथुरा से अपने पास स्थानांतरित करने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। कमेटी ऑफ मैनेजमेंट ट्रस्ट शाही मस्जिद ईदगाह ने वकील आरएचए सिकंदर के माध्यम से याचिका दायर की। ईदगाह ट्रस्ट ने 26 मई को इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा पारित एक आदेश को चुनौती दी है, जिसके तहत उसने कृष्ण जन्मभूमि विवाद से संबंधित ऐसे सभी मामलों को जिला न्यायालय मथुरा, उत्तर प्रदेश से अपने पास स्थानांतरित कर लिया था। स्थानांतरण आवेदन को इस तथ्य के बावजूद उच्च न्यायालय द्वारा अनुमति दी गई थी कि जिस मुकदमे से स्थानांतरण आवेदन निकला था, उस पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय की समन्वय पीठ ने दिनांक 03.08.2022 के आदेश के तहत रोक लगा दी थी। आक्षेपित निर्णय दो अपीलीय चरणों को हटा देता है और अन्य मुकदमों को भी इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर देता है, जिसके लिए कोई स्थानांतरण आवेदन दायर नहीं किया गया था।

पंचायत चुनाव में 45 लोगों की मौत को लेकर भाजपा ने टीएमसी को घेरा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनावों के दौरान हुई हिंसा को राज्य प्रायोजित करार दिया और दावा कि इसमें कम से कम 45 लोगों की मौत हुई है। पार्टी ने इस हिंसा के लिए तृणमूल कांग्रेस सरकार की कड़ी निंदा की और आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी *निर्मम* हैं क्योंकि हिंसा की घटनाओं के दौरान वह *मूकदर्शक* बन सब देख रही थीं। पश्चिम बंगाल में शनिवार को हुए पंचायत चुनाव में व्यापक पैमाने पर हिंसा हुई थी जिसमें 15 लोगों की मौत हो गयी। मतदान के दौरान मत पेटियां लूटी गई, मतपत्रों में आग लगाई गई और कई स्थानों पर प्रतिद्वंद्वियों पर बम भी फेंके गए। शनिवार को हुए चुनाव में 80.71 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि सोमवार को राज्य के जिन 696 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान हुआ, वहां शाम पांच बजे तक 69.85 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। हिंसा और मतपेटियों से छेड़छाड़ की खबरें आने के बाद इन मतदान केंद्रों पर फिर से मतदान कराने का फैसला किया गया था। मतगणना शुरू होने और शुरुआती रुझान आने के साथ ही भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने दावा किया कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की *दादागिरी की राजनीति* मतगणना के दिन भी जारी रही। उन्होंने पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि भाजपा के मतगणना एजेंटों और अन्य विपक्षी दलों के एजेंटों को मतगणना केंद्रों पर जाने से रोका जा रहा है। उन्होंने कहा कि मीडिया में आई खबरों के अनुसार पंचायत चुनाव में हिंसा के दौरान कम से कम 45 लोग मारे गए। बमबारी, फर्जी मतदान और धांधली मीडिया की खबरों में सबसे अधिक इस्तेमाल किए जाने वाले शब्द हैं। जो हिंसा हो रही है वह अप्रत्याशित है। चुनाव और हिंसा बंगाल में पर्यायवाची बन गए हैं। पात्रा ने कहा कि *निर्मम बंदोपाध्याय* जी मूकदर्शक होकर यह सब देख रही हैं। ये ममता नहीं निर्ममता है। पिछले विधानसभा चुनाव और पूर्व के पंचायत चुनावों में हत्याओं की संख्या का आंकड़ा देते हुए भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि उनकी पार्टी बंगाल में हिंसा और लोकतंत्र की हत्या की कड़ी निंदा करती है।

पात्रा में मतदान में पक्षपात का आरोप लगाते हुए कहा कि वहां केंद्रीय बल भेजे तो गए, लेकिन उनकी ठीक तरह से तैनाती नहीं की गई। पात्रा ने आरोप लगाया कि संवेदनशील मतदान केंद्रों की संख्या छुपाई गई। संवेदनशल मतदान केंद्रों का आंकड़ा दिया नहीं गया। केंद्रीय बलों की मौजूदगी के बावजूद 45 लोगों की हत्या दिखाती है कि राज्य सरकार प्रायोजित रूप से इन हत्याओं को अंजाम दे रही थी। यह राज्य प्रयोजित हत्या है। जितने लोग मारे गए हैं, वह प्रायोजित है, यह दुर्घटनावश नहीं हुआ है। उन्होंने दावा किया कि इसमें पुलिस प्रशासन से लेकर अधिकारी तक सब सम्मिलित हैं। एक तरह से सबकी मिलीभगत से संस्थागत हत्याओं को अंजाम दिया गया है। भाजपा नेता ने सवाल किया कि क्या यही लोकतंत्र है ममता जी? पात्रा ने कहा कि पश्चिम बंगाल में जिस प्रकार की हिंसा हुई है वैसी ही हिंसा अगर किसी भाजपा शासित राज्य में होती तो हाहाकार मच गया होता। उन्होंने विपक्षी नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि कहां है वे सारे ठगबंधन के नेता। कहां हैं लालू प्रसाद, नीतीश कहां हैं? वो मोहब्बत की दुकान खोलने वाले राहुल गांधी। कहां से ये सारे महाठगबंधन के नेता। किसी के मुंह से एक शब्द नहीं निकला है। इससे पहले, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने दावा किया था कि पश्चिम बंगाल के 100 से अधिक लोगों ने उनके राज्य में शरण ली है, क्योंकि पंचायत चुनाव के दौरान हुई हिंसा के कारण वह डरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि कल पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव में हिंसा के कारण अपनी जान को खतरा बताने वाले 133 लोगों ने असम के धुबड़ी जिले में शरण ली।

सपा सरकार के कामों पर अपना ठप्पा लगाकर भाजपा गिना रही विकास कार्य : अखिलेश यादव

लखनऊ, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को कहा है कि भाजपाराज में उत्तर प्रदेश में विकास का विनाश ही होता रहा है। खुद कोई विकास कार्य करने के बजाय भाजपा सरकार ने या तो समाजवादी सरकार के कामों पर अपना ठप्पा लगाया या फिर उन्हें बर्बाद करने का काम किया। लेकिन उसने जो भी किया, उसमें घोटाला जरूर मिलेगा। अखिलेश ने कहा कि चौबीस घंटा भी नहीं बीता कि पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे दो बार धंस चुका है। इस सड़क के लोकार्पण के बाद ही इसके धंसने की खबर थी। यहां दुर्घटना भी हो चुकी है। सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे धंस गया है। यही स्थिति बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे की भी है। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे हो या बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे दोनों की गुणवत्ता मानकों के विपरीत है और ये यात्रा के लिए खतरनाक बनी हुई है। इनकी गुणवत्ता और रखरखाव की जांच होनी चाहिए। तभी घोटाले और भ्रष्टाचार की सच्चाई का पता चल पाएगा। मुख्यमंत्री जी इनका श्रेय ले रहे थे, अब इस भ्रष्टाचार का श्रेय कौन लेगा? उन्होंने कहा कि एक्सप्रेस-वे के घोटाले की कड़ी में भाजपा राज में पौधरोपण का घोटाला भी सामने आ रहा है। पिछले वर्ष 31 करोड़ पौधे लगाने का सरकारी दावा था।

इस वर्ष 35 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य घोषित है। भाजपा सरकार के 6 साल में 132 करोड़ पौधे लगाये जाने का दावा है। सवाल यह है कि इतने पेड़ कहां लगे हैं? कितने क्षेत्रफल में पौधरोपण हुआ है? भाजपाई पारदर्शिता की बातें बहुत करते हैं उन्हें यह बताने में क्यों संकोच है कि कहां-कहां कितने पौधे लगा दिए गए? लगे हाथ ये भी बता दें कि उनके शासन काल में कितने पेड़ काटे गए हैं? अखिलेश ने कहा कि सच तो यह है कि भाजपा सरकार की नीयत में ही बुनियादी खोट है। इसके परिणाम स्वरूप जनहित में वह एक भी योजना कार्यान्वित नहीं कर पाई है। उसका सारा ध्यान सत्ता में काबिज रहने के लिए चुनाव और योजनाओं में घपला करने पर ही रहता है। भाजपा सरकार के कारनामों की सजा जनता भुगत रही है। आगे चुनाव में इसकी सजा भाजपा भुगतेगी। अब भाजपाराज की आखिरी गिनती शुरू हो गई है।

ओबरा में 18 हजार करोड़ में दो पावर प्लांट स्थापित करेगी योगी सरकार

-मुख्यमंत्री योगी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में प्रस्ताव को मंजूरी

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश सरकार सोनभद्र के ओबरा मे 800 मेगा वाट के दो पॉवर प्लांट स्थापित करेगी। इन दोनों प्लांट पर लगभग 18 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में ऊर्जा विभाग समेत कई अन्य विभागों के प्रस्ताव को मंजूरी मिली है। कैबिनेट बैठक के बाद ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने पत्रकार वार्ता में बताया कि यह पावर प्लांट उत्तर प्रदेश का पहला अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल पॉवर प्लांट होगा। राज्य सरकार और एनटीपीसी का 50-50 फीसद का संयुक्त प्रोजेक्ट, ओबरा डी के नाम से स्थापित होगा। सरकार ने पहला प्लांट 50 महीने में स्थापित होने की संभावना जताई है। दूसरे प्लांट की 56 महीने में संभावना है। दोनो प्लांट पर कुल लागत 17 हजार 985 करोड़ रुपये आएगी। कैबिनेट बैठक में लोक निर्माण विभाग के प्रस्ताव को भी मंजूरी मिली है। जनपद रामपुर में शाहाबाद - रामपुर - बाजपुर मार्ग के चैनेज 0 से चैनेज 30100 तक, चैनेज 48.754 से 7.246 तक कुल लम्बाई 57.592 किमी के चौड़ीकरण सुदृढ़ीकरण हेतु वित्तीय स्वीकृति मिली है। कुल लागत 02 अरब, 05 करोड़ 36 लाख, 51 हजार का अनुमोदन हुआ है। रामपुर शाहाबाद से शुरू होकर उत्तरा खंड के जिम कार्बेट तक जाता है।

अन्य महत्वपूर्ण प्रस्ताव

-मिजार्पुर में मां विंध्यवासिनी कोरिडोर के विस्तारीकरण कार्य के संबंध में प्रस्ताव पास हुआ है।

इसके तहत सड़क चौड़ीकरण हेतु मार्ग अतिक्रमण व ध्वस्तीकरण कार्य होंगे।

- चित्रकूट मे रानीपुर टाइगर रिजर्व पार्क क्षेत्र में पर्यटन विकास हेतु लैंड बैंक चिन्हांकन संबंध में भी प्रस्ताव को मंजूरी मिली है।

-भारत सरकार के मिशन वात्सल्य योजना को राज्य सरकार द्वारा अंगीकार करने का प्रस्ताव पास हुआ है। इसके तहत विधि विरुद्ध कार्यों में लिप्त बच्चों का पुनर्वास किया जाएगा।

-केंद्र सहायतित मेडिकल कॉलेज योजना के संबंध में प्रतापगढ़ स्वशासी मेडिकल कॉलेज के जीर्ण शीर्ण भवनों के ध्वस्तीकरण के संबंध में प्रस्ताव को कैबिनेट से मंजूरी मिल गयी है।

-जनपद कुशीनगर मे जिला कारागार निर्माण हेतु चयनित भूमि को कारागार विभाग को हस्तान्तरित करने के संबंध मे प्रस्ताव पास हुआ है।

-इसके साथ ही जनपद हाथरस में कारागार निर्माण के लिए 184 करोड़ 94 लाख धनराशि की स्वीकृति मिली है।

-उत्तर प्रदेश के निजी क्षेत्र के टी. एस मिश्रा विश्विद्यालय लखनऊ के स्थापना के संबंध में रखे गए प्रस्ताव पर कैबिनेट में चर्चा के उपरांत पास हुआ है।

बसपा सुप्रीमों मायावती ने बाढ़ में फंसे लोगों के लिए सरकार से मांगी मदद

लखनऊ (ईएमएस)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने यूपी में बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए सरकार से मदद मांगी है। गौरतलब है कि इस समय पूरे देश में लगातार हो रही बारिश से कई इलाकों में जन जीवन बुरी तरह से अस्त व्यस्त हो गया है। पहाड़ी इलाकों में लैंडस्लाइड होने से कई जगह मार्ग अवरुद्ध हो गए हैं और मैदानी इलाकों में भारी बारिश से बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। इस समस्या से निपटने के लिए बसपा मुखिया मायावती ने सरकार से गुहार लगाई है। मायावती ने चिंता जताते हुए कहा कि सरकार पीड़ित परिवारों की मदद करे। उन्होंने मंगलवार को कहा कि यूपी सहित देश के अधिकतर राज्यों में भारी बारिश व बाढ़ के कारण आम जनजीवन काफी प्रभावित है। काफी जान-माल व पशुधन की हानि हुई है। शहरों का बुरा हाल है, किन्तु ग्रामीण इलाकों में लोगों के मकान गिरने व फसल की व्यापक बबार्दी आदि के कारण हालात काफी गंभीर व चिन्ताजनक है। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे विकट हालात में सभी सम्बंधित राज्य सरकारें पीड़ित परिवार वालों की हर प्रकार से मदद के लिए पूरी ईमानदारी के साथ अपनी जिम्मेवारी को निभायें। केन्द्र की सरकार को भी आकलनों व बैठकों आदि से आगे बढ़कर राज्यों की मदद के लिए तत्काल आगे आना जरूरी, बीएसपी की यह माँग।

खादी ग्रामोद्योग : कारीगरों को मिलेंगी निःशुल्क आधुनिक मशीनें

गोरखपुर, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड अब कारीगरों को आधुनिक मशीनें मुहैया कराएगा। ये मशीनें बिलकुल निःशुल्क होंगी। इस-ाका फायदा दोना, पत्तल एवं पापकार्न निर्माण का कार्य करने वाले परम्परागत कारीगरों को मिलेगा। इस-ाका लाभ स्वरोजगार में रूचि रखने वाले ग्रामीण क्षेत्र के कारीगरों को भी दिया जाना है। इन्हें आधुनिक मोटराइज्ड पापकॉर्न मेकिंग मशीन तथा दोना-पत्तल मशीन निःशुल्क मिलेगी। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गोरखपुर एके पाल के मुताबिक योजना का लाभ 18 से 45 वर्ष की उम्र के पात्र लोग उठा सकते हैं। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र के स्थाई निवासी अथवा इसमेम रुचि रखने वाला व्यक्ति भी आवेदन पत्र भर सकता है। इसमें आवेदक का फोटो, आधार क-ार्ड, जाति प्रमाण पत्र, शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र एवं बैंक पासबुक की छाया प्रति लगी होनी चाहिए। विकास भवन के स्थित जिला ग्रामोद्योग कार्यालय में 20 जुलाई तक जमा करना होगा।

"प्रथम आगत प्रथम पावत" होगा लागू

पूर्ण और सही पाये गये आवेदन पत्रों पर विचार होगा और उसी के अनुसार पात्र लाभार्थियों का चयन होगा। यह चयन जिला स्तरीय समिति करेगी। चयन-सूची विभाग के मुख्यालय-लखनऊ को प्रेषित की जायेगी।

उपलब्धता और वरीयता के आधार पर मिलेंगी मशीनें

मशीनों का वितरण वरीयता और विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गयी मशीनों की संख्या के आधार पर मुहैया कराई जाएगी।

पाकिस्तान से मिल रही है सर कलम करने की धमकी : सीमा हैदर

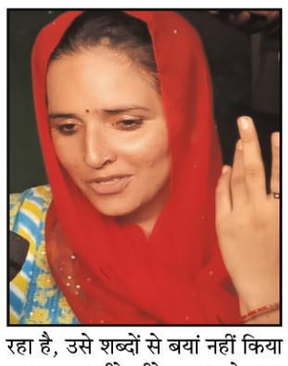

गौतमबुद्धनगर। भारतीय प्रेम के लिए पाकिस्तान छोड़कर आई सीमा हैदर ने मंगलवार को कहा कि उसे पाकिस्तान से सर कलम करने की धमकी मिल रही है। वह किसी भी कीमत पर पाकिस्तान नहीं जाएगी, भले ही उसे भारत मे जेल में रहना पड़े। उसने यह भी कहा कि अब उसने हिन्दू धर्म अपना लिया है और हिन्दू परम्परा के अनुरूप पूजा-अर्चना कर रही है। सावन मास के प्रथम सोमवार सुबह उठकर उसने स्नान कर शिव भोले की पूजा की और जलाभिषेक किया। हिंदुत्व की धार्मिक आस्थाओं के संबंध में पूछे जाने पर सीमा कहती है कि हिन्दू धर्म अपना कर उन्हें जिस खुशी का अहसास हो रहा है, उसे शब्दों से बयां नहीं किया जा सकता। धीरे-धीरे वह अपने आप को हिंदुत्व की भावना व परम्पराओं में ढाल रही है। विधिवत पूजा अर्चना करते हुए उन्हें सुकून की अनुभूति हो रही है। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए सीमा ने बताया कि अभी गंगा स्नान या घर से बाहर पूजा करने की प्रशासनिक अनुमति नहीं दी जा रही है। अनुमति मिलने पर बदस्तूर मंदिर जाकर पूजन करेंगी। मीडियाकर्मियों से वार्ता में उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से उसे सर कलम करने की धमकी मिल रही है। उन्हें बच्चों समेत वापिस बुलाने के लिए कई तरह की साजिश रची जा रही है लेकिन अपने जुर्म की एवज में पूरी जिंदगी भले ही सलाखों के पीछे गुजारनी पड़े या सरकार कोई सजा दे, भुगत लेंगी लेकिन कभी पाकिस्तान वापस नहीं जाएंगी अन्यथा उनकी हत्या कर दी जाएगी। सीमा ने कहा कि मुझे अपने बच्चों की पढ़ाई की चिंता सता रही है।

सत्यानंद भोक्ता ने दोबारा कोर्ट में प्रस्तुत किये साक्ष्य

रांची, (हि. स.)। राज्य के श्रम मंत्री और पूर्व कृषि मंत्री सत्यानंद भोक्ता से जुड़े बीज खरीद घोटाला मामले में एसीबी के विशेष न्यायाधीश प्रकाश झा की अदालत में मंगलवार को डिस्चार्ज पिटीशन पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अपने ऊपर लगे आरोपों के बचाव में मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने अदालत में दोबारा साक्ष्य प्रस्तुत किये। मंत्री ने अधिवक्ता के माध्यम से आरटीआई से मिले दस्तावेज कोर्ट में प्रस्तुत किया। इसके बाद अदालत ने डिस्चार्ज पिटीशन पर सुनवाई के लिए 22 जुलाई की तिथि निर्धारित की है। इससे पूर्व मामले में एक जुलाई को सुनवाई हुई थी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2004 से 2007 के बीच 46.10 करोड़ रुपये से अधिक का बीज घोटाला हुआ था। इस दौरान कुछ संस्थाओं से गेहूं, चना और दूसरे अनाज के बीज की खरीद के नाम पर कथित तौर पर गबन हुआ था। बीज घोटाला में जब आरोप पत्र दायर किया गया था, तब सत्यानंद भोक्ता कृषि मंत्री थे। मामले में कृषि विभाग के पूर्व निदेशक निस्तार मिंज, पूर्व मंत्री नलीन सोरेन और पूर्व कृषि निदेशक वी जयराम सहित अन्य लोग भी आरोपित बनाये गये हैं। एसीबी में इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

मुख्यमंत्री से मिला अल्पसंख्यक समुदाय का प्रतिनिधिमंडल

रांची, (हि. स.)। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मंगलवार को झारखंड मंत्रालय में अल्पसंख्यक समुदाय रांची के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन के माध्यम से अल्पसंख्यक समुदाय के समस्याओं से अवगत कराया और इन समस्याओं के निराकरण के लिए उनसे अनुरोध किया। प्रतिनिधिमंडल में मुस्ताक आलम, शमशेर आलम, मोख्तार अहमद, डॉ. तारिक हुसैन, एस अली एवं हाजी फिरोज शामिल थे।

मंत्री मिथिलेश ने विभागीय कार्यालय का किया निरीक्षण, लगाई फटकार

रांची, (हि.स.)। राज्य के पेयजल और स्वच्छता मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने मंगलवार को नेपाल हाउस स्थित पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कई अधिकारी और कर्मचारी ऑफिस से नहीं दिखे। ऑफिस देर से आने के लिए मंत्री ने अधिकारियों और कर्मचारियों को जमकर फटकार लगायी। मंत्री ने सभी को अपनी जिम्मेदारी समझने की हिदायत दी। उन्होंने विभाग के सचिव को अनुपस्थित कर्मचारियों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही देर से आने वाले अधिकारियों के चेंबर को बंद करने को कहा। मंत्री ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि सरकारी विभाग के अधिकारी और कर्मचारी समय की पाबंदी ड्यूटी आवर खत्म होने के समय देखते हैं लेकिन दफ्तर आने के लिए ये समय की पाबंदी नहीं देखते। मंत्री ने कहा कि सभी सही टाइम पर ऑफिस आये और विभाग के विकास को गति लाने का काम करें।

दुमका में पाम आयल से नकली देसी घी बनाने के मिनी कारखाने का खुलासा

दुमका, (हि.स.)। खाद्य सुरक्षा विभाग ने मंगलवार को शहर के बक्सीबांध रोड में सौरभ पिसाई मिल से करीब सात टिन पाम आयल जब्त कर दस किलो नकली घी को नाली में बहा दिया। दुकानदार सुरेश कुमार अग्रवाल पर 20 हजार का जुमार्ना लगाया है। घी के नमूने को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। रिपोर्ट खराब आती है तो दुकानदार के खिलाफ केस भी होगा। सुबह खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी अमित कुमार को सूचना मिली कि मील में नकली देसी घी बनता है। सूचना के आधार पर उन्होंने मील में दबिश दी। देसी का नमूना लेकर मौके पर वाहन प्रयोगशाला में उसकी जांच की। जांच में बीआर रिपोर्ट 49 निकलने के बाद घी नकली साबित हो गया। इसके बाद हल्दी और मिर्च की जांच की लेकिन उसमें मिलावट नहीं मिली। जांच में पता चला कि दुकानदार पाम आयल से देसी घी तैयार कर बिक्री किया करता था। जांच में दोषी पाए जाने पर तत्काल बीस हजार रुपये जुमार्ना लगाया और 14 दिन के अंदर जमा करने का निर्देश दिया।

जांच टीम में साहिबगंज के खाद्य निरीक्षक दिनेश मरांडी व रांची से आए विशेषज्ञ उमेश कुमार के अलावा नगर थाना के सब इंस्पेक्टर मनोज कुमार मिश्रा मौजूद थे। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी अमित कुमार राम ने बताया कि नकली देसी घी को नष्ट कर सात टिन पाम आयल को जब्त किया गया है। नकली घी की बीआर रीडिंग 49 निकली जबकि असली की 43 ही रहती है। दुकानदार पर कार्रवाई भी होगी। यदि किसी को लगता है कि उसने मिलावटी सामान खरीदा है तो विभाग से संपर्क कर सकता है।

शिक्षकों को जब तक राज्यकर्मी का दर्जा नहीं दिया जाएगा प्रदर्शन जारी रहेगा : शत्रुघ्न प्रसाद

विधानसभा का घेराव करने हजारों की संख्या में निकले राज्य के शिक्षक

पटना, (हि.स.)। बिहार विधानमंडल के मानसून सत्र के बीच मंगलवार को बड़ी संख्या में शिक्षक और शिक्षक अभ्यर्थी ने पूर्व तय कार्यक्रम के अनुसार अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतरे। सभी जिलों में हजारों की संख्या में शिक्षकों का जुटान पटना में हुआ है। शिक्षक अपनी मांगों के समर्थन में विधानसभा का घेराव करने वाले थे इसके पहले ही प्रशासन ने उन्हें गर्दनीबाग धरना स्थल पर रोक दिया गया।मार्च में हजारों की संख्या में अभ्यर्थी शामिल हुए हैं। मार्च में बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ के महासचिव शत्रुघ्न प्रसाद भी शामिल हुए। मौके पर पत्रकारों से बात करते हुए नीतीश सरकार को हर हाल में शिक्षकों की मांग पूरी करनी ही होगी। शिक्षा मंत्री पर बरसते हुए शत्रुघ्न प्रसाद ने कहा कि, शिक्षा मंत्री को खुद विज्ञान नहीं आता है। मांगों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि सभी नियोजित शिक्षकों को राजकर्मी का दर्जा दिया जाये। सभी शिक्षकों को सरकारी करने की मांग है। नीतीश कुमार को हमारी मांग को मानना ही पड़ेगा। हर हाल में शिक्षकों को राज्य कर्मी का दर्जा देना होगा। शिक्षककर्मी को जब तक दर्जा नहीं दिया जाएगा प्रदर्शन जारी रहेगा। शिक्षकों का कहना है कि सरकार की दमकारी नीति अब नहीं चलेगी। अब सरकार को हमारी मांग पूरी करनी ही होगी। शिक्षकों का कहना है कि हमें राजकर्मी का दर्जा मिल जाए तो सारा शिकवा गिल्ला दूर हो जाएगा। वहीं धरना स्थल से शिक्षकों को आगे ना जाने के लिए गेट को बंद कर दिया गया था। दरअसल, बिहार सरकार द्वारा लाई गई नई शिक्षक नियुक्ति नियमावली, डोमिसाइल नीति को खत्म करने के खिलाफ और नियोजित शिक्षकों को राज्य कर्मी का दर्जा दिए जाने की मांग को लेकर आज शिक्षक संघ और शिक्षक अभ्यर्थियों ने विधानसभा का घेराव करने का कार्यक्रम किया। सुबह से ही बड़ी संख्या में अभ्यर्थी राजधानी की सड़कों पर उतर गए हैं और सरकार के फैसले के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी प्रतिबंधित क्षेत्र में घुसने की कोशिश कर रहे हैं हालांकि पुलिस ने उन्हें वहीं रोक दिया है। आज के घेराव के बाद 12 जुलाई को शिक्षक अभ्यर्थी अपने-अपने क्षेत्र के विधायकों का उनके आवास पर घेराव करेंगे। इस आंदोलन में शिक्षकों को भाजपा का साथ भी मिल गया है। शिक्षकों के मुद्दे को लेकर भाजपा 13 जुलाई को विधानसभा मार्च करने वाली है, जिसमें बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता और शिक्षक अभ्यर्थियों के शामिल होने की बात कही जा रही है।

सीएम विधान मंडल सत्र के बाद नेताओं एवं संगठनों से बात करेंगे : विजय चौधरी

पटना, (हि.स.)। वित्त मंत्री विजय कुमार चौधरी ने मंगलवार को शिक्षकों के आंदोलन के संबंध में बताया कि मुख्य मंत्री शिक्षकों की नियुक्ति की नई नियमावली के संबंध में शिक्षकों की आपत्तियों पर विमर्श के लिए विधान मंडल सत्र के बाद नेताओं एवं संगठनों से बात करेंगे। विजय चौधरी ने कहा कि ऐसी परिस्थिति में शिक्षकों से अपील है कि वे कार्य पर लौट जाएं एवं विद्यालय में अपना अध्यापन कार्य जारी रखेंगे। भाजपा इस आड़ में राजनीतिक रोटी सेंकने के लिए फरेबी हमदर्दी दिखाकर उनको आगे बढ़ाकर उपद्रव फैलाना चाहती है। विजय चौधरी ने कहा कि पूर्व में भाजपा के ही पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री ने कहा था कि इन शिक्षकों को राज्य कर्मी का दर्जा कोई सरकार नहीं दे सकती। फिर आज अचानक इतनी सहानुभूति कहां से उपज गई। दूसरी तरफ, भाजपा को यह बताना चाहिए कि समग्र शिक्षा अभियान की राशि जिससे शिक्षकों के वेतनादि का भुगतान होता है, नए वित्तीय वर्ष 2023-24 के साढ़े तीन महीने बीत जाने के बावजूद आजतक एक रूपया भी राज्य सरकार को आवंटित क्यों नहीं किया गया है? विजय चौधरी ने कहा कि पिछले तीन महीने से शिक्षकों को वेतन समय पर देने के लिए राज्य सरकार अपने संसाधन से केन्द्रांश भी दे रही है। इस बार के प्रथम अनुपूरक बजट में भी 6200 करोड़ से अधिक राशि सिर्फ केन्द्रांश की प्रतिपूर्ति के लिए प्रावधानित की गई है। अतः भाजपा नेतागण घड़ियाली आँसू बहाना छोड़ इन शिक्षकों के वेतन मद के तीन महीने का बकाया पैसा दिलवाएं। शिक्षकों के हितों के प्रति बिहार सरकार खुद संवेदनलशील है।

विश्व जनसंख्या दिवस पर सेहत केंद्र व राष्ट्रीय सेवा योजना ने निकाली रैली

सहरसा, (हि.स.)। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर राजेंद्र मिश्र महाविद्यालय में सेहत केंद्र और राष्ट्रीय सेवा योजना के सौजन्य से प्रधानाचार्य प्रोफेसर डॉ अमरनाथ चौधरी की अध्यक्षता एवं कार्यक्रम पदाधिकारी सह सेहत केंद्र नोडल पदाधिकारी प्रो अमिष कुमार की देखरेख में एक रैली का आयोजन किया गया। रैली का नेतृत्व करते हुए एवं रैली को हरी झंडी दिखाने से पहले प्रधानाचार्य प्रोफेसर डॉ अमरनाथ चौधरी ने रैली को संबोधित किया और कहा कि विश्व जनसंख्या दिवस का उद्देश्य परिवार नियोजन, लैंगिक समानता, गरीबी उन्मूलन, मातृ स्वास्थ्य और मानव अधिकारों के महत्व सहित जनसंख्या संबंधी चिंताओं के बारे में लोगों की जागरूकता बढ़ानी है। जनसंख्या वृद्धि के कारण देश में गरीबी, बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। कृषि योग्य भूमि को आवासीय भूमि के रूप में बदला जा रहा है।जिसका बुरा प्रभाव कृषि उत्पादन से लेकर पर्यावरण पर पड़ रहा है। रैली को संबोधित कर सेहत केंद्र के नोडल पदाधिकारी प्रो अमिष कुमार ने कहा कि विश्व जनसंख्या दिवस हर साल 11 जुलाई को मनाया जाता है। हर साल इस दिन को दुनिया भर में जनसंख्या के वैश्विक मुद्दों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है।

विश्व जनसंख्या में तेजी से वृद्धि विश्व को सभी क्षेत्रों में नई-नई चुनौतियां पेश कर रही हैं। जिसमें गरीबी और बेरोजगारी सबसे बड़ी चुनौती है। आज भारत जनसंख्या की दृष्टि से दुनिया का सबसे बड़ा देश बन चुका है। भारत एक विकासशील देश है। अगर भारत को विकसित राष्ट्र बनना है तो जनसंख्या को नियंत्रित करना आवश्यक है।जनसंख्या पर नियंत्रण शिक्षा एवं जागरूकता अभियान के तहत ही किया जा सकता है। इस रैली को महाविद्यालय के अन्य वरीय शिक्षकों में प्रो०ललित नारायण मिश्र, प्रो किशोर नाथ झा,प्रो राजीव झा,प्रो विनोद मोहन जायसवाल, प्रो पी सी पाठक ने भी संबोधित किया। रैली में छात्रों ने जब होगा छोटा परिवार तब होंगे सपने साकार" ,जनसंख्या बढ़ती जाएगी, तो बेरोजगारी लाएगी" ,"आबादी पर करो नियंत्रण तरक्की को दो आमंत्रण" एवं "हिंदू मुस्लिम, सिख, ईसाई, छोटे परिवार में सब की भलाई जैसे नारे लगाए गए। यह रैली महाविद्यालय परिसर से होकर तिवारी चौक होते हुए यादव चौक तक गई।

संपादकीय

दिल्ली पानी-पानी

गली-गली पानी, घुटनों तक पानी... ! ठहर गई दिल्ली, सडकों पर पानी... ! दरिया जितना पानी-पानी, बाढ़ बनता पानी-पानी... ! ये काव्यात्मक वाक्यांश देश की राजधानी दिल्ली की दुर्दशा और अव्यवस्था बयां करने को काफी हैं। गनीमत है कि दिल्ली और आसपास के इलाके पहाड़ी नहीं हैं। यदि पहाड़ी होते, तो एक ही बारिश त्रासद साबित हो सकती थी। दिल्ली में बीते 24 घंटे में करीब 155 मिमी बारिश हुई और 41 साल पुराना रिकॉर्ड याद आ गया। इससे ज्यादा बारिश 1982 की जुलाई में हुई थी। बहरहाल इस बार की बारिश से करीब 60 इलाकों में जलभराव हो गया। औसतन हर तरफ घुटनों तक पानी बरसा और जमा हो गया। मंत्रियों, सांसदों, आईएएस, आईपीएस अधिकारियों के वीआईपी आवासीय क्षेत्रों और घरों के भीतर तक, सभी दिशाओं में, पानी-पानी हो गया। पानी के साथ कूड़ा-कर्कट भी चला आया और छोटे-छोटे सरीसृप वर्ग के जीव भी दिखाई दिए। यमुना नदी में जल-स्तर खतरे के निशान से ऊपर तक बढ़ जाएगा, क्योंकि हथिनी कुंड बैराज से करीब 71,000 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। खतरे को भांपते हुए यमुना के आसपास के इलाकों में बसे 37,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित जगहों पर भेजा गया है। लोक निर्माण एवं शिक्षा मंत्री आतिशी के चुनाव-क्षेत्र श्रीनिवास पुरी में एक स्कूल की दीवार गिर गई। शुक्र है कि स्कूल में बच्चे नहीं थे। यदि स्कूल चल रहा होता, तो बड़ी त्रासद घटना हो सकती थी। इस स्कूल का उद्घाटन महज 4 माह पहले ही किया गया था। स्कूल पर 16 करोड़ रुपए खर्च किए गए थे। राजधानी में आधा दर्जन से अधिक जगहों पर पेड़ भी टूट कर गिर पड़े। गनीमत है कि पहाड़ों जैसा भू-स्खलन, सडकों का टूटना, बादल फटना और प्रलय-सा पानी का बहाव दिल्ली में नहीं होता और न ही ऐसी स्थितियां बन पाईं, लेकिन 6 लोगों की मौत हो गई और कुछ घायल भी हुए। इसका एकमात्र कारण है-व्यवस्था की नालायकी। विभिन्न दिल्ली सरकारों के दौरान टाउन प्लानिंग के विशेषज्ञों ने दस्तावेजी प्रारूप बनाकर दिए थे, लेकिन विडंबना है कि देश की राजधानी में भी अराजकता के ढोल बजते रहे हैं। चौतरफा विकास और सडक़-निर्माण के बावजूद ड्रेनेजसिस्टम और बारिश-नियंत्रण आदि नाकाम हैं। बेशक राजधानी दिल्ली में भारत सरकार और संसद भी हैं, लेकिन बरसाती नालों को साफ करना, लोक निर्माण के स्थानीय कार्यों, ड्रेनेज, शहरी स्मार्टनेस की कोशिशें आदि जिम्मेदारियां दिल्ली नगर निगम और अद्र्धराज्य की केजरीवाल सरकार की हैं। इन कामों के लिए संसद और केंद्र सरकार पर्याप्त बजट आवंटित करती हैं। अब नगर निगम में भी आम आदमी पार्टी (आप) की सत्ता है और महापौर भी 'आप' का ही है। मुख्यमंत्री केजरीवाल बहाना मार सकते हैं कि दिल्ली में इतनी भारी बारिश अपेक्षित नहीं थी, लिहाजा जो तैयारियां की गई थीं, वे विकलांग साबित हुईं और राजधानी दिल्ली को पानी-पानी देखना पड़ा। मुख्यमंत्री को विशेषज्ञों से विमर्श करना चाहिए था, क्योंकि जलवायु-परिवर्तन ने तमाम समीकरण बदल दिए हैं। इसे मजाक में नहीं लेना चाहिए, क्योंकि पूरी दुनिया जलवायु-परिवर्तन के घातक प्रभावों को झेल रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली के उपराज्यपाल को फोन कर हालात की जानकारी ली। नतीजतन उपराज्यपाल को सडकों पर आना पड़ा। मंत्री भी सडकों पर उतरे और लोगों के बीच जाकर उनकी तकलीफें हल करने की कोशिशें कीं। राजधानी दिल्ली में जो भी घटता है, वह अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बन जाता है। सोशल मीडिया पर तो सरकार की भद् पिट रही है। हम आपदा और समस्याओं की संवेदनशीलता को नकार नहीं रहे हैं, लेकिन मानसून के मौसम में ये दृश्य हर साल दिखाई देते हैं। दिल्ली सरकार आम नागरिक से कर भी वसूलती है, तो फिर व्यवस्था की जिम्मेदारी और जवाबदेही किसकी है? ताजा खबर है कि हथिनी कुंड बैराज से 2.79 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है, अतः सचेत रहना होगा।

> यमुना नदी में जल-स्तर खतरे के निशान से ऊपर तक बढ़ जाएगा, क्योंकि हथिनी कुंड बैराज से करीब 71,000 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। खतरे को भांपते हुए यमुना के आसपास के इलाकों में बसे 37,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित जगहों पर भेजा गया है। लोक निर्माण एवं शिक्षा मंत्री आतिशी के चुनाव-क्षेत्र श्रीनिवास पुरी में एक स्कूल की दीवार गिर गई। शुक्र है कि स्कूल में बच्चे नहीं थे। यदि स्कूल चल रहा होता, तो बड़ी त्रासद घटना हो सकती थी। इस स्कूल का उद्घाटन महज 4 माह पहले ही किया गया था। स्कूल पर 16 करोड़ रुपए खर्च किए गए थे। राजधानी में आधा दर्जन से अधिक जगहों पर पेड़ भी टूट कर गिर पड़े। गनीमत है कि पहाड़ों जैसा भू-स्खलन, सडकों का टूटना, बादल फटना और प्रलय-सा पानी का बहाव दिल्ली में नहीं होता और न ही ऐसी स्थितियां बन पाईं, लेकिन 6 लोगों की मौत हो गई और कुछ घायल भी हुए। इसका एकमात्र कारण है-व्यवस्था की नालायकी।

कुछ अलग

सियासत निर्माण नहीं करती

दिल पे हाथ रख के पूछो, हमीं से हुए हैं कितने गुनाह। कुछ इसी तर्ज पर हिमाचल भी अगर अपनी जमीर को टटोले तो सियासत के सुरूर से नागरिक के गुरूर तक, हम सभी कसूरवार होंगे। भाजपा को गिला है कि वर्तमान राज्य सरकार उनके नेक फैसलों की मिट्टी खराब कर रही है, तो सुक्खू सरकार व्यवस्था परिवर्तन के पैमानों को हर बार खो रही है। इसी कड़ी में 'लैंड यूज फ्रीज' जैसे निर्णय को सियासी मंच पर ढोना लाजिमी तौर पर, प्रदेश के भविष्य की मुखालफत है या नीतियों को पटकने की ख्वाहिश में सियासत को जिंदा रखने की फरमाइश है। एक बड़ा बयान भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं विधायक त्रिलोक जम्वाल के मार्फत सुक्खू सरकार को आंखें दिखा रहा है। भाजपा का मानना है कि फोरलेन के किनारों पर सौ मीटर तक के क्षेत्रफल में निर्माण की गुंजाइश की कोई नियमावली नहीं होनी चाहिए। पार्टी जो कहना चाहती है उसके संदर्भों की लाली में टीसीपी कानून का अमल जनता का अहित करेगा, जबकि सरकार के सामने यह चुनौती है कि कुछ ऐसा किया जाए ताकि प्रदेश अव्यवस्थित न रहे। दरअसल आधी सदी गुजरने के बाद भी टीसीपी कानून की मौलिक संरचना और जरूरत कहीं अमल नहीं हुई है। कोई शहर, गांव या बस्ती ऐसी नहीं जो साबित कर सके कि ग्राम एवं नगर योजना कानून के तहत हमने कुछ पाया या खोया। टीसीपी कानून के तहत प्रक्रियाओं को सरलीकरण या उद्देश्यों की स्पष्टता में हो सकता है कई खामियां रही होंगी, लेकिन सत्ता की अदला बदली में राजनीति ने हमेशा इस कानून को कमजोर किया। परवाणू से शिमला, पठानकोट से मंडी, कांगड़ा से शिमला-ऊना या मंडी से सुंदरनगर-कुल्लू से मिलती सडक़ों के किनारे नव निर्माण का जो जखीरा खड़ा हुआ है, उसके लिए क्या भाजपा या कांग्रेस गर्व के साथ स्वीकार करेगी। क्या हमारी सडक़ें बाजार हैं या बाजार के लिए ही सडक़ों का निर्माण जरूरी है। सर्वेक्षण बताता है कि पिछले तीस सालों में प्रमुख सडक़ों को घेर कर नव निर्माण की अफरातफरी ने इतना कोहराम मचाया है कि कई दृश्यावलियां गुम हो गईं। भाजपा यही गिनती कर ले कि प्रदेश में तीन हजार से ज्यादा जेसीबी मशीनों ने सडक़ों के किनारे कितने पहाड़ खोदे और घाटियों को गहरा कर दिया। इन्हीं सडक़ों के किनारे अगर कूहल, नाला, खड्ड या नदी भी आई तो आधुनिक हिमाचल के निर्माताओं ने जल निकास के रास्ते बदल दिए। किनारे खड़ी इमारतों ने अपनी जल निकासी सडक़ों को सौंप दी, तो क्या सरकारी अधोसंरचना पर इस गैरजिम्मेदाराना अधिकार को वैध करार दिया जाए। कहना न होगा कि हिमाचल ने सुनियोजित विकास नहीं किया, तो हर मौसम कहर बन कर टूटेगा और अगर बच भी गए तो यूं माफिया निरंकुश हो कर लूटेगा। जनता के हित अगर निजी स्वार्थ हैं, तो क्या प्रदेश के हितों की जवाबदेही तय ही न की जाए। हो सकता है भाजपा की पिच पर 'लैंड यूज फ्रीज' मुद्दा बन कर दो चार चौके-छक्के मार दे, लेकिन किसी दिन देखना कि नेरचौक से सुंदरनगर, भूंतर से मनाली, शाहपुर से पालमपुर या इसी तरह सडक़ों के किनारे हम कैसा हिमाचल बना चुके होंगे। शायद हिमाचल की राजनीति जनता में ज्ञान बोध को मार कर उसे ऐसे नफे नुकसान में घुमाना चाहती है ताकि सारे कानून अंधे हो जाएं, लेकिन हमें याद रखना होगा कि अदालतें बार-बार क्या कह रही हैं। अब तक आए एनजीटी के फैसलों का ही संज्ञान लें, तो अवैध निर्माण पर लगी रोक व टिप्पणियों का गुनहगार तो टीसीपी कानून ही बना। हिमाचल की छवि, पर्यटन की हिफाजत, भविष्य की उड़ान और पर्वतीय परिवेश के संरक्षण के लिए अगर जंगल बचाने हैं, तो खेत और घाटियां भी बचानी होंगी। एनजीटी के निर्देश, टीसीपी की जरूरत और भविष्य की खुशहाली इसी में है कि हर तरह के निर्माण को सुनियोजित किया जाए। होना तो यह चाहिए कि हिमाचल के नियोजित विकास के लिए पूरे प्रदेश में टीसीपी कानून को लागू किया जाए। यह दीगर है कि सियासत को तो शहरी विकास परियोजनाओं से चुन-चुन कर गांव हटाने होते हैं ताकि गड्ड मड्ड संस्कृति में राजनीति ही हमारा नारा बनी रहे।

2030 पर भारत की अस्वीकृति ने भारत की अडिगता प्रदर्शित की है

विश्व व्यवस्था में आर्थिकी और कूटनीति

डा. अश्विनी महाजन

> नई दिल्ली घोषणापत्र पर सहमति, हालांकि मतभेद कायम : शिखर सम्मेलन के अंत में, हालांकि नई दिल्ली घोषणा नामक एक घोषणा की गई थी, जो व्यापक सहमति को रेखांकित करती है, लेकिन दो प्रमुख मुद्दों, यानी 'बेल्ट रोड पहल' (बीआरआई) और 'विकास रणनीति 2030' पर मतभेदों को इंगित करते हुए इस घोषणापत्र को सावधानीपूर्वक तैयार किया गया। नई दिल्ली घोषणा के अलावा, कुछ हस्ताक्षरित समझौतों में बेलारूस गणराज्य के दायित्वों का ज्ञापन, और कट्टरवाद और डिजिटल परिवर्तन पर दो बयान शामिल हैं। यह समझना महत्वपूर्ण है कि भारत संप्रभुता के मुद्दे पर बीआरआई का विरोध करता रहा है।

आजकल शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) एक बार फिर चर्चा में है। गौरतलब है कि शंघाई सहयोग संगठन के राष्ट्राध्यक्षों का एक ऑनलाइन शिखर सम्मेलन 4 जुलाई 2023 को आयोजित किया गया था। इस वर्ष इस संगठन की अध्यक्षता की जिम्मेदारी भारत के हाथों में है। यह पहली बार है कि संगठन के जन्म (2001) के बाद और विशेष रूप से 2016 में एससीओ में पूर्ण सदस्य के रूप में भारत के शामिल होने के बाद, भारत इसकी अध्यक्षता कर रहा है। मूल रूप से इस संगठन की स्थापना यूरोप और एशिया (जिसे यूरेशिया भी कहा जाता है) के देशों के बीच आर्थिक और रक्षा सहयोग के लिए की गई थी। एससीओ की स्थापना से पहले उज्बेकिस्तान को छोडक़र 5 देशों का एक समूह 'शंघाई फाइव ग्रुप' 1996 से काम कर रहा था। बाद में इस समूह में उज्बेकिस्तान को भी शामिल कर लिया गया और एससीओ की औपचारिक स्थापना हो गई। नई दिल्ली में प्रस्तावित इस बैठक को अचानक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में बदल दिया गया। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यह भारत के लिए अपनी स्वतंत्र विदेश नीति को प्रदर्शित करने का एक अच्छा अवसर था और दो दिवसीय भौतिक शिखर सम्मेलन इस काम को भलीभांति किया जा सकता था। हालांकि इस तर्क में दम है, लेकिन घटनाक्रम से पता चलता है कि इस बैठक के तरीके में बदलाव का शिखर सम्मेलन के नतीजों पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, पाकिस्तान के वर्तमान प्रधानमंत्री और अन्य राज्याध्यक्षों ने बैठक में भाग लिया। शंघाई सहयोग संगठन की औपचारिक स्थापना वर्ष 2001 में 6 देशों चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान द्वारा की गई थी। वर्ष 2016 में भारत और पाकिस्तान को एससीओ के पूर्ण सदस्य के रूप में शामिल किया गया था, हालांकि उन्हें शामिल करने का निर्णय 10 जुलाई 2015 को किया गया था। इस वर्ष ईरान को भी एससीओ की सदस्यता प्रदान की गई है। चाबहार बंदरगाह के कारण भारत की ईरान में विशेष रुचि है। 2016 से, ईरान और अफगानिस्तान के साथ एक त्रिपक्षीय समझौते के हिस्से के रूप में, भारत ने चाबहार बंदरगाह और इससे जुड़ी रेलवे लाइन के विकास के लिए एक बड़ा निवेश प्रतिबद्ध किया है। भारत ने बंदरगाह के विकास में 85 मिलियन डॉलर का निवेश किया है और चाबहार विशेष आर्थिक क्षेत्र में 8 बिलियन डॉलर का और निवेश करने का वादा किया है। इस परियोजना को शुरुआत से ही बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। रूस की भी इस बंदरगाह और संबंधित बुनियादी ढांचे के विकास में विशेष रुचि है, क्योंकि चाबहार बंदरगाह होर्मुज जलडमरूमध्य के बाहर स्थित है, यह रूस को मध्य पूर्व से माल भेजने के लिए एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करेगा। एससीओ में ईरान के प्रवेश से रूस और भारत के सहयोग से इस परियोजना को आगे बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त होगा। फरवरी 2022 में एससीओ के सदस्य देश आपसी व्यापार में अपनी राष्ट्रीय मुद्राओं का उपयोग बढ़ाने पर सहमत हुए थे। इसे आगे बढ़ाते हुए भारत के केंद्रीय बैंक, भारतीय रिजर्व बैंक ने रुपए में अंतरराष्ट्रीय व्यापार के निपटान की अनुमति देते हुए एक परिपत्र जारी किया और तब से, 19 देशों के साथ वोस्ट्रो खाते खोले गए हैं और व्यापार का निपटान रुपए में होना शुरू हो चुका है। यह सबसे पहले रूस के साथ हुआ। एससीओ द्वारा इसे आगे बढ़ाने के साथ, सदस्य देशों को अपने आपसी व्यापार में अपनी-अपनी घरेलू मुद्राओं का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना है और यह डी-डॉलरीकरण की दिशा में कदम है। नई दिल्ली घोषणापत्र पर सहमति, हालांकि मतभेद कायम : शिखर सम्मेलन के अंत में, हालांकि नई दिल्ली घोषणा नामक एक घोषणा की गई थी, जो व्यापक सहमति को रेखांकित करती है, लेकिन दो प्रमुख मुद्दों, यानी 'बेल्ट रोड पहल' (बीआरआई) और 'विकास रणनीति 2030' पर मतभेदों को इंगित करते हुए इस घोषणापत्र को सावधानीपूर्वक तैयार किया गया। नई दिल्ली घोषणा के अलावा, कुछ हस्ताक्षरित समझौतों में बेलारूस गणराज्य के दायित्वों का ज्ञापन, और कट्टरवाद और डिजिटल परिवर्तन पर दो बयान शामिल हैं। यह समझना महत्वपूर्ण है कि भारत संप्रभुता के मुद्दे पर बीआरआई का विरोध करता रहा है। गौरतलब है कि चीन, पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) बना रहा है और भारत लगातार इसका विरोध करता रहा है। इसके अलावा भारत के मुताबिक, बीआरआई कई विकासशील देशों के लिए कर्ज का जाल साबित हो रहा है और बीआरआई ने पाकिस्तान, श्रीलंका समेत कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं को खतरे में डाल दिया है। चीन कई देशों को कर्ज के जाल में फंसाकर रणनीतिक स्थानों पर जबरन कब्जा कर रहा है और इस तरह यह वैश्विक शांति के लिए खतरा साबित हो रहा है। एक और मुद्दा, जिस पर भारत सहमत नहीं था, वह था विकास रणनीति 2030 पर दस्तावेज। भारत ने पहले ही वैश्विक विकास पहल के समान, दस्तावेज पर चीनी प्रभाव के बारे में अपनी चिंताओं को चिह्नित किया था और दस्तावेज की भाषा को बनाए रखने पर आपत्ति जताई थी। उभरते बहुध्रुवीय परिवेश में प्रतिबंधों का विरोध : आज रूस और ईरान अमेरिका और उसके सहयोगियों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के शिकार हैं। एससीओ के सदस्यों, भारत और चीन ने न केवल रूस और ईरान से तेल खरीदना जारी रखा है, बल्कि इसे कई गुना बढ़ा दिया है। इससे अमेरिका और पश्चिमी देश परेशान हैं, लेकिन भारत ने अमेरिका के साथ अपने मैत्रीपूर्ण संबंध जारी रखते हुए एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया अमेरिका यात्रा भारत के स्वतंत्र दृष्टिकोण का संकेत है। हालांकि, दूसरी ओर, रूस और चीन आर्थिक और रणनीतिक मामलों में अपने सहयोग को गहरा कर रहे हैं।

बढ़ते मानव, घटती जमीन

> विश्व में एक दिन में 3 लाख से अधिक बच्चे पैदा हो रहे हैं। जन्म और मृत्यु का हिसाब-किताब लगाया जाए तो जनसंख्या में प्रतिदिन 2 लख से अधिक की बढ़ोतरी हो रही है। 1970 के मुकाबले आज विश्व की जनसंख्या दुगुनी हो गई है। संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुमान के अनुसार 2050 तक पृथ्वी पर 9 .8 बिलियन से अधिक आदमी हो जाएंगे। भारत की जनसंख्या इस समय 140 करोड़ से अधिक हो चुकी है। विश्व की आबादी का 18 प्रतिशत हिस्सा हमारे देश में ही बसता है। हमारा देश अब आबादी में चीन से आगे निकल गया है। जाहिर है हमारी स्थिति व समस्या और भी चिंताजनक है। पृथ्वी का क्षेत्रफल 510 .1 मिलियन वर्ग कि . मी . है जो विशाल ज़रूर लगता है, परन्तु वास्तव में यह स्थिर और सीमित है, अर्थात धरती उतनी ही रहेगी जितनी ये है। इसे मजऱ्ी से अपनी सुविधा के अनुसार बढ़ाना या घटाना किसी इनसान के बस की बात नहीं है।

18वी शताब्दी के दार्शनिक टॉमस मुल्थस ने कहा था- 'मानव की बच्चे पैदा करने की न मिटने वाली प्यास हमें इस उपग्रह पर अंततः एक दिन अत्यधिक जनसंख्या तक ले जाएगी। मानव सब संसाधनों को खा जाएगा और स्वयं महा अकाल का शिकार हो जाएगा।' इतने वर्ष पहले मानव के भविष्य के बारे में उनका ये आकलन सही है और एक भयानक त्रासदी की ओर संकेत करता है। इसे देखते हुए हमारे देश में जनसंख्या विनियमन कानून लागू करना एक बड़ा महत्त्वपूर्ण व प्रशंसनीय कदम होगा। इस कानून को राजनीतिक या धार्मिक रंग देना या इस दृष्टि से देखना सरासर अनुचित, बेमानी व अवांछनीय है क्योंकि बढ़ती जनसंख्या के परिणाम धर्म और जाति में पहचान नहीं करेंगे। ये समझना कठिन नहीं है कि तीव्र गति से बढ़ती हुई जनसंख्या विकास पर नकारात्मक प्रभाव डाल रही है। क्या आपने कभी गूगल पर जनसंख्या घड़ी को देखा है। ज़रूर देखिएगा। जब देखेंगे तो अचरज और चिंता में पड़ जाएंगे। आपको लगेगा कि इस धरती पर बेशुमार आदमी हैं जो तीव्र गति से बढ़ रहे हैं। आपको समझ आ जाएगा कि यदि जनसंख्या की ये घड़ी इसी गति से चलती रही, तो एक दिन ज़मीन कम पड़ जाएगी। विश्व में एक दिन में 3 लाख से अधिक बच्चे पैदा हो रहे हैं। जन्म और मृत्यु का हिसाब-किताब लगाया जाए तो जनसंख्या में प्रतिदिन 2 लख से अधिक की बढ़ोतरी हो रही है। 1970 के मुकाबले आज विश्व की जनसंख्या दुगुनी हो गई है। संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुमान के अनुसार 2050 तक पृथ्वी पर 9.8 बिलियन से अधिक आदमी हो जाएंगे। भारत की जनसंख्या इस समय 140 करोड़ से अधिक हो चुकी है। विश्व की आबादी का 18 प्रतिशत हिस्सा हमारे देश में ही बसता है। हमारा देश अब आबादी में चीन से आगे निकल गया है। जाहिर है हमारी स्थिति व समस्या और भी चिंताजनक है। पृथ्वी का क्षेत्रफल 510.1 मिलियन वर्ग कि. मी. है जो विशाल ज़रूर लगता है, परन्तु वास्तव में यह स्थिर और सीमित है, अर्थात धरती उतनी ही रहेगी जितनी ये है। इसे मजऱ्ी से अपनी सुविधा के अनुसार बढ़ाना या घटाना किसी इनसान के बस की बात नहीं है। न ही अभी तक पृथ्वी के अलावा किसी अन्य उपग्रह पर इनसानी जहां बसाना संभव हो पाया है। इस दिशा में खोज ज़रूर चल रही है, परंतु फिलहाल हमें इसी पृथ्वी पर रह कर अपना जहां बसाना और चलाना है। पृथ्वी पर रहने वाले लोग निरंतर बढ़ते जा रहे हैं। हमें धरती रहने के लिए भी चाहिए और इसी धरती से जीने के लिए अन्न चाहिए। तेजी से बढ़ते इनसानों को रहने के लिए अधिक मकानों की जरूरत पड़ेगी और भोजन प्रदान करने के लिए अधिक अनाज की आवश्यकता होगी। जाहिर है दिन प्रतिदिन हमारी भूमि की आवश्यकता बढ़ती जाएगी। उस स्थिति में मानव जंगलों की ओर रुख करेगा। नतीजा ये होगा कि जंगल सफाचट होते जाएंगे। सांस लेने के लिए ऑक्सीजन की कमी होती जाएगी क्योंकि यह पेड़ों से मिलती है और पेड़ जमीन के अलावा कहीं और नहीं उगते। सांस लेने को शुद्ध हवा मयस्सर नहीं होगी। इन्हैलर को साथ लेकर चलना पड़ेगा। प्राकृतिक संसाधनों का अधिकाधिक शोषण होगा। पानी की कमी तो होगी ही होगी, साथ ही स्वच्छ पानी भी नहीं मिलेगा। मानव और वनों में पलने वाले जीव-जंतुओं के बीच अस्तित्व के लिए संघर्ष होगा। मनुष्य को अधिक जमीन की आवश्यकता होगी और जंतुओं के लिए जंगल कम हो जाएंगे। शक्तिशाली होने के कारण आदमी जंतुओं को मारता चला जाएगा जिससे प्राकृतिक व पारिस्थितिकी संतुलन बिगड़ जाएगा। अपनी अन्य आवश्यकताओं व विकास के लिए इसी धरती से हमें संसाधन भी चाहिए। धरती पर उपलब्ध संसाधनों का अधिकाधिक दोहन होने के कारण हमारी शानदार पृथ्वी एक मरीज की भांति हो जाएगी। समझने के लिए सामान्य समझ ही काफी है कि जैसे-जैसे पृथ्वी पर लोग बढ़ते जाएंगे, हर एक आदमी का हिस्सा इस पर घटता चला जाएगा। मेरे पड़दादा के पास 200 बीघा जमीन थी जो दादाओं, पिता-चाचा-तायों से होते हुए बंटती चली गई और मेरे हिस्से में बची है 5 बीघा खेती योग्य जमीन। कारण संतानें बिना नियंत्रण के पैदा होती चली गईं। इसी तरह पूरे विश्व में आबादी बढ़ रही है। जाहिर है हर व्यक्ति का जमीन का हिस्सा घट रहा है। दरअसल जनसंख्या में बढ़ोतरी ऐसी समस्या है जो हर तरह के विकास पर ऋणात्मक प्रभाव डालती है। बढ़ती हुई आबादी की मांग को पूरा करने के लिए प्रकृति के नियमों को अनदेखा किया जा रहा है। तभी तो कभी कहीं बाढ़ का तांडव होता है तो कभी सूखे से हाहाकार मचता है। यदि भारत में जनसंख्या वृद्धि की दर यही रहती है, जल्द ही आम आदमी की न्यूनतम आवश्यकताएं भी पूरी नहीं होगी। बच्चे पैदा करने के बाद उनका बेहतर लालन-पालन करना भी मां-बाप का दायित्व होता है। परिवार में अधिक बच्चे होने से उन्हें बढिय़ा व संतुलित भोजन उपलब्ध करवाना आसान नहीं होता। उन्हें उच्च व बेहतर शिक्षा दिलाना भी मां-बाप के लिए मुश्किल हो जाता है। यदि परिवार सीमित होगा, तो बच्चों की बेहतर परवरिश की जा सकती है। बेटे की चाहत में बच्चों की टीम पैदा करके केवल बेरोजगारी, गरीबी और कुपोषण की समस्याओं को और विकट बनाया जा सकता है। इन समस्याओं के लिए हमेशा सरकार को दोषी ठहराना भी ठीक नहीं। आम जनचेतना व समझने की आवश्यकता है। जनसंख्या नियंत्रण कानून आज नहीं तो कल लागू करना ही होगा। इसमें शरीयत या धर्मशास्त्रों को नाक घुसेडऩे की जरूरत नहीं। विश्वास रखें, न जन्नत दोजख होगी, न अल्ला नाराज होगा और न ही मृत्यु के बाद मुक्ति की राह में रोड़ा आएगा। बेटी के अर्थी को मुखाग्नि देने से कोई नरक में नहीं जाएगा। यदि बांसुरी अपनी मां सुषमा स्वराज को मुखाग्नि दे सकती हैं, तो हमारी बेटियां क्यों नहीं? जमीन को बढ़ाना हमारे बस में नहीं है, परंतु हम जनसंख्या को नियंत्रित करने का काम जरूर कर सकते हैं। हम इस पृथ्वी पर किराएदार की तरह हैं। इस पर आने वाली पीढ़ी का भी इतना ही अधिकार है जितना हमारे पूर्वजों का था और हमारा है।

देश दुनीया से

आम, छाता, मूत्र और गारंटी

राष्ट्र विसर्जन के दौर से गुजऱ रहा है। कहीं मूल्यों का विसर्जन हो रहा है तो कहीं मर्यादाओं का, कहीं सत्य का विसर्जन हो रहा है तो कहीं नैतिकता का, कहीं गारन्टी का विसर्जन हो रहा है तो कहीं मूत्र का। पर आप क़तई परेशान न हों। रामचंद्र पहले ही सिया से कह गए हैं कि ऐसा कलियुग आएगा, जिसमें कोई भी, कहीं भी, कभी भी, बिना क्यों के, किसी भी वक्त, कुछ भी विसर्जित कर सकेगा। इस विसर्जन के बारे में कोई गारन्टी नहीं दी जा सकेगी। पर शर्मो-हया के बारे में गारन्टी से कहा जा सकेगा कि मनुष्य सुविधा अनुसार इसे कहीं भी विसर्जित कर सकेगा। ऐसा मनुष्य ही कलियुग में सफलता का सही हक़दार होगा क्योंकि शर्मो-हया छोड़ कर मूल्यों, मर्यादाओं, सत्य और नैतिकता के वस्त्र त्यागने वालों से परमेश्वर भी डरते हैं। कहा भी गया है कि नंग बड़े परमेश्वर से। ख़ासकर लोकतंत्र की कथित चौपाई व्यवस्था में जो जितना अधिक बेशर्म होता है, उसकी सफलता की गारन्टी उतनी अधिक है। फिर चाहे राजनीति हो, न्यायपालिका हो, नौकरशाही हो या लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ पत्रकारिता। इन सभी में शर्मो-हया को तजने के बाद ही व्यक्ति सफलता की सीढिय़ां चढ़ते हुए शिखर पर आरूढ़ होता है। ख़ासकर राजनीति में जो व्यक्ति बेशर्मी के जितने गहने पहनता है, उसकी सफलता की गारन्टी उतनी ही अधिक रहती है। कई बार तो बेशर्मी के गहनों के बोझ तले दबा व्यक्ति ओझल हो जाता है और सिर्फ बेशर्मी ही नजऱ आती है। राजनीति में ऐसा व्यक्ति कुंदन की तरह निखर कर, सफलता के शिखर पर विराजमान होता है। इसमें कोई लिंग भेद नहीं। विसर्जन के इस दौर में राष्ट्र एक घोषणा के साथ आसानी से एक काल से दूसरे काल में प्रवेश कर सकता है। जी भर कर आज़ादी का अमृत काल भोगने के बाद हिन्दू-मुसलमान का जाप करता हुआ राष्ट्र अब कत्र्तव्य काल में प्रवेश कर चुका है। अब यह कत्र्तव्य काल का ही परिणाम है कि वर्तमान में राष्ट्र की गम्भीर समस्याओं को हल करने की बजाय सरकार विपक्ष को गरिया रही है, कहीं कैमरे के सामने साष्टांग दण्डवत कर रही है, मज़दूरों-दलितों के पाँव धो रही है या मणिपुर जाने की बजाय मैट्रो में सफर करती हुई नजऱ आ रही है। वोटों की चाह में अस्सी करोड़ लोगों पर अन्न विसर्जित करते हुए अन्तरराष्ट्रीय बाज़ार में हर रोज़ हो रहे रुपये के अवमूल्यन की तरह सरकार इच्छानुसार अवमूल्यित हो रही है। बेशर्मी के ऐसे ही गंग स्नान के बाद कोई वकील किसी राजनेता को साम्प्रदायिक दंगों या फर्जी मुठभेड़ मामलों में बाइज़्जत बरी करवाने के बाद जज की कुर्सी पर विराजमान होने के बाद न्यायपालिका के तार-तार हो चुके आँचल में बेशर्मी के पैबन्द जोड़ देता है या कोई जज मीलॉर्डी के बाद माननीय बन जाता है। कोई नौकरशाह भारत सरकार द्वारा बनाए जाने वाले सचिव के पैनल में मनोनीत न हो सकने के बावजूद किसी राज्य का मुख्य सचिव हो जाता है। सत्ता के गलियारों में दलाली करती पत्रकारिता विपक्ष से मूल्यों के पतन की दुहाई देते हुए केवल उसी से सवाल पूछती है। आम आदमी यह सब कुछ देखने के बावजूद इस बात पर तो अचम्भा कर ही सकता है कि प्रधानमंत्री आम चूस कर खाते हैं या काट कर, वह कभी पर्स क्यों नहीं रखते, वह इतने महान क्यों हैं कि बारिश में भीगने से बचने के लिए स्वयं छाता तान लेते हैं और स्वच्छता पखवाड़े में रेशम का कुर्ता डाल कर कत्र्तव्य पथ पर झाड़ू कैसे लगा लेते हैं। पर कभी इस बात पर अचम्भा नहीं करता कि कथित कौटिल्य तो धनानंद के साथ जोड़ी बना चुका है, ऐसे में अगर भूले-भटके कोई चन्द्रगुप्त कहीं से आ भी जाए तो उसका साथ कौन देगा? इधर मैं अचम्भित हूँ कि मूल्य तो हर युग में विसर्जित होते रहे हैं, पर मूल्य और मर्यादाओं को ध्यान में रखते हुए समाज सत्य की गारन्टी की रक्षा करता आया है।

> रामचंद्र पहले ही सिया से कह गए हैं कि ऐसा कलियुग आएगा, जिसमें कोई भी, कहीं भी, कभी भी, बिना क्यों के, किसी भी वक्त, कुछ भी विसर्जित कर सकेगा। इस विसर्जन के बारे में कोई गारन्टी नहीं दी जा सकेगी। पर शर्मो-हया के बारे में गारन्टी से कहा जा सकेगा कि मनुष्य सुविधा अनुसार इसे कहीं भी विसर्जित कर सकेगा। ऐसा मनुष्य ही कलियुग में सफलता का सही हक़दार होगा क्योंकि शर्मो-हया छोड़ कर मूल्यों, मर्यादाओं, सत्य और नैतिकता के वस्त्र त्यागने वालों से परमेश्वर भी डरते हैं। कहा भी गया है कि नंग बड़े परमेश्वर से। ख़ासकर लोकतंत्र की कथित चौपाई व्यवस्था में जो जितना अधिक बेशर्म होता है, उसकी सफलता की गारन्टी उतनी अधिक है।

नागरिक बोध

गिलगित बाल्टिस्तान भारत का हिस्सा, पाकिस्तान की दावेदारी गलत

गिलगित बाल्टिस्तान पर पाकिस्तान की दावेदारी गलत और न्यायसंगत नही है। दबंगई से भारत की भूमि पर कब्जा कर अपने खुद की जागीर बनाने वाले पाकिस्तान की अब खैर नही है। गिलगितबाल्टिस्तान पर अपना हक जमाकर चीन को बेचने की चर्चा जोरों पर है। लेकिन यह भूमि ब्रिटेन से जो ऐतिहासिक गलतियां हुई है, क्या वह उसमे सुधार कर रहा है? यह सवाल इसलिए सामने आया है कि पिछले दिनों पाकिस्तान ने गिलगित और बाल्टिस्तान पर अपना हक जमाया था। कई वर्षों पूर्व ब्रिटेन की संसद ने कहा था कि गिलगित बाल्टिस्तान कानूनी और संवेधानिक रूप से भारत के जम्मु कश्मीर का अंग है। पाकिस्तान ने 1947 से इस पर गैर कानूनी तौर पर कब्जा कर रखा है। स्मरण रहे कि 1947 में रहे बंटवारे के बाद से ही भारत ऐतिहासिक और भूगोलीय आधारों पर भू भाग को अपना बताता आ रहा है। लेकिन ब्रिटेन ने अब से पहले कोई ठोस राय जाहिर नही की थी। वह इस बात पर कूटनीतिक वाणी ही बोलता रहा है। पिछले वर्षो में ब्रिटिश संसद की और से जो बात कही गई ,वह भारतीय पक्ष की दृष्टि से काफी सकारात्मक है। इसमें भारत का आधार इसलिए मजबूत हुआ था,क्योकि देश विभाजन से पहले इस पूरे क्षेत्र पर ब्रिटेन का अधिकार था। ब्रिटेन की कंजरवेटिव पार्टी ने पिछले वर्षों में ब्रिटिश संसद में एक प्रस्ताव पेश किया। उसने कहा था कि पाकिस्तान गिलगित बाल्टिस्तान को लेकर जिस तरह की घोषणा कर रहा है,उसमे इस विवादित क्षेत्र पर विवाद और बढ़ेगा। ध्यान रहे कि रणनीतिक रूप से अहम माने जाने वाले विवादित गिलगित बाल्टिस्तान क्षेत्र को पाकिस्तान अपना पांचवा प्रान्त घोषित करने की योजना बना रहा था। वह यह कदम चीन के सहयोग में उठा रहा था। चुकि वह इलाका पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से सटा हुआ है। ऐसे में भारत के लिए पाकिस्तान का यह कदम चिंता जा विषय है। अभी हाल ही में पाकिस्तान ने दावेदारी जताई है। वह चीन के उकसाने की वजह से ही है। विस्तारवाद की नीतियों पर उलझ कर सभी सीमा पार भूमि पर उसकी नजर है। लेकिन अब एक इंच जमीन कोई नही ले सकता है। भारत हर पड़ोसी की गन्दी नीतियों का विरोध करने के लिए तैयार है। पाकिस्तान ही हिन्दू और हिन्दू मंदिरों का विरोध करता है अफगान सीमा से सटे पाकिस्तान उतरी वजीरिस्तान के मेरनशाह में रहने वाले 60 हिन्दू परिवारों के लिए पूजा अर्चना करने के लिए मन्दिर का निर्माण हो रहा है। उन इलाका पाक सेना और सरकार के नाक में दम करने वाला क्षेत्र है। और आतंकी संगठन टीटीपी का गढ़ है। पिछले दस सालों में फ़ौज प्रतिबन्धित है। मन्दिर के निर्माण में तालिबान को कोई आपत्ति नही है। मन्दिर से कोई ऐतराज नह है। जबकि पाकिस्तान को भारत के हिन्दू और हिन्दू मन्दिरो का ऐतराज जरूर रहता है। तालिबान के निर्णय के सामने पाकिस्तान मजबूर है। क्योंकि तालिबान से पाकिस्तान डरता है। पाकिस्तान का बड़ा भाई तालिबान है। उपरोक्त क्षेत्र में मन्दिर नही है। साधकों और पूजा अर्चना करने वालो को 150 किमी दूर जाना पड़ता है। मन्दिर निर्माण की रूपरेखा बन गई है।बजट आवंटित हो गया है। वहा हिन्दू परिवारों की रक्षा का ख्याल रखा जाएगा। पश्चिमी देशों में भारत और हिन्दुओ को सम्मान देते है।

इजराइलियों पर हमला करने वालों के दो अंजाम होंगे : पीएम नेतन्याहू बोले– कातिलों को मौत मिलेगी या जेल, बख्शने का तो सवाल ही नहीं

तेल अवीव।

इजराइल और फिलिस्तीन के बीच तनाव फिर बढ़ गया है। फिलिस्तीन के कब्जे वाले इलाके से आतंकी संगठन हमास इजराइल पर हमले कर रहा है। इजराइल की तरफ से जवाबी हमले किए जा रहे हैं। अब इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक बार फिर हमास और उसके मददगारों को वॉर्निंग दी है। नेतन्याहू ने कहा– अगर किसी ने इजराइली नागरिकों की जान ली तो फिर उसे अंजाम भी सोच लेना चाहिए। उसे या तो जेल मिलेगी या फिर मौत। हमारे नागरिकों के कातिलों को बख्शने का तो सवाल ही नहीं है।

अफसर की मौत के बाद कैबिनेट मीटिंग – रविवार रात नेतन्याहू ने कैबिनेट मीटिंग की। इस दौरान पैरामिलिट्री अफसर सार्जेंट डेविड येहुदा यित्हाक की मौत पर शोक प्रकट किया गया। 23 साल के डेविड को पिछले हफ्ते फिलिस्तीन के कब्जे वाले जेनिन शहर में रेड के बाद लौटते वक्त आतंकियों ने मार डाला था। इसके बाद शुक्रवार को 22 साल के शिलो यूसुफ एमिर को भी हमास के आतंकियों ने गोली मार दी थी। बाद में एमिर की मौत हो गई। कैबिनेट मीटिंग में नेतन्याहू ने कहा– मेरी सरकार और इजराइल के लोग बहादुर जवानों की मौत से दुखी हैं। हम उन्हें सैल्यूट करते हैं और ये वादा भी करते हैं कि चाहे जो भी हो, इजराइल किसी आतंकी को छोड़ेगा नहीं। इजराइली पीएम ने कहा– हम जहां इजराइली लोगों को बसाना चाहते हैं, वहां जरूर बसाएंगे। आतंकी चाहे जहां हों, उनकी पनाहगाहें तबाह की जाएंगी और आतंकियों के खिलाफ सरप्राइज अटैक जारी रहेंगे। इसमें किसी को शक नहीं होना चाहिए कि इजराइल अपने टारगेट हिट करने का वक्त और जगह खुद तय करेगा। हमने गाजा और जेनिन में यह करके दिखाया है और आगे भी करते रहेंगे।

इजराइली एयरफोर्स तैयार – जेनिन में दो दिन तक हमास के खिलाफ ऑपरेशन करने के बाद इजराइल डिफेंस फोर्स के चीफ जनरल हेर्जी हालेवी ने कहा– जेनिन का ऑपरेशन पहला और आखिरी नहीं था। ये जंग जारी रहेगी। हमारा मिशन अभी पूरा नहीं हुआ है। इजराइल साफ कर देना चाहता है कि आतंकियों को किसी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। हम अपनी जमीन और नागरिकों की हिफाजत के लिए किसी भी हद तक जाएंगे। मई में हमास के कब्जे वाले गाजा इलाके से इजराइल पर रॉकेट हमले किए गए थे। इसके बाद जेनिन शहर से भी हमले हुए। इसके बाद इजराइली आर्मी ने 'ऑपरेशन शील्ड एंड ऐरो' शुरू किया। एयर स्ट्राइक के बाद जेनिन में 1 हजार सैनिकों ने ग्राउंड ऑपरेशन किया। रविवार को इजराइली सेना ने कहा था– दो महिलाओं को आतंकियों ने कार से रौंदने की कोशिश की। इनकी हालत गंभीर है। हमलावरों की तलाश की जा रही है। इनमें से एक महिला प्रेग्नेंट थी। महिला को बचा लिया गया, लेकिन बच्चे की गर्भ में ही मौत हो गई। 1948 में इजराइल के जन्म के बाद भी फिलिस्तीन से उसका संघर्ष हर स्तर पर जारी रहा। इजराइल को जब लगा कि डिप्लोमैटिक लेवल पर वो फिलिस्तीन के सामने कमजोर पड़ रहा है।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान में तेज बारिश से 86 लोगों की मौतः 17 सैटेलाइट, 36 वॉर्निंग सिस्टम से मौसम पर नजर, भारत ने छोड़ा 65 हजार क्यूसेक पानी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में तेज बारिश और खराब मौसम के चलते अब तक 86 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 151 लोग घायल हैं। इनमें से 6 लोगों की मौत पिछले 24 घंटे में हुई है। मरने वालों में 16 महिलाएं और 37 बच्चे शामिल है। मौसम संबंधी आपदा के बीच 97 घर भी ढह चुके हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने संबंधित विभागों को लोगों की सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। भारत की तरफ से आ रहे पानी के बहाव के चलते पाकिस्तान में सतुलज नदी का जलस्तर 16 फीट बढ़ चुका है। डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी ने पाकिस्तान में 75प्रतिशत तक बाढ़ आने की संभावना जताई है। इसके चलते मौसम की मूवमेंट को ट्रैक करने के लिए 17 सैटेलाइट और 36 वॉर्निंग सिस्टम पर नजर रखी जा रही है। एनडीएमए के चेयरमैन ने बताया है अगर पाकिस्तान में पिछले साल की तरह बाढ़ ने कहर बरपाया तो देश की अर्थव्यवस्था के हालात और बदतर हो सकते हैं। पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा सबसे ज्यादा प्रभावित इलाके हैं। पंजाब में 52, जबकि खैबर पख्तूनख्वा में अब तक 20 लोगों की मौत हो चुकी है। भारत ने पंजाब के फिरोजपुर से सोमवार को 3 बजकर 47 मिनट पर 65,000 क्यूसेक पानी छोड़ा है। जो पाकिस्तान के कसूर जिले में 19 घंटे के भीतर पहुंच जाएगा। एनडीएमए ने रावी, चिनाब और सतलुज में बाढ़ जैसे हालात बनने की जानकारी दी है।

सिंगापुर संसद अध्यक्ष टैन-चुआन-जिन ने विपक्षी सांसद के अपमान के लिए मांगी माफी

सिंगापुर । सिंगापुर के संसद अध्यक्ष टैन-चुआन-जिन ने विपक्षी संसद सदस्य से मंगलवार को माफी मांगी है। आरोप है कि इस साल अप्रैल में भारतीय मूल के एक सांसद को बोलने के लिए बुलाने के बाद उन्होंने विपक्षी दल के संसद सदस्य का अपमान करने के लिए असंसदीय भाषा का इस्तेमाल किया था। उन्होंने जैमस को पॉपुलिस्ट कहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये वाकया इस साल 17 अप्रैल को तब हुआ था जब विपक्षी वर्कर्स पार्टी के सांसद जैमस लिम के भाषण के बाद सत्तारूढ़ पीपुल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) के सांसद विक्रम नायर को बोलने के लिए बुलाया गया था। जैमस ने अपने भाषण के दौरान सिंगापुर के सामाजिक समझौते में सुधार के लिए राष्टपति हलीमा याकूब के आह्वान के समर्थन में आवाज उठाई थी। उन्होंने कहा था कि सिंगापुर ने अभी तक आधिकारिक गरीबी रेखा की सीमा नहीं तय की है। यह अचंभित और परेशान करने वाला है। टैन ने एक फेसबुक पोस्ट में लिखा, इस साल अप्रैल में संसद की बैठक की एक रिकॉर्डिंग प्रसारित हो रही है। मुझे वह रिकॉर्डिंग सुननी पड़ी क्योंकि मुझे वह अवसर याद नहीं था।रिपोर्ट्स में उनके हवाले से बताया गया है कि क्लिप को देखने के बाद ऐसा लगता है कि चैंबर में दिए गए भाषण पर यह मेरी प्रतिक्रिया थी। उन्होंने कहा कि जो कुछ भी उन्होंने कहा वह उनके अपने निजी विचार थे। ये बातें उन्होंने किसी और से नहीं बल्कि खुद से कही थीं।

यूएई में कॉमेडी वीडियो बनाना शख्स को पड़ा महंगा, समाज का अपमान करने का लगा आरोप

दुबई । संयुक्त अरब अमीरात में एक शख्स को कॉमेडी वीडियो बनाना महंगा पड़ गया। पुलिस ने व्यक्ति पर अमीराती समाज का अपमान करने का आरोप लगाते हुए हिरासत में लिया है। दरअसल, वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि शख्स ने पहले खुद को यूएई का दिखाने के लिए उनके जैसे कपड़े पहने। बाद में ढेर सारी नकदी के साथ आकर्षक कारें खरीदने का नाटक किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शख्स को जांच होने तक हिरासत में रखने का आदेश दिया गया था। उस पर अमीराती समाज का अपमान करने वाली पोस्ट सोशल मीडिया पर डालने का आरोप लगाया गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, व्यक्ति ने कॉमेडी वीडियो बनाने के चक्कर में परेशानी मोल ले ली। एशिया देश के एक व्यक्ति ने पारंपरिक अमीराती परिधान पहनें। बाद में दो लोगों के साथ में नकदी की एक बड़ी ट्रे लेकर एक लक्जरी कार शोरूम में पहुंचा। खाड़ी अरब लहजे में अंग्रेजी बोलते हुए, उसने सबसे अधिक कीमत वाली कार मांगी। बाद में यह कहते हुए कार लेने से इनकार कर दिया कि यह उतनी महंगी नहीं है, जितनी उसे चाहिए। बता दें, शोरूम कर्मचारियों ने उसे 2.2 मिलियन दिरहम यानी करीब 600,000 डॉलर तक की कारें दिखाई थीं। जब शोरूम कर्मचारी उसे कार दिखा रहे थे, तो उसने कहा कि भाई मुझे महंगी कार चाहिए।

स्वीडन को नाटो में शामिल करने के लिए तैयार तुर्किये

बदले में ईयू का हिस्सा बनना चाहता है ; नाटो समिट से पहले की घोषणा

विल्नियस।

तुर्किये ने स्वीडन के नाटो में शामिल होने को हरी झंडी दिखा दी है। सोमवार को नाटो के सेक्रेटरी जनरल जेन स्टोल्टनबर्ग ने इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा– तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगन स्वीडन के नाटो से जुड़ने का प्रस्ताव अपनी नेशनल असेंबली में पेश करने के लिए तैयार हो गए हैं। हमें उम्मीद है कि ये जल्द ही पारित हो जाएगा। हालांकि, इसके लिए किसी तारीख की घोषणा नहीं की गई है।

लिथुआनिया के विल्नियस शहर में होने वाली नाटो समिट से पहले सोमवार को स्टोल्टनबर्ग ने स्वीडन और तुर्किये के लीडर्स के साथ बैठक की। इसके बाद एक जॉइंट स्टेटमेंट में स्वीडन के प्रधानमंत्री क्रिस्टर्सन ने कहा– ये स्वीडन के लिए एक अच्छा दिन है।

नाटो मेंबरशिप के बदले स्वीडन तुर्किये के यूरोपियन यूनियन में शामिल होने के प्रयासों का समर्थन करेगा। दरअसल, एर्दोगन ने स्वीडन की मेंबरशिप को लेकर कहा था कि तुर्किये की संसद से स्वीडन की नाटो बिड अप्रूव होने से पहले यूरोपियन यूनियन को उन्हें अपना हिस्सा बनाना चाहिए।

4 दिन पहले हंगरी ने स्वीडन की मेंबरशिप के लिए जताई थी सहमति – इससे पहले 6 जुलाई यानी गुरुवार को हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ऑर्बन के चीफ ऑफ स्टाफ ने घोषणा की थी कि उनके देश को अब स्वीडन के नाटो में शामिल होने से कोई ऐतराज नहीं है। अब तुर्किये के फैसले का अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भी स्वागत किया है। अमेरिका सहित दूसरे नाटो देश महीनों से तुर्किये को स्वीडन की मेंबरशिप अप्रूव करने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं।

कुछ एक्सपर्ट्स का मानना है कि तुर्किये स्वीडन की सदस्यता के जरिए अमेरिका पर वॉरप्लेन देने के लिए भी प्रेशर बना रहा था। दरअसल, अक्टूबर 2021 में तुर्किये ने 20 अरब डॉलर के फाइटर जेट्स सहित मौजूदा वॉरप्लेन्स के लिए 80 मॉर्डेनाइजेशन किट खरीदने की रिक्वेस्ट की थी। नाटो चीफ स्टोल्टनबर्ग ने भी इस बात की पुष्टि की है कि स्न–16 डील स्वीडन की मेंबरशिप एग्रीमेंट का हिस्सा थी।

नाटो समिट में जेलेंस्की से मिलेंगे बाइडेन, मेंबरशिप पर चर्चा संभव – नाटो समिट में बाइडेन यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात करेंगे। इस मीटिंग का मकसद रूस–यूक्रेन जंग को लेकर दुनिया के सामने नाटो के सभी सदस्य देशों की एकता को दिखाना है। नाटो समिट में यूक्रेन जंग और भविष्य में उसकी मेंबरशिप को लेकर चर्चा होने की उम्मीद है।

समिट को लेकर जेलेंस्की ने कहा– मैं सिर्फ मनोरंजन के लिए इसका हिस्सा नहीं बनना चाहता। ये रूस के खिलाफ एकजुटता दिखाने का सबसे बेहतरीन मौका है। जब तक यूक्रेन नाटो का हिस्सा नहीं है तब तक उसे संगठन की तरफ से उचित सिक्योरिटी गारंटी मिलनी चाहिए। अगर ऐसा नहीं होता तो इस मीटिंग का कोई मकसद नहीं है।

स्वीडन को इस्लाम-विरोधी कहता रहा है तुर्किये – दूसरी तरफ, तुर्किये के अप्रूवल के बाद स्वीडन के नाटो में जल्द शामिल होने की उम्मीद जताई जा रही है। इससे पहले तुर्किये ने लगातार स्वीडन पर आतंक के खिलाफ पर्याप्त कदम नहीं उठाने के आरोप लगाए हैं। दरअसल, तुर्किये सहित ईयू और अमेरिका भी स्वीडन में एक्टिव कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी को एक आतंकी संगठन मानते हैं। कुछ दिन पहले ही स्टॉकहोम में ईद–अल–अजहा के मौके एक मस्जिद के बाहर एक शख्स ने कुरान जलाकर प्रदर्शन किया था। इसके लिए उसे सरकार से इजाजत मिली थी। तुर्किये ने इस पर कड़ा विरोध जताया है। तुर्किये के विदेश मंत्रालय ने इसे जघन्य अपराध बताते हुए स्वीडन की नाटो मेंबरशिप के लिए खतरा बताया था।

स्वीडन में लगातार एंटी–इस्लामिक प्रदर्शन होने के चलते तुर्किये के साथ उसके रिश्ते में तनाव रहा है। तुर्किये ने कई बार स्वीडन पर एक धर्म को टारगेट करने का आरोप लगाया है। हालांकि, स्वीडन ने बार–बार खुद के इस्लाम–विरोधी होने से इनकार किया।

रूस–यूक्रेन विवाद की वजह बना नाटो – 1991 में सोवियत संघ के 15 हिस्सों में टूटने के बाद नाटो ने खासतौर पर यूरोप और सोवियत संघ का हिस्सा रहे देशों के बीच तेजी से प्रसार किया। 2004 में नाटो से सोवियत संघ का हिस्सा रहे तीन देश– लातविया, एस्तोनिया और लिथुआनिया जुड़े, ये तीनों ही देश रूस के सीमावर्ती देश हैं। पोलैंड (1999), रोमानिया (2004) और बुल्गारिया (2004) जैसे यूरोपीय देश भी नाटो के सदस्य बन चुके हैं। ये सभी देश रूस के आसपास हैं। इनके और रूस के बीच सिर्फ यूक्रेन पड़ता है। यूक्रेन कई साल से नाटो से जुड़ने की कोशिश करता रहा है। उसकी हालिया कोशिश की वजह से ही रूस ने यूक्रेन पर हमला किया है। यूक्रेन की रूस के साथ 2200 किमी से ज्यादा लंबी सीमा है। रूस का मानना है कि अगर यूक्रेन नाटो से जुड़ता है तो नाटो सेनाएं यूक्रेन के बहाने रूसी सीमा तक पहुंच जाएंगी। यूक्रेन के नाटो से जुड़ने पर रूस की राजधानी मॉस्को की पश्चिमी देशों से दूरी केवल 640 किलोमीटर रह जाएगी। अभी ये दूरी करीब 1600 किलोमीटर है।

तालिबान बोला– हमें मंदिरों से ऐतराज नहीं

टीटीपी के गढ़ वजीरिस्तान में मंदिर बनेगा; यहां खुशी से रह रहे 60 हिन्दू परिवार

काबुल।

अफगान सीमा से सटे पाकिस्तान के उत्तरी वजीरिस्तान में मीरनशाह में रहने वाले 60 हिंदू परिवारों के लिए मंदिर बनाया जाएगा। ये इलाका पाक सेना और सरकार के नाक में दम करने वाले आतंकी संगठन तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान का गढ़ है।

पाक फौज पिछले 10 साल से यहां प्रतिबंधित टीटीपी के साथ मुठभेड़ में शामिल रही है। मीरनशाह में टीटीपी की समानांतर सरकार को भी मंदिर बनने से कोई ऐतराज नहीं है। उत्तरी वजीरिस्तान के सांसद मोहसिन दावार ने बताया कि मंदिर के लिए जमीन का चयन कर लिया गया है। जल्द ही मंदिर निर्माण के लिए बजट भी आवंटित होगा।

टीटीपी के नेतृत्व में हिन्दूओं का ध्यान रखा जा रहा

तालिबान के एक कमांडर ने बातचीत में कहा कि हिंदू परिवारों की रक्षा और उनकी मान्यताओं का ख्याल रखा जा रहा है। हम पंचायत में अर्जी देते हैं, तालिबान समस्याओं का समाधान भी करता है। अनिल का कहना है कि यहां पर टीटीपी के दबदबे से हिंदुओं को कभी परेशानी नहीं हुई। उन्होंने बताया कि तालिबानी पंचायत में हम टीटीपी के कमांडरों को अपनी समस्याओं की अर्जी देते हैं और उनका समाधान भी होता है। अन्य राज्यों में हिंदू परिवारों पर हमले और मंदिरों में तोड़फोड़ की घटनाओं के बावजूद वजीरिस्तान में ऐसा नहीं है। अनिल का कहना है कि हम यहां पर सुरक्षित महसूस करते हैं। मीरनशाह में अपना कारोबार भी कर सकते हैं। पाक के सिंध और पंजाब प्रांत में तीन साल के दौरान 12 मंदिरों पर हमलों की घटनाएं हो चुकी हैं। इनमें पंजाब के रावलपिंडी में 100 साल पुराने मंदिर, जबकि सिंध के नगारपारकर में श्रीराम मंदिर पर हमला शामिल है। 'पूजा–अर्चना के लिए 150 किमी दूर जाते हैं, अब आसानी होगी' मीरनशाह की इबरती देवी का कहना है कि यहां अब तक कोई बड़ा मंदिर नहीं है। लोगों को डेढ़ सौ किमी दूर दक्षिण वजीरिस्तान के वाना शहर जाना पड़ता है। काफी समय से यहां पर मंदिर बनाने की मांग की जा रही थी।

चीन के खतरनाक मंसूबेः यूक्रेन जंग से सबक लेकर बना रहा ड्रोन की स्पेशल ब्रिगेड, इससे मिसाइलों के खिलाफ कर रहा युद्धाभ्यास

बीजिंग।

रूस–यूक्रेन युद्ध से दुनियाभर में चिंता का माहौल है, लेकिन चीन एक ऐसा देश है जो इस युद्ध में भी अपना फायदा देख रहा है। हाल में चीन की तरफ से जारी युद्धाभ्यास एक वीडियो के हवाले से इंटरनेशनल ऑब्जर्वर ने अपनी रिपोर्ट में खुलासा किया है कि चीनी सेना यूक्रेन युद्ध के आधार पर अपनी रणनीति को तेजी से बदल रही है।

यूक्रेन युद्ध में बड़े पैमाने पर ड्रोन के उपयोग को देखते हुए चीन ने भी ड्रोन की स्पेशल ब्रिगेड पर काम शुरू कर दिया है। चीन की पीपल्स लिबरेशन आर्मी की 82वीं कंबाइंड आर्म्ड ब्रिगेड ने पिछले दिनों हेबेई प्रांत में ड्रोन से युद्धाभ्यास किया। जिसमें ड्रोन और रडार की मदद से पोर्टेबल एंटी एयरक्राफ्ट और एंटी टैंक मिसाइलों का मुकाबला किया गया।

चीनी सेना को ड्रोन हमले की दी जा रही ट्रेनिंग

चीनी सेना के जवानों को ड्रोन हमले करने और ड्रोन हमलों से बचने की ट्रेनिंग दी गई है। ग्रुप कमांडर लियु चेन का कहना है कि हमारे जवान लगातार अपनी गलतियों से सीख रहे हैं। 82वीं कंबाइंड आर्म्ड ब्रिगेड का पुराना नाम 38वीं आर्मी कार्प था, जो बीजिंग की सुरक्षा का जिम्मा संभालती है।

तैयारीः ड्रोन से मिसाइल हमलों पर नजर रखेगा चीन

बीजिंग स्थित युआन वांग मिलिट्री साइंस टेक्नोलॉजी थिंक टैंक झोउ चेनमिंग का कहना है कि ब्रिगेड रूसी आर्मी के अनुभवों से सीख रही है, खासकर ड्रोन के उपयोग के बारे में। सीख रही है कि सैन्य दलों की आंखों के रूप में किस तरह से ड्रोन का इस्तेमाल किया जा सकता है।

वे ड्रोन की मदद से आने वाली एंटी टैंक मिसाइलों और जानलेवा एयर स्ट्राइक के बारे में जान रहे हैं। साथ ही चीन की सेना रूसी सेना से यह भी सीख रही है कि ऐसे हालात का मुकाबला कैसे करें, ताकि कम से कम नुकसान हो। सेवानिवृत प्रशिक्षक सोंग जोंगपिंग का कहना है कि इस युद्धाभ्यास के हालात काफी हद तक यूक्रेन के मौजूदा युद्ध पर निर्भर हैं।

नेपाल में हेलिकॉप्टर क्रैश, पायलट और 6 विदेशियों की मौत : काठमांडू के लिए भरी थी उड़ान, 10 मिनट बाद माउंट एवरेस्ट के पास संपर्क टूटा

काठमांडू ।

नेपाल में मंगलवार को लापता हुए हेलिकॉप्टर का मलबा बरामद हो गया है। मलबे के पास से 6 शव भी बरामद हुए हैं। मलबा लिखू पीके गांव और दुधकुंडा नगर के बॉर्डर के पास मिला, जिसे लामाजुरा डांडा भी कहा जाता है। गांव के नागरिकों ने इसकी सूचना अधिकारियों को दी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, हेलिकॉप्टर को सीनियर कैप्टन छेट गुरुंग उड़ा रहे थे। इसमें मेक्सिको के 5 नागरिक सवार थे। गांव के लोगों ने बताया कि क्रैश होते ही हेलिकॉप्टर में धमाका हुआ और आग लग गई। इससे पहले मंगलवार सुबह हेलिकॉप्टर माउंट एवरेस्ट के करीब लापता हो गया। नेपाल विमान अधिकारियों के मुताबिक, मनांग एयर के हेलिकॉप्टर ने सुकरी से काठमांडू के लिए सुबह 10:04 बजे उड़ान भरी थी। नेपाल सिविल एविएशन अथॉरिटी के अधिकारी ग्यानेंद्र भुल ने कहा उड़ान भरने के 10 मिनट बाद ही 10:13 बजे हेलिकॉप्टर का संपर्क कंट्रोल टावर से टूट गया और यह राडार से गायब हो गया था। हालांकि, हेलिकॉप्टर क्रैश क्यों हुआ, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

12 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था हेलिकॉप्टर – जिस वक्त हेलिकॉप्टर से संपर्क टूटा उस दौरान वो 12 हजार फीट से ऊपर की ऊंचाई पर उड़ान भर रहा था। रेस्क्यू मिशन और लापता हेलिकॉप्टर को ट्रैक करने के लिए एक हाई आल्टिट्यूड हेलिकॉप्टर को भेजा गया था। लापता हेलिकॉप्टर की आखिरी लोकेशन लामजुरा पास के नजदीक बताई गई।

जनवरी के प्लेन क्रैश में 68 लोगों की मौत हुई थी – इससे पहले जनवरी में भी नेपाल में एक बड़ा विमान हादसा हुआ था, जिसमें 68 लोगों की मौत हो गई थी। यति एयरलाइंस का प्लेन काठमांडू से 205 किमी दूर पोखरा में क्रैश हो गया था। प्लेन था, जिसमें 68 यात्री और चार क्रू मेंबर सवार थे। पोखरा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर लैंडिंग से महज 10 सेकेंड पहले विमान पहाड़ी से टकरा गया था, जिससे प्लेन में आग लग गई और वह खाई में जा गिरा था। विमान को कैप्टन कमल केसी उड़ा रहे थे। 68 यात्रियों में से 53 नेपाली, 5 भारतीय, 4 रूसी, एक आयरिश, दो कोरियन, एक अफगानी और एक फ्रेंच नागरिक थे। सिविल एविएशन अथॉरिटी ऑफ नेपाल की तरफ से कहा गया है कि मैकेनिकल खराबी की वजह से दुर्घटना हुई थी। नेपाल के खराब एविएशन रिकॉर्ड की वजह से यूरोपीय कमीशन ने नेपाली एयरलाइंस पर 28 देशों के ब्लॉक में उड़ान भरने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा रखा है। नेपाल की एविएशन अथॉरिटी भ्रष्टाचार के आरोपों से भी घिरी हुई है। 2019 में यूरोपीय एयरोस्पेस कंपनी एयरबस नेनेपाल एयरलाइंस कॉर्पोरेशन के लिए दो संकरी बॉडी वाले एयरब 320 जेट डील के लिए नेपाली बिजनेसमैन और अधिकारियों को 34 लाख यूरो यानी 3 करोड़ रुपए की रिश्वत दी थी। नेपाल में पिछले साल मई में भी प्लेन क्रैश होने से 19 पैसेंजर और 3 क्रू मेंबर्स की जान चली गई थी। इस विमान में 4 भारतीय भी थे। नेपाल आर्मी की सर्च एंड रेस्क्यू टीम को मुस्तांग के सैनोसवेयर इलाके की पहाड़ी पर मलबा मिला था। एयरक्राफ्ट 43 साल पुराना था।

रूस के न्यूक्लियर ठिकानों के नजदीक पहुंचे थे वैगनर लड़ाके

यूक्रेन के इंटेलिजेंस चीफ का दावा- खुद को ताकतवर बनाना चाहती थी प्राइवेट मिलिट्री

मॉस्को/ कीव।

रूस की प्राइवेट मिलिट्री के नाराज लड़ाके 24 जून को हुए विद्रोह के दौरान देश के परमाणु ठिकानों के नजदीक पहुंच गए थे। रिपोर्ट के मुताबिक लोकल लोगों ने इसकी पुष्टि करते हुए कई विडियोज पोस्ट किए हैं।

इनमें येवगेनी प्रिगोजिन के लड़ाके रूस के किलेबंद आर्मी बेस की तरफ बढ़ते दिख रहे हैं, जिसमें परमाणु हथियार रखे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वोरोनजेह–45 नाम के आर्मी बेस में रूस ने सोवियत यूनियन के दौर के छोटे परमाणु हथियार रखे हुए हैं। इन्हें कोई बैग में रखकर भी ले जा सकता है।

यूक्रेन का दावा- परमाणु हथियार हासिल करना चाहते थे लड़ाके

यूक्रेन के इंटेलिजेंस चीफ किर्लो बुदनोव ने इसमें बुदनोव ने यह तक दावा किया है कि वैगनर के लड़ाके न्यूक्लियर बेस तक पहुंच गए थे। वो विद्रोह में खुद को मजबूत करने के लिए ये हथियार हासिल करना चाहते थे।

हालांकि, बुदनोव ने अपने दावों के पीछे कोई सबूत पेश नहीं किया। वो पहले अधिकारी हैं जिन्होंने कोई ऐसा दावा किया है। इससे पहले यूक्रेन के समर्थन वाले एतेश ग्रुप ने भी ये जानकारी दी थी। रॉयटर्स को रूस से भी इस दावे की पुष्टि करती हुई जानकारी मिली है। सूत्रों के हवाले से कहा है कि वैगनर के लड़ाके रूस के स्पेशल इंटरेस्ट जोन में घुस गए थे। इससे अमेरिका में भी सतर्क हो गया था।

उन्होंने लड़ाकों की मूवमेंट्स को ट्रैक किया। इसमें कुछ लड़ाके राजधानी मॉस्को जाने की बजाए वोरोनजेह–45 की ओर कूच करते दिखाई दिए हैं। हालांकि, एजेंसी ने कहा है कि वो लड़ाकों की मूवमेंट को तब तक ही ट्रैक कर पाई जब तक वो न्यूक्लियर हथियारों वाले आर्मी बेस से 70 मील की दूरी पर थे।

शीत युद्ध में अमेरिका-रूस ने बनाए थे सूटकेस न्यूक्स

बिजनेस इनसाइडर की रिपोर्ट के मुताबिक रूस और अमेरिका ने शीत युद्ध के दौरान छोटे परमाणु हथियार बनाए थे। जिन्हें एक जगह से दूसरी जगह ले जाना काफी आसान होता है। इन्हें सूटकेस न्यूक्स कहा जाता है। हालांकि, इन हथियारों के सालों बाद भी एक्टिव होने पर कुछ कहा नहीं जा सकता है। रूस कि डिफेंस मिनिस्ट्री ने इस पर कोई भी कमेंट करने से इनकार कर दिया।

रूस ने कभी नहीं कहा है कि वोरोनजेह–45 में परमाणु हथियार हैं। हालांकि, मामले से जुड़े कई विशेषज्ञों का कहना है कि ये बेस उन 12 स्टोरेज साइट्स में से एक है, जिसमें रूस ने परमाणु हथियार रखे हैं।

23 जून को वैगनर ने किया था विद्रोह

23 जून को वैगनर ग्रुप ने रूस के खिलाफ विद्रोह की घोषणा की थी। वैगनर आर्मी यूक्रेन के कैंप छोड़कर रूसी सीमा में दाखिल हो गई थी। उसने रोस्तोव शहर और मिलिट्री हेडक्वार्टर पर कब्जा कर लिया था।

प्रिगोजिन ने तब कहा था– हम मरने से नहीं डरते। उन्होंने दावा किया था वैगनर लड़ाकों ने रूसी सेना के कई हेलिकॉप्टर्स को मार गिराया था। प्रिगोजिन ने रूस के रक्षा मंत्री को रोस्तोव आकर उनसे मिलने के लिए कहा था।

हालांकि, इसके 24 घंटे के अंदर ही प्रिगोजिन ने मॉस्को की ओर अपना कूच रोक दिया था। पुतिन और प्रिगोजिन के बीच बेलारूस के राष्ट्रपति लुकाशेंको ने समझौता करवाया था।

लोकतंत्र में नेतृत्वशीलता की विशेष भूमिका : लोस अध्यक्ष ओम बिरला

उदयपुर (हिंस)। लोकतंत्र में नेतृत्वशीलता की विशेष भूमिका है। सिर्फ राजनीतिक ही नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक से लेकर सभी क्षेत्रों में नेतृत्वशीलता की भूमिका महत्वपूर्ण है। जहां भी नेतृत्वशीलता में कुशलता, दूरदर्शिता, समय पर निर्णय लेने की क्षमता के गुण हैं, वहां कार्य की सफलता निश्चित है। यह विचार लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने व्यक्त किए। वे मंगलवार शाम को उदयपुर के मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में आयोजित लीडरशिप कांक्लेव - 2023 में मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आधुनिक तकनीक आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) का जिक्र करते हुए कहा कि तकनीक नेतृत्वशीलता में सहायक हो सकती है, लेकिन तकनीक नेतृत्व नहीं कर सकती, क्योंकि तकनीक के पास जानकारी हो सकती है, परंतु ज्ञान, अनुभव और संवेदना नहीं

तक नहीं चल सकता, जबकि ज्ञान और अनुभव की परिपक्वता के गुणों वाला नेतृत्व लंबे समय तक प्रभावी रहता है। उन्होंने युवा पीढ़ी को आह्वान किया कि एआई जैसी तकनीक से जानकारी तो मिल जाएगी, लेकिन ज्ञान और अनुभव नहीं। नेतृत्वशीलता ज्ञान और अनुभव से ही सशक्त होगी। लोकसभा अध्यक्ष ने उद्धृत किया कि प्राचीन काल में भी भारत में लोकतंत्र सशक्त था और नेतृत्वशीलता भी सशक्त थी। सामूहिक चर्चा के बाद लिया गया निर्णय सर्वमान्य होता था। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत के स्वभाव में ही चिंतन समाहित है। भारत के व्यक्ति में स्वाभाविक संवेदनशीलता व आध्यात्मिक चेतना का संचार है। यही कारण है कि भले ही भौतिक व आर्थिक संसाधनों में भारत किसी से तुलनात्मक रूप में कमतर हो सकता है, लेकिन बौद्धिक क्षमता, आध्यात्मिक चिंतन, विचारशीलता, संवेदनशीलता का धनी है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे मन में संवेदनशीलता विकसित करें और अपने हर कार्य में देश और समाज के हित का विचार सामने रखकर निर्णय करे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी नेतृत्व क्षमता से दुनिया में भारत की शक्ति, सम्मान को बढ़ाया है। नौजवानों के सामर्थ्य का उपयोग किया है। आने वाले समय में भारत विश्व का नेतृत्व करेगा तो उसकी सबसे बड़ी ताकत भारत के नौजवानों की होगी। इससे पूर्व, राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी ने सदन अध्यक्षों (स्पीकर) की भूमिका को सशक्त करने की दिशा में कार्य करने की आवश्यकता जताई, ताकि सदनों में सकारात्मक, निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण चर्चा-परिचर्चा का मार्ग प्रशस्त हो सके। उन्होंने कहा कि सदन के अध्यक्ष सत्तारूढ़ दल से जुड़ा व्यक्ति होता है और उसे ऐसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जाती है, जहां उसे दोनों पक्षों के अधिकारों का संरक्षण करना होता है। ऐसे में स्पीकर की भूमिका में रहने वालों को आदर्श बनना होगा। कार्यक्रम में सुविवि के कुलपति प्रो. आईवी त्रिवेदी ने कहा कि पूर्व के छात्रनेता ऐसे थे जिनके पीछे मास भागता था, आज के छात्रनेताओं को देखते हैं तो वे मास के पीछे भागते नजर आते हैं। उन्होंने कहा कि लीडर एक आशा की तरह होता है। सही मायने में लीडर वह है, जो देश और समाज के विजन को रियलिटी में कन्वर्ट करें।

कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार की रोज खुलती है एक परत : मंत्री शेखावत

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में भ्रष्टाचार को लेकर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने गहलोत सरकार को घेरा। आरडीएसएस में टेंडरों में गड़बड़ी पर शेखावत ने कहा, कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार की रोज एक परत खुलती है। मंगलवार को शेखावत ने ट्वीट किया, कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार की रोज एक परत खुलती है। रोज पता चलता है कि गहलोत जी काले धन के पहाड़ पर कितने ऊंचे बैठे हैं। अब ये एक और सवाल 923 करोड़ का है, बताएं सीएम साहब ये पैसे कहां है? उन्होंने कहा कि आप इस सवाल को नकार देंगे, क्योंकि टेंडर में हेरा-फेरी कांग्रेस के सिस्टम का हिस्सा है। आप और आपकी थैली के सारे चट्टे-बट्टे करप्शन को नार्मल मानते हैं और चाहते हैं जनता और विपक्ष भी यही सोचे।

बठिंडा जेल में लॉरेंस बिश्नोई की तबियत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब की बठिंडा जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को तबियत खराब होने पर देररात फरीदकोट के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लॉरेंस बिश्नोई सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड का मुख्य आरोपी है। लॉरेंस की तबियत देर रात बिगड़ी। इसके बाद जेल अस्पताल ने उसे फरीदकोट मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया। देर रात सुरक्षा घेरे में उसे अस्पताल पहुंचाया गया। लॉरेंस के आसपास सुरक्षा कड़ी की गई है। चुनिंदा लोगों को ही उसके आसपास आने की इजाजत है।

डेढ़ करोड़ के गबन का आरोपी गिरफ्तार

करनाल एंटी करप्शन ब्यूरो ने 25 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था

सोनीपत (हिंस)। एसटीएफ सोनीपत की टीम ने पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति स्कीम के अंतर्गत डेढ़ करोड़ रुपए का गबन करने के गिरफ्तार किया है। आरोपी की गिरफ्तारी पर करनाल एंटी करप्शन ब्यूरो ने 25 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। आरोपी जिला कल्याण अधिकारी कार्यालय के लेखाकार पानीपत के गांव सिवाह का रहने वाला सुरेंद्र है। पुलिस उसे तीन साल से तलाश कर रही थी। गिरफ्तार करने के बाद पानीपत एंटी करप्शन ब्यूरो को सौंप दिया गया। डीएसपी एसटीएफ सोनीपत इंदीवर ने बताया कि वर्ष 2015 से 2019 तक पोस्ट मैट्रिक स्कीम के तहत अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को दी जाने वाली छात्रवृत्ति में गबन किया गया था। अधिकारियों व कर्मचारियों पर मिलीभगत करके छात्रों के खातों में जाने वाली राशि का आधार कार्ड नंबर बदलकर, फर्जी बैंक खाता खुलवा कर गबन करने का इस

पर आरोप लगा था। यह स्कीम भारत सरकार की ओर से जुलाई 1981 में चलाई गई थी। दसवीं तक की कक्षाओं में पढ़ने वाले अनुसूचित जाति के छात्रों को 230 से 1200 रुपए प्रतिमाह तक छात्रवृत्ति तथा नॉन रिफंडेबल फीस दी जाती है। आरोपी ने गिरफ्तारी के बाद पुलिस को बताया कि वह पानीपत और आसपास के क्षेत्र में छिपकर रहता था।

मंत्री राजेंद्र गुढ़ा के सीता माता पर दिए बयान को लेकर भाजपा हमलावर

जयपुर (हिंस)। सैनिक कल्याण मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा एक बार फिर विवादित बयान को लेकर चर्चा में है। इस बार उन्होंने माता सीता को लेकर विवादित टिप्पणी की है। झुंझुनू के एक कार्यक्रम में गुढ़ा की ओर से दिए गए इस बयान को लेकर सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ जमकर आक्रोश निकाला जा रहा है। सोमवार देर शाम उनके इस बयान का वीडियो वायरल होने के बाद मंगलवार सुबह तक उनके खिलाफ प्रतिक्रियाओं का दौर तेज हो गया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी और केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने बयान की निंदा करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से गुढ़ा के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। एक सार्वजनिक कार्यक्रम में मंत्री राजेंद्र सिंह ने सीता

माता को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इस बयान में राजेंद्र गुढ़ा ने कहा था कि सीता माता बहुत सुंदर थी और उनकी इसी सुंदरता के कारण से भगवान राम और रावण जैसे अद्भुत इंसान भी उनके पीछे पागल थे। गुढ़ा यहीं नहीं रुके, उन्होंने खुद की तुलना सीता से करते हुए कहा कि मेरे गुणों की वजह से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट जैसे नेता मेरे पीछे भाग रहे हैं। गुढ़ा के बयान पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने ट्वीट कर कांग्रेस को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने लिखा कि श्रीराम मंदिर निर्माण मामले में भगवान श्रीराम के इतिहास को काल्पनिक बताने वाली कांग्रेस भले उनके अस्तित्व को स्वीकार नहीं करें, परंतु उन्हें यह हक नहीं है कि उनके मंत्री हिंदुओं की परम आस्था को बेहूदा बयान देकर नीचा दिखाएं। जोशी ने कहा कि कांग्रेस सरकार के मंत्री राजेंद्र गुढ़ा का माता सीता को लेकर दिया गया वक्तव्य अत्यधिक शर्मनाक है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जोशी ने मांग की है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को इस तरह के बयान पर अपने मंत्री के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने विवादित बयान पर मंत्री गुढ़ा को आड़े हाथों लेते हुए ट्विट किया कि हिंदुओं की हंसी उड़ाने और अपने वोट बैंक की चमचाई करने के लिए कितना नीचे गिरेंगे ये कांग्रेसी? भारत की आस्था प्रभु श्रीराम को पागल बताते हुए राजस्थान सरकार के मंत्री राजेंद्र गुढ़ा को स्वयं के अस्तित्व पर शर्म नहीं आई? यह जानबूझकर दिया गया बयान है। ऐसे ही बयानों की वजह से आज कांग्रेस की स्थिति *शूर्पणखा* जैसी है। रावण की बहन के साथ क्या हुआ था! गहलोत जी के ख़ास मंत्री को ये पता तो होगा।

आयुष्मान योजना में भुगतान में देरी को लेकर रोष

आईएमए का प्रतिनिधि मंडल शिक्षा मंत्री से उनके निवास पर मिला

यमुनानगर (हिंस)। भारत आयुष्मान योजना के तहत हो रही अनिमितताओं को लेकर मंगलवार को डॉक्टरों एक प्रतिनिधिमंडल हरियाणा आईएमए की सचिव डॉ. सोनी के नेतृत्व में शिक्षा मंत्री कंवरपाल से उनके निवास पर मिला। डॉक्टरों ने इस बैठक में आयुष्मान योजना के तहत हो रही अनिमितताओं के बारे में रोष प्रकट किया। डॉक्टरों ने बताया कि आयुष्मान योजना के तहत वह जिन मरीजों का इलाज करते हैं उसकी भुगतान बहुत समय के बाद आता है। और उसमें से काफी भारी कटौती कर ली जाती है। जिसका कोई औचित्य नहीं है और ना ही इसका कोई कारण बताया जाता है। इस बारे में उनकी कोई भी सुनवाई नहीं हो रही।शिक्षामंत्री कंवरपाल ने

डॉक्टरों की बात पर तुरंत एक्शन लेते हुए संबंधित अधिकारी को फोन किया। उन्होंने अधिकारी को यह हिदायत दी की यह योजना मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के लिए बहुत महत्व रखती है। इसलिए जो भी डॉक्टरों की उचित मांगे हैं उन पर गंभीरता पूर्वक विचार किया जाए। ताकि इस स्कीम को और प्रभावी रूप से लागू किया जा सकें।

अंबाला में सेना ने बाढ़ में फंसे लोगों को निकाला

चंडीगढ़ (हिंस)। बारिश के बाद अंबाला में बाढ़ व जलभराव से सबसे खतरनाक स्थिति पैदा हो गई है। अंबाला शहर की कपड़ा मार्केट में जहां करोड़ों का नुकसान हुआ है, वहीं अंबाला छावनी में टांगरी नदी के किनारे पर बसी कालोनियों में कई-कई फुट पानी भर गया। इन इलाकों में फंसे लोगों को सेना के जवानों ने सोमवार को पूरी रात कश्तियों में घरों से बाहर निकाला। अंबाला छावनी के महेश नगर, टांगरी कालोनी, डिफेंस कालोनी, जगाधरी रोड, सदर बाजार इलाकों पानी भर गया। सेना के जवान लगातार यहां के लोगों को कश्तियों की मदद से घरों से बाहर निकाल रहे हैं। उधर, अंबाला शहर में उत्तरी भारत की सबसे बड़ी कपड़ा मार्केट भी पानी में डूब गया है। कपड़ा मार्केट में पानी भरने से दुकानदारों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

कोई भ्रष्ट लोकसेवक नहीं बचना चाहिए : गोदारा

उदयपुर (हिंस)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिरिक्षक सवाई सिंह गोदारा ने कहा है कि हमारा फोकस इस पर है कि किसी भी निर्दोष के खिलाफ कार्रवाई नहीं होनी चाहिए, लेकिन कोई भ्रष्ट लोकसेवक बचना भी नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि एसीबी की ट्रेपिंग के लिए आमजन का सहयोग बहुत जरूरी है। गोदारा मंगलवार को उदयपुर में संभाग स्तरीय एसीबी की बैठक ले रहे थे। बैठक के बाद गोधारा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि आमजन को भ्रष्ट लोकसेवकों के खिलाफ हेल्पलाइन नम्बर पर सूचना देनी होगी। पद दुरुपयोग के मामले में आईजी गोदारा ने कहा कि जब तक पद दुरुपयोग के मामले में परमिशन नहीं मिल जाती, तब तक कार्रवाई नहीं की जा

सकती, इसलिए भी ट्रेप मामलों में कमी आई है। भ्रष्ट लोगों पर पाबंदी लगाने के लिए ट्रेप कार्रवाई के बाद उनको सजा दिलाना भी हमारा उद्देश्य है। उन्होंने यह भी बताया कि रिश्वत लेते पकड़े गए अधिकारियों पर उनके संबंधित विभाग के नियोक्ताधिकारी की परमिशन नहीं मिलने पर कार्यवाही को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में अनुमति अधिक मिली है। इस वजह से कई मामलों में न्यायालय में चालान पेश हो सके हैं, लेकिन बिना नियोक्ताधिकारी की अनुमति के कार्यवाही को आगे बढ़ाना संभव नहीं है।

पंजाब की बसें फिलहाल हिमाचल प्रदेश नहीं जाएंगी

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार ने हिमाचल प्रदेश के लंबे रूट पर जाने वाली बसों को रद्द कर दिया है। मंगलवार को इस बारे में निर्देश जारी किए गए। यह फैसला हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही बारिश से खराब स्थिति के मद्देनजर लिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि बारिश थमने और माहौल ठीक होने पर ही बसें चलाई जाएंगी। अभी पंजाब रोडवेज की बसें सिर्फ हिमाचल प्रदेश के ऊना और माता चिंतपूर्णी तक ही जा रही हैं। इसके आगे के सारे रूट रद्द कर दिए गए हैं।

ट्रैक पर जलभराव के कारण अंबाला चंडीगढ़ जाने वाली पांच ट्रेनें रद्द

रेवाड़ी (हिंस)। पंजाब और चंडीगढ़ एरिया में हो रही लगातार बारिश के कारण रेलवे ट्रैक पर पानी भर गया है। इस कारण रेलवे ने मंगलवार को अंबाला और चंडीगढ़ की तरफ जाने वाली पांच ट्रेनों को रद्द कर दिया है। रेवाड़ी जिले में भी पिछले तीन दिन से लगातार बारिश हो रही है। उत्तर-पश्चिमी रेलवे मंडल के पीआरओ कैप्टन शशि किरण ने मंगलवार को बताया कि उत्तर हरियाणा के साथ पंजाब और चंडीगढ़ एरिया में हो रही लगातार बारिश की वजह से सरहिंद-नांगल डैम, चंडीगढ़-साहनेवाल, सहारनपुर-अंबाला, अंबाला-दिल्ली रेलवे मार्ग पर पानी भर गया है। इससे रेल आवागमन भी प्रभावित हुआ है। इसकी वजह से 11 जुलाई को गाड़ी संख्या 14718 हरिद्वार-बीकानेर, गाड़ी संख्या 12983 अजमेर-चंडीगढ़, गाड़ी संख्या 19412 दौलतपुर चौक-साबरमती रद्द रहेगी। इसके अलावा गाड़ी संख्या 19612 अमृतसर-अजमेर और गाड़ी संख्या 14888 बाड़मेर-ऋषिकेश को भी रद्द किया गया है। तेज बारिश के चलते रेवाड़ी शहर में भी जलभराव की स्थिति पैदा हो गई है। अभी और बारिश के अनुमान के चलते अधिकारियों को अलर्ट रहने का निर्देश दिया गया है। शहर में भरे बारिश के पानी को निकाला जा रहा है। निकाय विभाग के अलावा सिंचाई और जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारी भी बारिश को लेकर अलर्ट है। जिला उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने मॉनिटरिंग के लिए अन्य अधिकारियों के साथ फील्ड में उतारा है ताकि शहर में होने वाले जलभराव की समस्या से निपटा जा सके। साथ ही पंप सेट की व्यवस्था भी की गई है, जिसके जरिए शहर में भरे बारिश के पानी को निकाला जा रहा है। शहरी क्षेत्र की मॉनिटरिंग के लिए डीएमसी उदय सिंह, एसडीएम रेवाड़ी होशियार सिंह, एसडीएम बावल डॉ. जितेन्द्र सिंह, एसडीएम कोसली जयप्रकाश को अपने-अपने उपमंडल क्षेत्र में दिनरात संबंधित विभागीय अधिकारियों की टीम के साथ फील्ड में रहने के आदेश दिए हैं।

एनआईए ने कश्मीर घाटी में पांच स्थानों पर मारे छापे

जम्मू (हिंस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर में सक्रिय प्रतिबंधित पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों की नई शाखाओं पर एक बार फिर कार्रवाई करते हुए कश्मीर घाटी के तीन जिलों अनंतनाग, शोपियां और पुलवामा में पांच स्थानों पर छापे मारे। एजेंसी ने एक बयान में कहा है कि एनआईए ने कश्मीर घाटी के तीन जिलों अनंतनाग, शोपियां और पुलवामा में पांच स्थानों पर छापे मारे और बड़े पैमाने पर आपत्तिजनक डेटा वाले कई डिजिटल उपकरण जब्त किए। मंगलवार को जिन स्थानों पर छापेमारी की गई वे कई प्रतिबंधित नवगठित शाखाओं और सहयोगियों से जुड़े हाइब्रिड आतंकियों और ओवरग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) के आवासीय परिसर थे। इन संगठनों से सहानुभूति रखने वालों और कार्यकर्ताओं के परिसरों पर भी छापे मारे गए। इन सभी कैडरों और कार्यकर्ताओं की जम्मू-कश्मीर में आतंक, हिंसा और तोड़फोड़ से संबंधित गतिविधियों के लिए जांच की जा रही है। एनआईए को चिपचिपे बम/चुंबकीय बम, आईईडी, फंड, मादक पदार्थ और हथियार व गोला-बारूद के संग्रह और वितरण में उनकी संलिप्तता का संदेह है। जम्मू-कश्मीर आतंकी साजिश मामला (आरसी-05/2022/ एनआईए/जेएमयू) 21 जून, 2022 को एनआईए द्वारा दर्ज किया गया था। यह जम्मू-कश्मीर में चिपचिपे बमों, आईईडी और छोटे हथियारों आदि के साथ हिंसक आतंकी हमलों की एक श्रृंखला शुरू करने के लिए प्रतिबंधित आतंकी संगठनों द्वारा एक भौतिक और ऑनलाइन साजिश से संबंधित है। पाकिस्तान समर्थित संगठन जम्मू-कश्मीर में शांति और सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने के लिए स्थानीय युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और भूमिगत कार्यकर्ताओं को संगठित करने में भी लगे हुए हैं। एनआईए की जांच के अनुसार साजिश के पीछे पाकिस्तान स्थित गुर्गे यहां के लोगों के बीच आतंक फैलाने के लिए विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों का उपयोग कर रहे हैं। वे कश्मीर घाटी में अपने एजेंटों और कैडरों को हथियार/गोला-बारूद, विस्फोटक, नशीले पदार्थ आदि पहुंचाने के लिए ड्रोन का भी उपयोग कर रहे हैं। जांच के दायरे में नए बने आतंकी संगठनों में द रेजिस्टेंस फ्रंट, यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट जम्मू एंड कश्मीर, मुजाहिदीन गजवत-उल-हिंद, जम्मू एंड कश्मीर फ्रीडम फाइटर्स, कश्मीर टाइगर्स और अन्य शामिल हैं। ये संगठन प्रमुख प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों जैसे लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी), जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम), हिज्ब-उल-मुजाहिदीन (एचएम), अल-बद्र, अल-कायदा आदि से संबद्ध रखते हैं।

जैन मुनि की हत्या का विरोध, समाज ने सोंपा ज्ञापन

धौलपुर (हिंस)। जैन आचार्य 108 कामकुमार नंदी मुनि महाराज की बर्बर हत्या के विरोध में मंगलवार को सकल जैन समाज धौलपुर द्वारा मौन जुलूस निकालकर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धा रमैया के नाम डीएम को ज्ञापन सौंपा। समाज संरक्षक विवेक सिंह बोहरा एवं जैन समाज के अध्यक्ष धनेश जैन के नेतृत्व में मौन जुलूस के रूप में शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे तथा जिला कलेक्टर अनिल कुमार अग्रवाल को ज्ञापन सौंपा। जैन समाज के अध्यक्ष धनेश जैन ने बताया कि 5 जून की रात्रि चिकोड़ी तालुक के हिरेखोड़ी गांव में नंदी पर्वत आश्रम में जैन समाज के प्रसिद्ध साधु आचार्य श्री कामकुमार नंदी मुनि महाराज की हत्या कर दी गई थी। धौलपुर जैन समाज ने इस कृत्य की कड़ी निंदा करते हुए ज्ञापन के माध्यम से उपरोक्त घटना की गंभीरता से जांच कराएं सभी हत्यारों को तुरंत गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की है। इसके साथ ही जैन समाज की मांग है कि हमारे जैन मुनियों को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की जाए। मौन जुलूस एवं ज्ञापन के दौरान जैन समाज के मंत्री अमित जैन सोनू, कृष्ण मोहन जैन, जैन समाज के पूर्व अध्यक्ष नेतराम जैन, पवन जैन, रतन चंद जैन एवं सुनील कुमार जैन सहित बड़ी संख्या में महिला पुरुष शामिल रहे।

कुछ ही घंटों में तीन गुणा बढ़ा घग्गर का जल स्तर, किसानों की चिंताएं बढ़ीं

फतेहाबाद (हिंस)। पहाड़ों पर हो रही भारी बरसात के कारण घग्गर नदी का जल स्तर तेजी से बढ़ रहा है। घग्गर नदी फतेहाबाद जिले के अनेक भागों से होकर गुजरती है, जिस कारण इस नदी के आसपास के गांवों में रहने वाले लोगों को एक बार फिर बाढ़ की चिंता सताने लगी है। सोमवार शाम 4 बजे तक जहां जिले के चांदपुरा साइफन पर जलस्तर 2550 क्यूसिक था, वहीं मंगलवार को यह जल स्तर बढ़कर 9300 क्यूसिक को पार कर गया है। बताया जा रहा है कि जाखल क्षेत्र के चांदपुरा में घग्गर में न केवल पानी का स्तर बढ़ा है, बल्कि पानी की रफ्तार भी काफी तेज है। चांदपुरा से पहले पड़ने वाले गुहला चीका साइफन पर जिस प्रकार के हालात बने हुए हैं, उसको देखते हुए जल्द ही वहां भी वाटर लेवल खतरे के निशान को छू सकता है। बता दें कि फतेहाबाद में घग्गर की क्षमता 22 हजार क्यूसेक पानी की है, जिसकी आधी क्षमता तो मात्र 2-3 दिन में पूरी हो गई। पानी का बहाव अब पहले से कहीं ज्यादा रफ्तार

से बढ़ रहा है। मंगलवार को आई रिपोर्ट में घग्गर में पानी का बहाव 9350 क्यूसेक दर्ज किया गया है। कुछ ही घंटों में जलस्तर में इतनी बढ़ोतरी से किसान काफी चिंतित है। सोमवार शाम को जिला उपायुक्त मनदीप कौर ने अधिकारियों की टीम के साथ जाखल के चांदपुरा साइफल का दौरा करके स्थिति का जायजा लिया था। इस दौरान ग्रामीणों ने उनके सामने घग्गर की समय पर सफाई न होने और यहां जलकुंभी की समस्या से अवगत करवाया था। सफाई न होने और जलकुंभी के चलते घग्गर संकरी हो जाती है। पानी का फ्लो आगे न बहने पर तटबंध टूटने का खतरा ज्यादा हो जाता है। सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के चेयरमैन सुभाष बराला ने अधिकारियों के साथ मंगलवार को जाखल क्षेत्र में जाकर घग्गर का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। घग्गर में बढ़ रहे जल स्तर के मद्देनजर सभी रिंग बांधों की जांच, निगरानी और मुरम्मत कार्य को निरंतर जारी रखने के निर्देश देते हुए उपायुक्त मनदीप कौर ने अधिकारियों से कहा कि वह अपनी-अपनी ड्यूटियों पर तैनात रहें। बाढ़ राहत कार्यों में लगे सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को छुट्टी की अनुमति नहीं दी जाएगी। उपायुक्त ने एसडीएम और जिला परिषद के सीईओ को यह भी निर्देश दिए हैं कि वह तत्काल प्रभाव से ठीकरी पहरा लगवाएं। बता दें कि इससे पहले भी घग्गर जिले में बाढ़ की तबाही ला चुकी है। 2010 में घग्गर के ओवरफ्लो होने से यहां बाढ़ आई थी।

हवाईअड्डों पर झटपट होगी यात्रियों की चेकिंग, जल्द लगेंगे फुल बॉडी स्कैनर

नई दिल्ली ।
भारत के सबसे व्यस्त एयरपोर्ट पर सिक्योरिटी चेक को तेज और पुख्ता बनाने के लिए एयरपोर्ट ऑथोरिटी ऑफ इंडिया हवाईअड्डों पर वेव टेक्नोलॉजी आधारित बॉडी स्कैनर्स तैनात करेगी। इससे यात्रियों की तलाशी में कम समय लगेगा।

एएआई के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि वर्तमान में एक यात्री की जांच करने में लगभग 30 सेकंड का समय लगता है, जबकि फुल-बॉडी स्कैनर से यह काम सिर्फ 15 सेकंड में किया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली और बेंगलुरु जैसे देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों पर इन बॉडी स्कैनर का परीक्षण किया गया और इसके बाद इन्हें इस्तेमाल करने की मंजूरी दी गई है। अधिकारी ने कहा, फुल बॉडी स्कैनर के परीक्षण के दौरान कई बार गलत अलार्म बजा। इसके अलावा यह भी पाया गया था कि स्कैनर कुछ चीजों को डिटेक्ट नहीं कर पा रहा था। हालांकि, बाद में इन खामियों को दूर कर दिया गया।

एयरपोर्ट पर लगेंगे 131 बॉडी स्कैनर - वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मेटल डिटेक्टर के विपरीत मिलीमीटर-वेव आधारित फुल बॉडी स्कैनर यात्री के कपड़ों के नीचे छिपे किसी भी तरल या प्लास्टिक का पता लगा सकता है। इसे उन चीजों का पता लगाने के लिए डिजाइन किया गया है जिन्हें कपड़ों में छिपाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट ऑथोरिटी ऑफ इंडिया देश भर के अलग-अलग हवाई अड्डों पर कुल 131 स्कैनर लगाएगी। उन्होंने कहा कि बॉडी स्कैनर्स हवाईअड्डे पर यात्रियों की संख्या के आधार पर लगाए जाएंगे। अधिकारी ने दावा किया कि ये स्कैनर्स बेहद सटीक हैं और प्राइवेसी का ख्याल रखते हैं। इसके अलावा इनसे यात्रियों के स्वास्थ्य पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। यह तेज और सटीकता के साथ जांच करेंगे। अधिकारी ने आगे कहा कि मौजूदा डोर फ्रेम-टाइप मेटल डिटेक्टर और मेटल डिटेक्टर सिस्टम को चरणबद्ध तरीके से फुल-बॉडी स्कैनर से बदल दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि फुल बॉडी स्कैनर आने से हवाईअड्डे पर सुरक्षा कर्मियों की तैनाती पर कोई असर नहीं पड़ेगा। बता दें कि एक बॉडी स्कैनर की कीमत लगभग 4 करोड़ रुपये है और इसकी कुल 131 यूनिट खरीदी जानी हैं।

न्यूज ब्रीफ

अडाणी-हिंडनबर्ग केस पर सुनवाई टली: सुप्रीम कोर्ट ने कहा सेबी का एफिडेविट देखने के लिए समय चाहिए, अगली सुनवाई 14 अगस्त को

नई दिल्ली। अडाणी-हिंडनबर्ग मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 11 जुलाई को सुनवाई टाल दी है। कोर्ट ने कहा है कि

(सेबी) का एफिडेविट (हलफनामा) देखने के लिए हमें समय चाहिए। इससे पहले सेबी ने 10 जुलाई को कोर्ट में मामले की सुनवाई के दौरान 41 पन्नों का एफिडेविटदाखिल किया था। इसमें कोर्ट को एक्सपर्ट कमेटी की सिफारिशों की जानकारी दी गई थी। साथ ही कोर्ट से रिपोर्ट पर उचित आदेश देने का आग्रह भी किया था। इससे पहले 15 मई को कोर्ट में मामले की सुनवाई हुई थी। तब सेबी ने अडाणी-हिंडनबर्ग मामले में अपनी जांच पूरी करने के लिए 6 महीने का अतिरिक्त समय मांगा था। हालांकि, याचिकाकर्ताओं का कहना था कि सेबी 2016 से ही अडाणी ग्रुप की जांच कर रहा है, ऐसे में सेबी को और समय देना सही नहीं है। वहीं, सेबी ने सुप्रीम कोर्ट में एक एफिडेविट में बताया कि वो 2016 से अडाणी ग्रुप की कंपनियों की कोई जांच नहीं कर रही है और ऐसे सभी दावे तथ्यात्मक रूप से निराधार (फैक्चुअली बेसलेस) हैं। हालांकि सरकार ने 2021 में लोकसभा में कहा था कि सरकार अडाणी ग्रुप की जांच कर रही है। सेबी ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल करते हुए कहा कि वो अडाणी ग्रुप के खिलाफ 2016 से कोई जांच नहीं कर रही है। ऐसे में उसे जांच के लिए और समय चाहिए। इसके बाद कांग्रेस के महासचिव और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने ट्वीट किया। इस ट्वीट में उन्होंने कहा कि वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने 19 जुलाई 2021 को लोकसभा में कहा था कि सेबी अडाणी ग्रुप के खिलाफ जांच कर रही है। लेकिन अब सेबी कह रही है कि वो अडाणी ग्रुप के खिलाफ कोई जांच नहीं कर रही। उन्होंने सवाल किया कि क्या ज्यादा खराब बात है, संसद को गुमराह करना या फिर उस वक्त सोए रहना जब लाखों निवेशकों के साथ ठगी की गई क्या ऊपर से कोई रोक रहा था 'जयराम रमेश ने वित्त राज्यमंत्री द्वारा संसद में दिए गए लिखित जवाब को भी अपने ट्वीट में अटैच किया है, जो वित्त राज्यमंत्री ने टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के सवाल के जवाब में दिया था।

2 करोड़ से ज्यादा लोगों ने फाइल किया आईटीआर : 31 जुलाई तक दाखिल करना है इनकम टैक्स रिटर्न, नहीं तो देना होगा जुर्माना

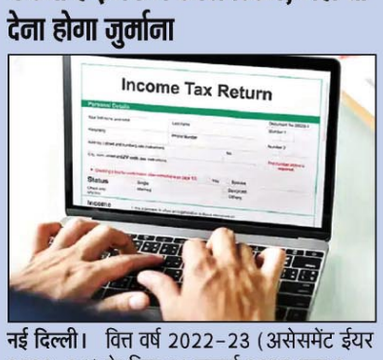

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2022-23 (असेसमेंट ईयर 2023-24) के लिए 11 जुलाई 2023 तक 2 करोड़ से ज्यादा इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल हो चुके हैं। इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई, 2023 है। ऐसे में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने लोगों से जल्द से जल्द इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने को कहा है। 31 जुलाई के बाद आईटीआर भरने पर लेट फीस (जुर्माना) देनी होगी। करदाताओं को इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने के दो ऑप्शन मिलते हैं। 1 अप्रैल, 2023 से नए स्लैब का ऑप्शन दिया गया था। नए टैक्स स्लैब में 5 लाख रुपए से ज्यादा आय पर टैक्स की दरें तो कम रखी गईं, लेकिन डिडक्शन छीन लिए गए। वहीं अगर आप पुराना टैक्स स्लैब चुनते हैं तो आप कई तरह के टैक्स डिडक्शन का फायदा ले सकते हैं। चार्टर्ड अकाउंटेंट बताते हैं कि 31 जुलाई के बाद आईटीआर फाइल करने वाले टैक्सपेयर्स को लेट फीस देनी होगी। अगर किसी इंडिविजुअल टैक्सपेयर की सालाना आय 5 लाख रुपए से ज्यादा है, तब उसे 5000 रुपए की लेट फीस देनी होगी।

रुपया 21 पैसे बढ़कर 82.38 डॉलर पर

मुंबई । घरेलू शेयर बाजारों में तेजी के रुख तथा विदेशी कोषों के सतत प्रवाह से मंगलवार को रुपया मजबूती के

रुख के साथ खुला। फॉरेक्स डीलरों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में तेजी की वजह से रुपए का लाभ सिमट गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.42 के भाव पर खुलने के बाद 82.38 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। यह इसके पिछले बंद भाव की तुलना में 21 पैसे की बढ़त है। सोमवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 82.59 के भाव पर बंद हुआ था। दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति का आकलन करने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 प्रतिशत के नुकसान के साथ 101.81 पर आ गया। वैश्विक मानक ब्रेंट कच्चा तेल वायदा 0.54 प्रतिशत बढ़कर 78.11 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

टाटा ग्रुप अगस्त में पूरा कर लेगा विस्ट्रॉन-प्लांट का अधिग्रहण

टेकओवर के बाद आईफोन बनाने वाली पहली भारतीय कंपनी बन जाएगी टाटा

नई दिल्ली ।
टाटा ग्रुप जल्द ही विस्ट्रॉन के बेंगलुरु (कर्नाटक) बेस्ड आईफोन प्लांट का टेकओवर पूरा कर लेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, टाटा ग्रुप एपल की सप्लायर विस्ट्रॉन की फैक्टरी के अधिग्रहण के लिए डील फाइनल करने के कगार पर है। इस डील पर अगस्त 2023 की शुरुआत में मुहर लग सकती है। टाटा ग्रुप के टेकओवर के बाद भारत को एपल प्रोडक्ट्स के लिए अपनी पहली डोमेस्टिक यानी स्वदेशी प्रोडक्शन लाइन मिल जाएगी।

विस्ट्रॉन की फैक्टरी की वैल्यू 600 मिलियन डॉलर

रिपोर्ट के अनुसार, विस्ट्रॉन की फैक्टरी की वैल्यू 600 मिलियन डॉलर यानी 4,946 करोड़ रुपए से ज्यादा है। टाटा ग्रुप और विस्ट्रॉन के बीच इस डील के लिए पिछले एक साल से बातचीत चल रही है। विस्ट्रॉन का यह प्लांट आईफोन-14 मॉडल के प्रोडक्शन के लिए जाना जाता है। वर्तमान में इस प्लांट में 10,000 से ज्यादा वर्कर्स काम करते हैं।

विस्ट्रॉन ने 2008 में इंडियन मार्केट में एंट्री की थी, तब कंपनी कई डिवाइसेस के लिए रिपेयर फैसिलिटी प्रोवाइड कराती थी। इसके बाद 2017 में कंपनी ने अपने ऑपरेशंस को एक्सपेंड किया और एपल के लिए आईफोन का प्रोडक्शन शुरू किया था।

विस्ट्रॉन के कमिटमेंट्स को पूरा करेगा टाटा ग्रुप

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि विस्ट्रॉन ने एपल को मार्च 2024 तक 1.8 बिलियन डॉलर की वैल्यू के आईफोन भेजने का वादा किया है। इसके अलावा आईफोन मैन्युफैक्चरर ने अगले साल तक अपने प्लांट की वर्कफोर्स को तीन गुना करने का कमिटमेंट भी किया था। बताया जा रहा है कि प्लांट का टेकओवर पूरा करने के बाद अब टाटा ग्रुप विस्ट्रॉन के इन कमिटमेंट्स को पूरा करेगा।

टाटा ग्रुप को इस वजह से फैक्ट्री बेच रही विस्ट्रॉन

रिपोर्ट्स के मुताबिक, एपल की शर्तों के तहत प्रॉफिट हासिल करने में चुनौतियों के कारण विस्ट्रॉन ने भारत में अपनी आईफोन असेंबली फैक्ट्री बेचने का यह फैसला किया। कंपनी को भारत में केवल आईफोन असेंबली प्रोवाइडर के रूप में मुनाफा कमाने के लिए बहुत ज्यादा स्ट्रगल करना पड़ रहा था। जिसके कारण कंपनी को वियतनाम और मैक्सिको जैसे देशों में अपने मैन्युफैक्चरिंग ऑपरेशंस पर फोकस करने का फैसला लेना पड़ा।

अपने रिस्ट्रक्चरिंग प्रयासों के तहत विस्ट्रॉन बेंगलुरु के पास कोलार में स्थित अपनी आईफोन असेंबली फैसिलिटी टाटा ग्रुप को बेच रही है। टाटा को विस्ट्रॉन फैक्ट्री में आईफोन के प्रोडक्शन की मौजूदा कैपेसिटी में सुधार की उम्मीद है। यह कदम कंपनी ने अपने कोर ऑपरेशंस पर फोकस करने और भारत में आईफोन असेंबली बिजनेस को बंद करने के लिए उठाया है।

टाटा ग्रुप प्लांट में आईफोन-15 बनाएगा

बताया जा रहा है कि अधिग्रहण के बाद भारतीय ग्रुप प्लांट में अपकमिंग आईफोन-15 मॉडल बनाना शुरू कर सकता है। वर्तमान में विस्ट्रॉन का भारतीय प्लांट अपनी 8 प्रोडक्शन लाइनों में आईफोन-12 और आईफोन-14 की मैन्युफैक्चरिंग कर रहा है। टाटा के अधिग्रहण के बाद विस्ट्रॉन पूरी तरह से भारतीय मार्केट से बाहर हो जाएगा, क्योंकि यह भारत में एपल प्रोडक्ट्स का प्रोडक्शन करने वाला कंपनी का एकमात्र प्लांट है।

इस अधिग्रहण को एक इंपॉर्टेंट डेवलपमेंट के रूप में देखा जा रहा है, खासकर ऐसे समय में जब एपल मैन्युफैक्चरिंग के लिए भारत पर नजर बनाए हुए है। क्योंकि, एपल अपनी मैन्युफैक्चरिंग चीन से शिफ्ट करना चाहती है।

तीन ताइवानी फर्मों में से सिर्फ विस्ट्रॉन भारत छोड़ रही है

पिछले साल कैलिफोर्निया बेस्ड कंपनी क्यूपर्टिनो ने चीन और अमरीका के बीच विवाद के कारण अपने ग्लोबल प्रोडक्शन का लगभग 25प्रतिशत भारत में शिफ्ट करने के प्लान की अनाउंसमेंट की थी। एपल प्रोडक्ट्स को असेंबल करने वाली तीन ताइवानी फर्मों में से सिर्फ विस्ट्रॉन भारत छोड़ रही है। जबकि, फॉक्सकॉन और पेगाट्रॉन ने भारत में अपनी प्रोडक्शन लाइनें बढ़ा दी हैं।

पेगाट्रॉन की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स का अधिग्रहण भी कर सकती है टाटा

टाटा ने एपल के साथ अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिए कई अन्य कदम भी उठाए हैं। जिसमें तमिलनाडु प्लांट में ज्यादा हायरिंग करना शामिल है, जहां आईफोन कंपोनेंट्स बनाए जाते हैं। ऐसी भी अटकलें हैं कि टाटा ग्रुप आईफोन के लिए पेगाट्रॉन की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स का अधिग्रहण भी कर सकता है।

अमेरिका की 100 सबसे धनी सेल्फ-मेड महिलाओं में चार भारतवंशी

इनकी कुल संपत्ति 36 हजार करोड़ रुपए, लिस्ट में अमेरिकी की डायने हेंड्रिक्स टॉप पर

न्यूयॉर्क।
अमेरिका की 100 सबसे अमीर सेल्फ मेड महिलाओं की लिस्ट में चार भारतवंशियों महिलाओं ने भी जगह बनाई है। भारतीय मूल की इन चारों महिलाओं की संपत्ति सामूहिक रूप से 36 हजार करोड़ रुपए है। बीते साल इनकी संपत्ति करीब 34 हजार करोड़ रुपए थी।

इसमें करीब 6प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है। फोर्ब्स की इस लिस्ट में एरिस्टा नेटवर्क्स की सीईओ जयश्री उल्लाल, सिंटेल की सीईओ नीरजा सेठी, कॉन्फ्लुएंट की सीईओ नेहा नरखेड़े व पेप्सिको की पूर्व सीईओ इंद्रा नूयी हैं। वहीं इस लिस्ट में टॉप पर अमेरिकी की डायने हेंड्रिक्स हैं। इनकी नेटवर्थ 12.3 लाख करोड़ रुपए (15 बिलियन डॉलर) है।

जयश्री उल्लाल: जीरो रेवेन्यू वाली कंपनी को 4 लाख करोड़ का बनाया - 2008 में उल्लाल एरिस्टा नेटवर्क्स से जुड़ीं, तब रेवेन्यू नहीं था और 50 कर्मचारी थे। 2014 में वे कंपनी का आईपीओ लेकर आईं, जो ऐतिहासिक रहा। आज कंपनी 4 लाख करोड़ की है। उल्लाल का जन्म लंदन में, पालन-पोषण दिल्ली में हुआ। उन्होंने इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट की पढ़ाई अमेरिकी यूनिवर्सिटी से ही की।

नीरजा सेठी : डीयू की छात्रा ने अमेरिका के फ्लैट में शुरू की थी कंपनी - सिंटेल की शुरुआत नीरजा ने पति भरत देसाई के साथ की थी। सिर्फ 2000 डॉलर में एक फ्लैट से शुरू हुई यह आईटी स्टाफिंग कंपनी जल्द ही आईटी एप्लिकेशन सर्विस फर्म बन गई। 2018 में फ्रांस की आईटी फर्म एटोस एसई ने इसे 28,000 करोड़ रु. में खरीदा था, इससे उन्हें 4212 करोड़ रु. मिले थे। नीरजा डीयू की छात्रा रह चुकी हैं।

नेहा नरखेड़े : लिंक्डइन-ओरेकल में काम किया, अब खुद की कंपनी - सॉफ्टवेयर इंजीनियर से उद्यमी बनीं 38 साल की नेहा की शुरुआती पढ़ाई पुणे में हुई थी। ओरेकल और लिंक्डइन से अनुभव लेकर सॉफ्टवेयर कंपनी कॉन्फ्लूएंट शुरू की। हाल ही में उन्होंने दो करोड़ डॉलर की फंडिंग के साथ फ्रॉड डिटेक्शन कंपनी ऑस्सिलर की नींव रखी है। नेहा टेक्निकल विषयों पर किताबें भी लिखती हैं।

इंद्रा नूयी : मास्टर्स की फीस जुटाने के लिए रिसेप्शनिस्ट रहीं - 50 सबसे बड़ी अमेरिकी कंपनियों में शामिल पेप्सिको के साथ 24 साल रहीं। इंद्रा इस पद पर पहली गैर श्वेत व अप्रवासी महिला हैं। कोलकाता से डिप्लोमा करने के बाद नौकरी की। मास्टर्स करने येल यूनिवर्सिटी पहुंचीं। फीस जुटाने के लिए रिसेप्शनिस्ट का काम करती थीं। उन्होंने ऑटोबायोग्राफी 'माई लाइफ इन फुल' भी लिखी है।

ट्विटर को टक्कर नहीं दे पाएगा मेटा का थ्रेड्स ऐप, एक्सपर्टस व्यू

नई दिल्ली ।
एक्सपर्टस बताते हैं कि थ्रेड्स ऐप लाख कोशिश कर लें लेकिन वह ट्विटर को टक्कर नहीं दे पाएगा। हालांकि एक जुलाई, 2023 को ट्वीट की संख्या सीमित करने का कदम पिछले साल एलोन मस्क द्वारा उठाया गया था। उस समय ट्विटर का अधिग्रहण करने के बाद से लाखों उपयोगकर्ताओं को वैकल्पिक माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफार्म की तरफ जाने के लिए प्रेरित करने वाले निर्णयों की श्रृंखला में नवीनतम है। मास्टोडॉन पर संख्या में वृद्धि के अलावा, अधिग्रहण और उसके बाद के बदलावों ने हाइव सोशल जैसे छोटे मौजूदा प्लेटफार्मों को बढ़ावा दिया और स्पाउटिबल और स्पिल जैसे नए अपस्टार्ट को जन्म दिया। हाल ही में ट्विटर के संस्थापक जैक डोर्सी द्वारा समर्थित माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म, ब्लूस्काय में ट्विटर की दर सीमा के बाद के दिनों में साइन-अप में वृद्धि देखी गई, और मेटा ने 5 जुलाई को अपना माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफ़ॉर्म थ्रेड्स लॉन्च किया। थ्रेड्स ने अपने पहले दिन तीन करोड़ उपयोगकर्ताओं का दावा किया। यहां तक कि टिकटॉक जैसे सोशल मीडिया के बहुत अलग रूप भी इससे लाभान्वित हो रहे हैं जिसे कई लोग ट्विटर के रूप में देखते हैं।

लेकिन फिर भी यह ट्विटर के मुकाबले उतना नहीं है। क्योंकि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हमेशा के लिए नहीं होते। उम्र और ऑनलाइन आदतों के आधार पर प्लेटफ़ॉर्म का यूज होता है, भले ही वह किसी न किसी रूप में अभी भी मौजूद हो। माइस्पेस, लाइवजर्नल, गूगल प्लस और वाइन के बारे में सोचें। जब सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म गिरते हैं, तो कभी-कभी जिन ऑनलाइन समुदायों ने वहां अपना घर बनाया था, वे खत्म हो जाते हैं, और कभी-कभी वे अपना बैग पैक करते हैं और एक नए घर में स्थानांतरित हो जाते हैं। ट्विटर पर उथल-पुथल के कारण कंपनी के कई उपयोगकर्ता इस प्लेटफॉर्म को छोड़ने पर विचार कर रहे हैं। लेकिन अधिकतर लोग ट्विटर को ही बेहतर बता रहे हैं।

सोना बेचने से हुई कमाई पर भी लगता है टैक्स: निवेश की अवधि के हिसाब से टैक्स कैलकुलेशन

नई दिल्ली।
वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 31 जुलाई तक इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करना है। आईटीआर फाइल करते समय सभी इनकम और केपिटल गेन्स की सही जानकारी देना जरूरी होता है। जब आप सोना बेचते हैं तो आपको इससे होने वाले कैपिटल गेन पर टैक्स देना होता है। अगर आप टैक्स नहीं चुकाते हैं तो ये टैक्स चोरी मानी जाएगी। ऐसे में इनकम टैक्स आपको नोटिस जारी कर सकता है। किस तरह के गोल्ड से होने वाले कैपिटल गेन पर कितना टैक्स लगेंगे।

फिजिकल गोल्ड - फिजिकल गोल्ड में जूलरी और सिक्कों के साथ अन्य सोने की चीजें शामिल होती हैं। अगर आपने सोना 3 साल के अंदर बेचा है तो इसे शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन माना जाता है। इस बिक्री से होने वाले फायदे पर आपके इनकम टैक्स स्लैब के हिसाब से टैक्स लगता है। वहीं अगर सोने को 3 साल के बाद बेचा है तो इसे लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन माना जाता है। इस पर 20.8प्रतिशत टैक्स देना होता है।

गोल्ड म्यूचुअल फंड या गोल्ड ईटीएफ - गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड म्यूचुअल फंड्स से मिलने वाले लाभ पर (3 साल से कम होल्डिंग पर) आपको शॉर्ट टर्म गेन के हिसाब से पैसा देना होगा। यानी इससे होने वाले फायदे या कैपिटल गेन पर आपको आपने इनकम टैक्स स्लैब के हिसाब से टैक्स चुकाना होगा। गोल्ड म्यूचुअल फंड या गोल्ड ईटीएफ को 3 साल के बाद बेचने पर इस पर भी लॉन्ग टर्म टैक्स ही देना होगा।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड - बॉन्ड का मेच्योरिटी पीरियड 8 साल का है, लेकिन इससे पहले इससे बाहर निकलते हैं तो फिजिकल गोल्ड या गोल्ड म्यूचुअल फंड या गोल्ड ईटीएफ पर लगने वाले कैपिटल गेन टैक्स लगेंगे।

इसके अलावा गोल्ड बॉन्ड 2.50प्रतिशत की दर से ब्याज का भुगतान करते हैं और यह ब्याज आपके टैक्स स्लैब के अनुसार पूरी तरह से टैक्सेबल है। वहीं 8 साल पूरे होने पर इससे होने वाला कैपिटल गेन पूरी तरह टैक्स फ्री रहता है।

कैपिटल गेन क्या है - मान लीजिए आपने कुछ साल पहले किसी प्रॉपर्टी या सोने में 1 लाख रुपए निवेश किया था। जो अब बढ़कर 2 लाख हो गया है तो इसमें 1 लाख रुपए को कैपिटल गेन यानी प्रॉफिट माना जाएगा। इस पर ही आपसे टैक्स लिया जाएगा।

बांग्लादेश के मशहूर कपड़ा उद्योग के सामने है अब जीवन-मरण का सवाल

ढाका ।
बांग्लादेश के मशहूर कपड़ा और वस्त्र उद्योग को अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। यह उद्योग मुख्य रूप से निर्यात पर आधारित है, लेकिन इसे विदेश से मिलने वाले ऑर्डर में गुजरे महीनों के दौरान भारी गिरावट आई है। इस बीच ऊर्जा की महंगाई और बढ़ी ब्याज दर के कारण कर्ज के बढ़े बोझ से भी इस उद्योग की कमर टूट गई है। खबरों के मुताबिक घाटा होने की गहराती आशंका के बीच कई कपड़ा मिल मालिक अपने कारखाने को लीज पर दे देने पर विचार कर रहे हैं।

कारोबार से जुड़े लोगों के मुताबिक सबसे बड़ी समस्या यह सामने आई है कि पश्चिमी देशों से मांग लगातार घट रही है। ऐसे में कारखानों में पहले जितना उत्पादन जारी रखना मुश्किल होता जा रहा है। इसीलिए मिल मालिक ऐसे लोगों की तलाश में हैं, जो उनके कारखानों को खरीद सकें। मसलन, सावर स्थित रोज गार्डेन कारखाने के मालिक महफुजुर रहमान पिछले कई महीनों से कारखाने के खरीदार की तलाश में हैं। इस बीच वे अपने कारखाने की कीमत एक चौथाई तक घटा चुके हैं। उधर नारायणगंज में 12 मंजिली इमारत में चलने वाले एक मिल के मालिक ने कारखाना बेचने का विज्ञापन दिया है।

बांग्लादेश के एक रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश के राष्ट्रीय अखबारों में आजकल ऐसे इश्तहार रोजमर्रा के स्तर पर देखने को मिल रहे हैं। खरीदारों की तलाश में जुटे मिल मालिकों की संख्या दर्जनों में पहुंच चुकी है। बिक्री ना होने की स्थिति में वे कारखाने को लीज पर देने के इश्तहार भी छपवा रहे हैं। दूसरी तरफ कई कारखाने बंद हो चुके हैं और उनमें काम करने वाले कर्मचारी बेरोजगार हो चुके हैं। मशहूर डायर्ड ग्रुप अपने तीन कारखानों को बंद कर चुका है। इस कंपनी को दुनिया भर से कपड़ा, परिधान, इंजीनियरिंग उत्पाद, सॉफ्टवेयर और कृषि उत्पादों के लिए ऑर्डर मिलते थे। लेकिन इस कंपनी समूह ने पिछले महीने अपने तीन कारखाने बंद किए, जहां आठ हजार कर्मचारियों की नौकरी चली गई। उद्योग संगठनों का कहना है कि उनके पास बंद हो चुके या बिक्री की कोशिश में लगे कारखानों की सही संख्या उपलब्ध नहीं है। लेकिन बांग्लादेश निटवियर मैनुफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष फजलुल हक ने कहा- 'अनेक फैक्टरी मालिक अपने कारखाने बेचना या किराए पर देना चाहते हैं। लेकिन कोई खरीदार मिल नहीं रहा है। कारण यह है कि कारोबारी चाहे छोटा हो या बड़ा, उसे अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।' पैसिफिक जींस ग्रुप नाम की कंपनी के प्रबंध निदेशक सईद एम तनवीर के मुताबिक उन्हें रोज ऐसे कई मिल मालिकों के कई फोन आते हैं, जो अपने कारखाने को बेचने की कोशिश में जुटे हुए हैं। तनवीर ने कहा- 'कारखानों को किराए पर देना अक्सर उसे बंद करने की दिशा में पहला कदम होता है। जो कारखाने एक्सपोर्ट प्रोमोशन जोन में हैं, उन्हें भी अपना उत्पादन घटाना पड़ा है। ये कारखाने मजदूरों की छंटनी कर रहे हैं। बहुत खतरनाक स्थिति हमारे सामने आ गई है।

ड्रग्स की मदहोशी को बयान करती एलएसडी-2 अगले साल होगी रिलीज

मुंबई (ईएमएस) । एकता कपूर की फिल्म एलएसडी-2 अगले साल रिलीज होगी। गौरतलब है कि एकता ने इस फिल्म में ड्रग्स केपेन को बखूबी उजागर किया है। बता दें कि एकता ने छोटे पर्दे के साथ ही बड़े पर्दे पर भी बतौर निमार्ता खुद को साबित किया है। उनके टीवी सीरियल्स हों या फिर फिल्में, दर्शकों ने हमेशा उनके प्रोडक्शन में बनी फिल्मो को पसंद किया है। 2010 में एलएसडी रिलीज हुई, जिसकी प्रोड्यूसर एकता कपूर ही थीं। अब बालाजी टेलीफिल्म्सम ने फिल्म के दूसरे पार्ट की घोषणा कर दी है। एलएसडी2 की रिलीज डेट आउट हो चुकी है। एकता कपूर ने एलएसडी 2 का पोस्टर शेयर किया, जिसमें एक शख्स ड्रग्स लेते देखा जा सकता है। यह फिल्म बिना किसी शक एक यूनिवर्सल अपील है, जो हर पीढ़ी को एक्साइट करती है। फिल्म का कंटेंट कुछ इस तरह का है कि यह जेनरेशन जेड को भी अपनी ओर आकर्षित करती है। एकता कपूर के एलान के मुताबिक, फिल्म 16 फरवरी, 2024 को रिलीज होगी। एक कपूर की पहली फिल्म फैंस को काफी पसंद आई थी। दिलचस्प होगा कि क्या दूसरा पार्ट भी दर्शकों को लुभा पाता है या नहीं। पहले पार्ट में राजकुमार राव, नुरसत भरूचा, नेहा चौहान और अनशुमान झा लीड रोल में थे। फिल्म की कहानी कैमरे में कैद हुई ऑनर किलिंग की घटना, एमएमएस स्कैंडल और कास्टिंग काउच विक्टिम पर आधारित थी। दिबाकर बनर्जी के निर्देशन में बनी एलएसडी 2 की रिलीज डेट 16 फरवरी, 2024 है। इसी दिन अक्षय कुमार की अनटाइटल्ड फिल्म भी रिलीज होगी।

सालार को लेकर फैन्स की एक्साइटमेंट कई गुणा बढ़ा

-होम्बले फिल्म्स ने ट्रेलर रिलीज का किया ऐलान

मुंबई (ईएमएस)। अपकमिंग फिल्म सालारः पार्ट 1 सीजफायर के धमाकेदार टीजर लॉन्च के बाद से ही फिल्म को लेकर फैन्स की एक्साइटमेंट कई गुना बढ गया है। हाल में निमार्ताओं ने इस मैग्नम ओपस के ट्रेलर लॉन्च से जुड़ी एक आधिकारिक घोषणा की, जो दर्शकों और लाखों प्रभास फैन्स के लिए एक बड़े सरप्राइज के तौर पर सामने आया है।

सालार पार्ट 1ः सीजफायर पहली बार फेमस निर्देशक प्रशांत नील और सुपरस्टार प्रभास की ड्रीम टीम को एक साथ लाती है। इस मेगा प्रोजेक्ट का निर्माण सफल केजीएफ फ्रेंचाइजी के निमार्ता होम्बले फिल्म्स के विजय किरागांदुर द्वारा किया गया है, और इसमें केजीएफ सीरीज की तकनीकी टीम भी शामिल है। रामोजी फिल्म सिटी और उसके आसपास 14 विशाल सेटों के निर्माण के साथ, यह फिल्म ऐसी भव्यता पेश करने का वादा करती है जो बड़े पर्दे पर पहले कभी नहीं देखी गई है। होम्बले फिल्म्स ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर फिल्म के ट्रेलर लॉन्च से जुड़ी एक बड़ी घोषणा की है, आभार से अभिभूत! भारतीय सिनेमा की ताकत के प्रतीक सालार क्रांति का अभिन्न अंग बनने के लिए हम आपमें से हर एक से मिले भरपूर प्यार और साथ के लिए बेहद आभारी हैं। भारतीय फिल्म सालार के टीजर को 100 मिलियन व्यूज को पार करने के लिए हमारे कमाल के प्रशंसकों और दर्शकों के लिए जोरदार तालियां! आपका अटूट साथ हमारे जुनून को बढ़ाता है और हमें सचमुच कुछ अलग करने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने आगे लिखा, अपने कैलेंडर में अगस्त एंड को मार्क कर लें, क्योंकि हम बहुप्रतीक्षित ट्रेलर जारी करने की तैयारी कर रहे हैं जो भारतीय सिनेमा की भव्यता को प्रदर्शित करेगा।

होम्बले फिल्म्स की सालारः पार्ट 1 सीजफायर में प्रभास, पृथ्वीराज सुकुमारन, श्रुति हासन और जगपति बाबू सहित कई शानदार कलाकारों की टुकड़ी शामिल हैं। प्रशांत नील द्वारा निर्देशित ये फिल्म 28 सितंबर, 2023 को तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, तमिल और हिंदी सहित 5 भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

सालारः पार्ट 1 सीजफायर अब तक बनी सबसे बड़ी भारतीय फिल्मों में से एक है, जो बाहुबली और केजीएफ सीरीज जैसी पॉपुलर ब्लॉकबस्टर फिल्मों के बराबर है। माना जा रहा है कि निमार्ताओं ने एक और जबरदस्त फिल्म बनाने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी है और जिसमें हाई-एंड वीएफएक्स और ब्रेथटेकिंग एक्शन सीक्वेंसेज देने के लिए उन्होंने विदेशी स्टूडियो और कुशल स्टंटमैन की टीम को भी शामिल किया है। इस फिल्म के टीजर रिलीज ने प्रशंसकों के बीच उत्साह और प्रत्याशा की लहर जगाई है, जो सालार के विशाल यूनिवर्स को एक्सप्लोर करने के मौके का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। तो एक शानदार सिनेमाई सफर पर जाने के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि प्रभास, पृथ्वीराज, श्रुति हासन, ईश्वरी राव, जगपति बाबू, श्रिया रेड्डी समेत कुछ और एक्टर बड़े पर्दे पर अपने किरदारों में जान फूंकते नजर आएंगे। बता दें कि इस फिल्म को प्रशांत लीन ने निर्देशित किया हैं और टीजर में डालिंग प्रभास के मैसी स्टाइल ने सिनेलवर्स को उत्साहित करने में कोई कसर बाकी नही छोड़ी है। इसके चलते हर तरफ चर्चा और प्रत्याशा जोरों पर है।

विक्की कौशल -तृप्ति स्टारर मूवी को लेकर आया बड़ा अपडेट

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड अभिनेता विक्की कौशल की हालिया रिलीज जरा हटके जरा बचके ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल कर दिया। सारा अली खान के साथ पर्दे पर उनकी जोड़ी को काफी पसंद किया गया था। अब विक्की एक और फिल्म के साथ पर्दे पर धमाल मचाने वाले हैं। विक्की कौशल अपनी अपकमिंग फिल्म में कला अभिनेत्री तृप्ति डिमरी के साथ नजर आएंगे। करण जौहर की निर्मित फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। मेकर्स ने बताया कि विक्की-तृप्ति स्टारर अपकमिंग मूवी 23 फरवरी 2024 को थिएटर्स में दस्तक देगी। तृप्ति ने फिल्म के रिलीज डेट की अनाउंसमेंट करते हुए अपनी एक्साइटमेंट शेयर की है। उन्होंने पोस्ट शेयर कर कैप्शन में लिखा, यह फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब है। इतने अच्छे लोगों के साथ काम करने के अनुभव और प्यार से बेहतर और कुछ नहीं हो सकता है। जुनून.. खुशी...हंसी और बहुत सारी भावनाएं 23 फरवरी 2024 को हमारे साथ हैं। अमेजन प्राइम और धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही फिल्म में विक्की कौशल के साथ तृप्ति डिमरी और पंजाबी अभिनेता एमी विर्क भी लीड रोल में दिखाई देने वाले हैं। इसका निर्देशन आनंद तिवारी कर रहे हैं। विक्की और तृप्ति पहली बार साथ में स्क्रीन शेयर करने वाले हैं। फिलहाल, अभी फिल्म के टाइटल की घोषणा नहीं हुई है। तृप्ति डिमरी को आखिरी बार नेटफ्लिक्स फिल्म कला में देखा गया था, जिसका निर्माण अनुष्का शर्मा और उनके भाई कर्णेश शर्मा ने किया था। फिल्म में तृप्ति की अदाकारी ने व्यूअर्स का दिल जीत लिया था। वह बुलबुल और लैला-मजनू जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं।

अस्पताल से डिस्चार्ज हुई दीपिका कक्कड़

टीवी एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ ने 21 जून को एक प्यारे से बेटे को जन्म दिया लेकिन प्रीमैच्योर बेबी होने की वजह से उनके बेटा अब तक एनआईसीयू में रखा गया था। वहीं आज एक्ट्रेस को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। हाल ही में दीपिका और उनके पति शोएब इब्राहिम को अस्पताल से अपने बेटे के साथ निकलते हुए दिखा गया है, जिसका वीडियो भी सामने आया है। दीपिका कक्कड़ और शोएब इब्राहिम अपने पहले बच्चे को जन्म के बाद घर ले जाने के लिए बेताब थे लेकिन प्रीमैच्योर होने की वजह से उन्हें इंतजार करना पड़ा था। वहीं कुछ दिन पहले ही दीपिका के बेटे को जनरल वॉर्ड में शिफ्ट किया गया। जिसके बाद आज एक्ट्रेस को अस्पताल से डिस्चार्ज भी कर दिया गया है। इससे पहले शोएब ने भी अपने ब्लॉग में बताया था कि उनका नन्हा सा शहजादा जल्द ही घर आने वाला है।

इटली में बच्चों संग छुट्टियां बिता रहे करीना-सैफ, शेयर की तस्वीरें

मुंबई (ईएमएस)। करीना कपूर खान और सैफ अली खान इन दिनों इटली की सैर पर हैं। वह अपने दोनों बेटों तैमूर और जेह के साथ इटली में समर वेकेशन बिता रहे हैं। अपने सोशल एकाउंट पर उन्होंने वहां की कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। गौरतलब है कि करीना इंस्टाग्राम पर अपने परिवार और दोस्तों के साथ छुट्टियों की तस्वीरें शेयर करती रही हैं। तस्वीरों में करीना को स्काई ब्लू स्ट्रिप शर्ट, खुले बाल और ओवरसाइज्ड सनग्लासेस पहने हुए देखा जा सकता हैं। वहीं इसके बैकग्राउंड में समुद्र नजर आ रहा है। एक अन्य तस्वीर में, करीना येलो कलर का फ्लोरल को-ऑर्ड सेट पहने नजर आ रही हैं, जबकि सैफ नेवी ब्लू शर्ट, डेनिम और ब्लेजर में दिख रहे हैं। लवबर्ड्स को अपने दोस्तों के साथ खाने-पीने का लुत्फ उठाते देखा जा सकता है। करीना ने फोटो को कैप्शन दिया- नेग्रोनी नाइट्स, बैकग्राउंड में एक सुंदर झील का व्यू नजर आ रहा है। वहीं एक फोटो में करीना सफेद शर्ट, नियॉन रंग की बिकिनी पहने हुए हैं, जिसमें जेह की प्यारी झलक भी दिख रही है। उधर क्लिक में बैकग्राउंड में सैफ भी है। करीना ने हाल ही में अपनी एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह पीले रंग का को-ऑर्ड सेट पहने हुए देखी जा सकती हैं, उनकी पीठ कैमरे की ओर है और वह अपने आस-पास की सुंदरता को निहार रही हैं। तस्वीर को इंद्रधनुष इमोजी के साथ कैप्शन दिया गया है और लिखा- स्टेट ऑफ माइंड.. सोमवार को जब वी मेट की एक्ट्रेस ने सैफ के साथ तस्वीरें शेयर की थीं, जिसमें वे लंच करते नजर आ रहे है। करीना ने ब्लू शर्ट और रेड बिकिनी पहनी है, जबकि सैफ ने ब्लू शर्ट और टोपी पहनी हुई है।

फिल्म ट्रायल पीरियड का ट्रेलर जारी

फिल्म ट्रायल पीरियड के निमार्ताओं ने ट्रेलर जारी किया। इस फिल्म में जेनेलिया देशमुख और मानव कौल ने प्रमुख भूमिका निभाई है।अलेया सेन द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म में लीड रोल में जेनेलिया, मानव, शक्ति कपूर, शीबा चड्ढा, गजराज राव और जिदान ब्रेज जैसे शानदार कलाकार हैं।ज्योति देशपांडे द्वारा प्रोड्यूस, जियो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत, क्रोम पिक्चर्स प्रोडक्शन, हेमंत भंडारी, अमित रविंदरनाथ शर्मा और अलेया सेन द्वारा निर्मित यह फिल्म 21 जुलाई को जियोसिनेमा पर रिलीज होगी। फिल्म में जेनेलिया सिंगल मदर का रोल निभा रही हैं। उसका बेटा 30 दिनों की ट्रायल पीरियड पर नए पापा की डिमांड करता है। बच्चे की जिद के आगे जेनेलिया उज्जैन से एक अनुशासित प्रजापति द्विवेदी को नए पापा के जॉब पर घर लाती है, जिसे प्यार से पीडी कहते है। नए पापा का किरदार मानव ने निभाया है, जो मां और बेटे की उम्मीदों के बिल्कुल विपरीत है। आगे जो कुछ है, वह प्यार और दोस्ती की एक प्यार कहानी है।

म्यूजिक के साथ एक्सपेरिमेंट करना चाहते थे हार्डी संधू

म्यूजिक सेंसेशन हार्डी संधू ने कहा कि वह अपने लेटेस्ट एक्सटेंडेड प्ले (ईपी)- जिसका टाइटल प्लेजर्स है, के साथ खुद को क्रिएटिव तौर पर चैलेंज करना और म्यूजिक के साथ एक्सपेरिमेंट करना चाहते थे। एल्बम में डांस, पॉप, रोमांस और हार्टब्रेक ट्रैक सहित अलग-अलग शैलियां शामिल हैं। वार्नर म्यूजिक इंडिया और हार्डी, जिन्होंने इस ईपी पर कॉलैबोरेट किया है, ने पांच शानदार गाने पेश किए हैं जो स्टोरी टेलिंग के स्टाइल को प्रदर्शित करते हैं। ईपी का पहला ट्रैक साइको है। ईपी लॉन्च के बारे में अपना उत्साह व्यक्त करते हुए, हार्डी ने कहा, मेरा मानना है कि एक आर्टिस्ट के तौर पर लगातार आगे बढ़ते रहना और नए टेरिटरी को एक्सप्लोर करना बहुत महत्वपूर्ण है, और अपने पूरे करियर के दौरान, मैंने भी ऐसा ही करने का प्रयास किया है। प्लेजर्स के साथ, मैं क्रिएटिव तौर से खुद को चैलेंज करना चाहता हूं, म्यूजिक के साथ एक्सपेरिमेंट करना चाहता हूं। ईपी का हर एक गाना एक कलाकार के रूप में मेरे ग्रोथ के यूनिक चैप्टर का प्रतिनिधित्व करता है।

अक्षय कुमार की बहुचर्चित 'ओएमजी-2' का दमदार टीजर रिलीज

अक्षय कुमार की 2012 में रिलीज हुई 'ओह माई गॉड' दर्शकों को काफी पसंद आई थी। पहले पार्ट में एक्टर ने श्रीकृष्ण का किरदार निभाया था, अब दूसरे पार्ट 'ओएमजी-2' में अक्षय कुमार भगवान शंकर के अवतार में नजर आएंगे। हाल ही में इस फिल्म का दमदार टीजर सोशल मीडिया पर रिलीज किया गया है। फिल्म 'ओह माई गॉड-2' आस्तिक और नास्तिक के बीच अंतर को दशार्ती है। टीजर में अक्षय कुमार और पंकज त्रिपाठी नजर आ रहे हैं। फिल्म में अक्षय कुमार के लंबे बाल, माथे पर भस्म, गले में रुद्राक्ष की माला होगी। अक्षय कुमार ने इंस्टाग्राम पर टीजर शेयर करते हुए कैप्शन दिया, 'रख विश्वास'।

'ओह माय गॉड-2' में सुपरस्टार अक्षय कुमार, अभिनेता पंकज त्रिपाठी और अभिनेत्री यामी गौतम मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म के संवाद लेखन और निर्देशन की जिम्मेदारी अमित राय ने संभाली है। पहले भाग में परेश रावल ने नास्तिक कांजीलाल मेहता का किरदार निभाया था। हालांकि दूसरे भाग में आस्तिक कांतिशरण मुत्कल की कहानी दिखाई जाएगी। अक्षय भगवान शंकर की भूमिका में नजर आएंगे, जबकि पंकज त्रिपाठी कांतिशरण की भूमिका में नजर आएंगे। इस बीच फिल्म 'ओ माई गॉड-2' 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के पुराने पार्ट की स्टारकास्ट दूसरे पार्ट में भी नजर आएगी। इस फिल्म में रामानंद सागर रामायण फेम अरुण गोविल भगवान राम का किरदार निभाएंगे। यह फिल्म 11 अगस्त को 'गदर-2' के साथ रिलीज होने वाली है।

लंदन की गलियों में अनुष्का और विराट, इंस्टा पर डाली कैंडिड रील

मुंबई (ईएमएस)। अनुष्का शर्मा और विराट कोहली इन दिनों फैमिली वेकेशन पर लंदन में हैं। वहां पर मस्ती के पलों को कैमरे में कैद कर सोशल मीडिया पर भी दिखा रहे हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम फॉलोअर्स को एक कैंडिड रील दिखाई है, जिसमें विराट और उनकी बेटी वामिका लंदन की सड़कों पर घूम रहे हैं। इस दौरान अनुष्का डेनिम जैकेट और मैचिंग पैंट के साथ टी-शर्ट में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। उन्होंने अपने लुक को शानदार सनग्लासेस, खुले बालों और हल्के मेकअप के साथ पूरा किया था। इस दौरान वह एक बड़ा फ्लोरल बैग कैरी किए नजर आईं और उनके हाथ में कॉफी का कप दिखा। वहीं, विराट को बेज कार्गो पैंट, ब्लैक जैकेट और ब्राउन कैप पहने देखा जा सकता है। वीडियो में विराट को अनुष्का का फोटोग्राफर बनते भी देखा जा सकता है। क्योंकि वह अनुष्का की फोटो लगातार क्लिक कर रहे हैं। एक ओर वे लंदन मेट्रो में सफर करते नजर आ रहे हैं। वीडियो के आखिर में अनुष्का अपने कॉफी कप को कूड़ेदान में डालती हैं। एक्ट्रेस अनुष्का ने सोशल एकाउंट पर रील को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, मेजर मिसिंग- लंदन शहर और कॉफी की सैर। नोट- वह कॉफी काफी देर तक मेरे पास रही। उन्होंने कैप्शन में दिल वाला इमोजी का भी इस्तेमाल किया। रील को 3.9 मिलियन बार देखा जा चुका है। फैंस ने दोंनो पर अपना प्यार बरसाया है, कमेंट सेक्शन में कपल की जमकर तारीफ की। एक फैन ने लिखा- वह महिला जिसने हमारे किंग को बदल दिया। वीडियो में विराट को अनुष्का की फोटो क्लिक करते हुए देख एक यूजर ने कमेंट किया, अब तक का सबसे महंगा और पॉपुलर कैमरामैन।

सूडोकु नवताल- 6489

मध्यम

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6488 का हल

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3

शब्दजाल - 7236

अ	का	र्या	ल	य	द	मं	सि	या	र	क	
दा	वि	ल	ग	व	जी	त्रा	द	इ	ता	ली	
गि	सू	शे	ल	बा	छ	ल	ता	रा	क	क	
री	ज	च	दो	दे	ज	य	ह	न	त	चि	
मे	खु	दो	ना	वा	लं	का	म	ग	व	कि	
घा	द	ल	प	ल	ख	पू	ना	हि	र	त्सा	
ल	लो	म	ड़ी	य	य	र	शौ	र	र	ल	
य	र्ज	ल्जा	ई	धा	ब	क	चा	लो	श	य	
ने	बा	म	न्न	ब्रा	न्या	या	ल	य	प	क	
तें	भो	ज	ना	ल	य	र्त	य	बें	हा	त	
क	दु	ल्हे	रा	नी	ल	वि	द्या	ल	य	थ	

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'लय' शब्द लगा हो. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

मंत्रालय, विद्यालय, कार्यालय, सूचनालय, देवालय, भोजनालय,शौचालय, न्यायालय, मेघालय, चिकित्सालय,

शब्दजाल - 7235 का हल

श	रा	ना	जी	वा	द	ह	ट	झ	क	चि	
आ	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	आ	स्वा	द	
तं	र	ह	अ	भि	वा	द	म	ला	ल	ना	
क	म	दा	बु	ल	क	इ	वा	दा	र	नि	
वा	रा	र	वा	हा	मि	री	द	स	र	र्वि	
द	ह	प	द	दा	ह	ला	ती	झ	न	वा	
ट	ट	बु	अं	र	म	ट	ह	ला	ह	द	
प	जी	वा	मो	क	मा	सौ	न	ट	जू	ट	
रि	थो	तें	व	या	र्स	दा	ने	दा	र	द	
वा	ल	प	ति	रं	वा	ऐ	बें	न	रु	थो	
द	ड़	पा	ह	ट	द	द	ख	ला	ह	ट	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6189

4	2		3	5	1	
2	32	4	39	7	34	4
	1		4		5	2
	30	3	38	6	31	
1	2		6		7	
3	27	2	25	1	31	
	6	1	4		3	5

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6188 का हल

7	6	1	4	2	3	5
2	28	4	33	7	35	4
1	2	5	6	4	7	3
5	28	3	38	6	34	1
4	2	6	3	5	1	7
3	31	2	31	1	30	6
6	1	7	4	3	5	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

साक्षी की फिल्म के एक्टर ने धोनी से की रिक्वेस्ट : मुझे चेन्नई में ले लो, माही बोले- रायडू रिटायर हो चुके हैं, आ जाओ... जगह खाली है

चेन्नई।

एमएस धोनी और उनकी पत्नी साक्षी ने हाल ही में अपने पहले तमिल प्रोडक्शन वेंचर (लेट्स गेट मैरिड) का ऑडियो और ट्रेलर लॉन्च किया। यह इवेंट चेन्नई के लीला पैलेस में रखा गया था। इस दौरान इवेंट में एक्टर योगी बाबू ने धोनी से उन्हें (चेन्नई सुपर किंग) के लिए बतौर प्लेयर सिलेक्ट करने की रिक्वेस्ट की। इस पर महेंद्र सिंह धोनी ने बड़े ही खास अंदाज में जवाब दिया।

अंबाती रायडू अब रिटायर हो चुके हैं, मैं मैनेजमेंट से बात करूंगा- धोनी - इवेंट के दौरान धोनी ने कहा- अंबाती रायडू अब रिटायर हो चुके हैं। हमारे पर चेन्नई में आपके लिए जगह है। मैं मैनेजमेंट से बात कर करूंगा, लेकिन आप फिल्मों में बहुत बिजी हैं। मैं बता दूं कि में आकर आपको रोज खेलना होगा। वो लोग बहुत तेज बॉलिंग कराते हैं, वो आपको ऐसी बॉल कराएंगे कि आप चोटिल हो जाएं।

'यह साफ-सुथरी फिल्म है, इसे अपनी बेटी के साथ देख सकता हूं'- एमएस धोनी - इवेंट के दौरान धोनी ने फिल्म की मेकिंग के बारे में बात की। अपनी स्पीच उन्होंने तमिलनाडु के साथ अपने कनेक्शन के बारे में भी बताया। 2008 से चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़े क्रिकेटर ने कहा कि वह राज्य के साथ एक खास जुड़ाव महसूस करते हैं। फिल्म के बारे में बात करते हुए एमएस धोनी ने कहा - 'इस फिल्म के कलाकारों ने शानदार काम किया है और यह बेहद साफ-सुथरी और फैमिली एंटरटेनर फिल्म है।'

चेन्नई ने 2008 में मुझे गोद लिया था- एमएस धोनी - मैं इसे अपनी बेटी के साथ देख सकता हूं। वह साढ़े 8 साल की है, लेकिन वह इसे देख सकती है। जब साक्षी और मेरे मन में यह आइडिया है तो उसने सब कुछ समझाया। तमिलनाडु से अपने कनेक्शन के बारे में बात करते हुए धोनी ने कहा- मेरा टेस्ट डेब्यू चेन्नई में हुआ था, मेरा सबसे बेस्ट टेस्ट चेन्नई में है। जब क्रिकेट की बात आती है, तो बहुत सी चीजें चेन्नई में ऐसी हुई हैं, जिन पर मुझे गर्व है। यह मत भूलिए की चेन्नई कि 2008 में जब आईपीएल शुरू हुआ तो तमिलनाडु ने मुझे गोद ले लिया था।

2023 के अंत या 2024 में रिलीज होगी एलजीएम - लेट्स गेट मैरिड या एलजीएम एक फैमिली एंटरटेनर फिल्म है। इसमें हरीष कल्याण और इवाना लीड रोल्स में नजर आएंगे। साउथ एक्ट्रेस नादिया इस फिल्म में मां का किरदार निभा रही हैं, वहीं योगी बाबू और मिर्ची विजय सपोर्टिंग रोल निभाएंगे। रमेश थमिलमानी फिल्म का डायरेक्शन करेंगे। साक्षी- महेंद्र सिंह धोनी के प्रोडक्शन में बनी फिल्म लेट्स गेट मैरिड अब अपने पोस्ट प्रोडक्शन फेज में है।

न्यूज ब्रीफ

सचिन की बराबरी करेंगे कोहली: चंद्रपॉल के बाद उनके बेटे तेजनारायण के सामने खेलेंगे विराट; तेंदुलकर ऑस्ट्रेलिया के ज्योफ-मिशेल के खिलाफ खेल चुके

डोमिनिका। विराट कोहली वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में सचिन के एक अनोखे रिकॉर्ड की बराबरी कर सकते हैं। कोहली बुधवार को डोमिनिका में पहला टेस्ट खेलेंगे। इस टेस्ट में वेस्टइंडीज के दिग्गज बैटर शिवनारायण चंद्रपॉल के बेटे तेजनारायण भी टीम का हिस्सा बन सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो कोहली पिता और पुत्र के साथ खेलने वाले दूसरे इंडियन बन जाएंगे। इससे पहले सचिन तेंदुलकर पिता-पुत्र के सामने खेल चुके हैं। तेंदुलकर ऑस्ट्रेलिया के बाप-बेटे की जोड़ी यानी ज्योफ मार्श और उनके बेटे शॉन मार्श के खिलाफ खेल चुके हैं। सचिन ने साल 1992 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर ज्योफ मार्श के खिलाफ खेले थे। जबकि 2010-11 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उनके बेटे शॉन मार्श के खिलाफ उतरे। कोहली ने अपना टेस्ट डेब्यू साल 2011 में वेस्टइंडीज दौरे पर ही किया था। इस दौरे का पहला टेस्ट मैच किंग्स्टन के सबीना पार्क में 20 से 24 जून के बीच खेला गया था। कोहली भारतीय टीम के हिस्सा थे। जबकि वेस्टइंडीज टीम में शिवनारायण चंद्रपॉल भी शामिल थे। डेब्यू मैच में कोहली ने पहली पारी में 4 रन और दूसरी पारी में 15 रन बनाए थे। वहीं शिवनारायण चंद्रपॉल ने पहली पारी में 23 रन और दूसरी पारी में 30 रन बनाए थे। इस मैच को भारत ने 63 से जीता था। विराट कोहली ने अब तक 109 टेस्ट मैचों में 48.73 की औसत से 8479 रन बना चुके हैं। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में 28 शतक और 28 अर्धशतक के साथ ही 7 डबल सेंचुरी लगाए हैं। तेजनारायण ने अब तक छह टेस्ट मैच खेले हैं। इस दौरान 45.30 की औसत से 453 रन बनाए हैं। उन्होंने एक शतक भी लगाया है।

लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स की कप्तानी करते नजर आयेंगे नरेन

जमैका। वेस्टइंडीज के रहस्यमयी स्पिनर सुनील नरेन इस साल अमेरिका में होने वाले 2023 मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) के पहले संस्करण में लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स की कप्तानी करते नजर आयेंगे। एमएलसी 14 से 31 जुलाई तक दो स्थानों पर खेला जाएगा और इसमें छह टीमें भाग लेंगी। इस टूर्नामेंट में एमआई न्यूयॉर्क, सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स, सिएटल ऑर्कास, टेक्सास सुपर किंग्स और वाशिंगटन फ्रीडम एमएलसी जैसी टीमें में प्रतिस्पर्धा करेंगी। एंजिल्स नाइट राइडर्स 14 जुलाई को, टेक्सास सुपर किंग्स के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी। नरेन के अलावा आंद्रे रसेल भी इस टीम में शामिल किये गये हैं। इसके अलावा टीम में लॉकी फर्ग्यूसन, जेसन रॉय, रिले रोसौव, मार्टिन गुप्टिल और एडम जम्पा भी शामिल हैं। नरेन ने कप्तान नियुक्त किए जाने पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि वह हमेशा से ही किसी भी लीग में नाइट राइडर्स की ओर ये खेलना चाहते थे। उन्हें उम्मीद है कि टीम जीत दर्ज करेगी। उन्होंने कहा, मैंने हमेशा इस बारे में बात की है कि लॉस एंजिल्स के मालिकाना अधिकार वाली नाइट राइडर्स जहां भी खेलें वहां उनका प्रतिनिधित्व करना चाहता हूं।

चेन्नईयिन ने गोवा के स्ट्राइकर को अपने साथ जोड़ा

चेन्नई। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के आगामी सत्र से पहले चेन्नईयिन एफसी ने गोवा के स्ट्राइकर इरफान यदवाद से अनुबंध किया है। क्लब के अनुसार इस 22 वर्षीय खिलाड़ी के साथ कई साल के लिए करार किया है। इरफान ने इससे पहले बेंगलुरू यूनाईटेड की ओर से आईलीग सेकेंड डिवीजन में अच्छा प्रदर्शन किया था, जिसके आधार पर ही चेन्नई ने उन्हें अपनी टीम में शामिल किया है। इरफान के नाम बेंगलुरू यूनाईटेड की ओर से 34 मैचों में 36 गोल हैं। गोवा के इस स्ट्राइकर ने आईलीग सेकेंड डिवीजन में 13 गोल जबकि सुपर डिवीजन में 15 गोल किये थे।

भारत-वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज आज से

क्रिकेट किंग था वेस्टइंडीज, रिकार्ड 29 टेस्ट सीरीज तक हारा नहीं

नई दिल्ली।

दो दिन बाद भारत और वेस्टइंडीज के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज शुरू हो रही है। 12 जुलाई से रोसो आइलैंड में पहला मुकाबला खेला जाना है। इस सीरीज के साथ ही दोनों टीमें वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के अगले राउंड (2023-25) का आगाज करेंगी।

रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय टीम इस सीरीज में एकतरफा अंदाज में जीत हासिल करने की दावेदार बताई जा रही है। कारण साफ है। टेस्ट क्रिकेट में दोनों टीमों के स्तर में फासला अब बहुत बढ़ गया है। भारतीय टीम इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के साथ दुनिया की टॉप-3 टीमों में है। वहीं, खेल की क्वालिटी के हिसाब से वेस्टइंडीज की हैसियत अब आयरलैंड और अफगानिस्तान से भी कम होती जा रही है।

आज लगातार गर्त में जा रही वेस्टइंडीज टीम की स्थिति हमेशा ऐसी नहीं रही थी। इस सदी में लगातार डिक्लाइन देखने वाली इस टीम ने पिछली सदी में करीब 20 साल तक क्रिकेट की दुनिया पर राज किया था। इस स्टोरी में हम तब के दौर में कैरेबियाई टीम का रिकॉर्ड देखेंगे। साथ ही यह भी जानेंगे कि भारत ने इस टीम के खिलाफ कैसा खेल दिखाया था

दिलीप वेंगसरकर एंडी रॉबर्ट्स

वेस्टइंडीज का गोल्डन एरा कब से कब तक रहा

1975 से 1995 तक का समय वेस्टइंडीज क्रिकेट का गोल्डन एरा कहा जाता है। देखिए इस दौरान कैरेबियाई टीम ने कौन-कौन सी उपलब्धि हासिल की थीं-

1975 : लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया को 17 रन से हराया। वनडे की पहली वर्ल्ड चैम्पियन बनने का गौरव हासिल किया।

1979 : लॉर्ड्स के मैदान में इंग्लैंड को 92 रन से हराया। लगातार दो वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम बनी।

1983 : टीम लगातार तीसरे वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची। ऐसा करने वाली पहली टीम बनी, लेकिन भारत से 43 रन से हारी।

1980-1995 : टीम 15 साल टेस्ट सीरीज में अजेय रही। टीम ने 29 में से 20 टेस्ट सीरीज जीतीं, जबकि 9 ड्रॉ कराईं।

1975-1995: गोल्डन एरा में वेस्टइंडीज में अपने घर में कोई सीरीज नहीं गंवाई। टीम ने 15 सीरीज खेलीं। 14 में जीत हासिल हुई, एक ड्रॉ रही।

टीम का इतना दमदार परफॉर्मेंस कैसे...

तब कैरेबियाई टीम में सर विवि रिचर्ड्स, क्लाइव लॉयड, गॉर्डन ग्रीनिज, डेसमंड हैंस जैसे दिग्गज बल्लेबाज थे। बाद में ब्रायन लारा जैसा दिग्गज भी दुनिया ने देखा। इसके साथ ही, यह वह दौर था जब कैरेबियाई पेसर्स से दुनिया भर के बल्लेबाज खौफ खाते थे। तब टीम में माइकल होल्डिंग, एंडी रॉबर्ट्स, जोएल गार्नर और मैलकम मार्शल जैसे गेंदबाज थे। इनके रिटायरमेंट के बाद कोर्टनी वॉल्श, कर्टली एंब्रोज और इयान बिशप जैसे फास्ट बॉलर आए। टीम घर और बाहर हर परिस्थितियों में हर टीम के खिलाफ जीत की दावेदार होती थी।

इन दो दशक में वेस्टइंडीज में 5 मैच ही जीत सका भारत - 1975 से 1995 तक के पीरियड में भारत और वेस्टइंडीज के बीच कुल 34 टेस्ट मैच हुए, जिनमें भारतीय टीम सिर्फ 5 में जीत हासिल कर सकी। 13 टेस्ट में वेस्टइंडीज जीता और 16 मुकाबले ड्रॉ रहे। इस टाइम पीरियड में वेस्टइंडीज के खिलाफ उसके घर में भारत ने 13 टेस्ट मैच खेले थे, जिसमें उसे सिर्फ 1 में जीत मिली थी। 7 में वेस्टइंडीज की टीम जीती और 5 टेस्ट ड्रॉ रहे।

वनडे में भी तस्वीर टेस्ट जैसी ही थी। इस दौरान भारत और वेस्टइंडीज के बीच कुल 50 वनडे हुए थे। 17 में भारत जीता था और 32 में वेस्टइंडीज। 1 मैच टाई रहा था। वनडे में इस दौरान वेस्टइंडीज के खिलाफ वेस्टइंडीज में भारत ने 8 मैच खेले थे। 1 में जीत मिली थी और 7 में हार।

ऑस्ट्रेलिया देती थी सबसे ज्यादा फाइट - 1975 से 1995 तक के अपने गोल्डन एरा में दोनों फॉर्मेट में वेस्टइंडीज का पलड़ा तमाम टीमों के खिलाफ भारी रहा। विपक्षी टीमों में वेस्टइंडीज को सबसे ज्यादा फाइट ऑस्ट्रेलिया से मिली। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वेस्टइंडीज में 19 टेस्ट मैच खेले और 4 में जीत हासिल की। वेस्टइंडीज ने 9 मुकाबले जीते थे और 6 ड्रॉ रहे थे। ऑस्ट्रेलिया ने ही वेस्टइंडीज के लगातार 29 सीरीज में न हारने के क्रम को 1995 में तोड़ा था।

इसी हार के बाद वेस्टइंडीज क्रिकेट के पतन की शुरुआत हो जाती है और 2023 में उस मुकाम पर आ चुकी है जब कैरेबियाई टीम पहली बार वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई ही नहीं कर पाई है।

वेस्टइंडीज में टीम इंडिया की स्पेशल फील्डिंग ड्रिल

ट्रेनिंग सेशन के बाद रहाणे बोले- अभी जवान हूं तो हंसने लगे रोहित

बारबाडोस।

भारत और वेस्टइंडीज के बीच पहला टेस्ट बुधवार से डोमिनिका में शुरू होगा। इस टेस्ट से एक दिन पहले मंगलवार को टीम इंडिया ने कैच और फील्डिंग के लिए स्पेशल ट्रेनिंग ली। इस स्पेशल ड्रिल में विराट कोहली, ओपनर शुभमन गिल सहित कई खिलाड़ी शामिल हुए। इसका वीडियो भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। वीडियो में कोच राहुल द्रविड़ के साथ विराट कोहली, शुभमन गिल, ईशान किशन, केएस भरत, अजिंक्य रहाणे और आर अश्विन नजर आ रहे हैं। बीसीसीआई ने लिखा है कि यह एक कलरफुल फील्डिंग प्रैक्टिस है। सभी खिलाड़ी एक घूमती हुई चीज को बार-बार पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं। खिलाड़ी पहले अपना कलर चुन लेता है और उसके बाद उसी कलर के हिस्से को पकड़ने की कोशिश करता है।

रोहित के पूछने पर रहाणे बोले- मैं अभी जवान हूं - ट्रेनिंग सेशन के बाद रोहित शर्मा अजिंक्य रहाणे का इंटरव्यू लेते नजर आए। बीसीसीआई ने इसका वीडियो शेयर किया। इसमें शुरुआत में उन्होंने रहाणे से उनका अनुभव, वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप और वेस्टइंडीज सीरीज से जुड़ा सवाल पूछा। इसके बाद रहाणे कहते हैं, इस एज में मतलब, अभी तो मैं यंग हूं, जिसके बाद रोहित हंसते नजर आते हैं। रोहित ने रहाणे से पूछा कि आप वेस्टइंडीज काफी बार आ चुके हो, आपने इन विकेट पर काफी खेला है, काफी रन बनाए हैं, ऐसे में जो नए लड़के आए हैं, उन्हें आप क्या बताना चाहोगे, इसके जवाब में रहाणे ने कहा- वेस्टइंडीज में सभी के लिए मेरा मैसेज है, यहां के विकेट पर आराम से खेलें। रोहित अगला सवाल क्रिकेटरों के ग्राउंड पर फोकस करने से जुड़ा पूछते हैं, रहाणे इसका जवाब दे रहे होते हैं, तभी बारिश शुरू हो जाती है, जिसके बाद सभी ग्राउंड से बाहर भागने लगते हैं। रहाणे ने कहा, इसका जवाब हम ग्राउंड के बाहर जाकर देंगे। डोमिनिका से पहले टीम इंडिया का बारबाडोस में 5 दिन का कैंप लगा था। सभी खिलाड़ी 3 जून को बारबाडोस में पहुंच गए थे।

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप के ऑफिशियल मैस्कॉट होंगे बजरंगबली

बैंकॉक।

भगवान हनुमान थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में बुधवार से शुरू होने वाले एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप टूर्नामेंट में इस साल के संस्करण के ऑफिशियल मैस्कॉट होंगे। यह टूर्नामेंट कॉन्टिनेंटल गवर्निंग बॉडी की स्थापना की 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित किया जा रहा है।

एशियन एथलेटिक्स एसोसिएशन ने अपनी वेबसाइट पर इसका एलान करते हुए कहा- चूंकि हनुमान भगवान राम की सेवा में गति, शक्ति, साहस और बुद्धि सहित असाधारण क्षमताओं का प्रदर्शन करते हैं। बजरंगबली की सबसे बड़ी क्षमता उनकी दृढ़ निष्ठा और भक्ति है। वहीं, एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 का लोगो भी इन खेलों में भाग लेने वाले एथलीट्स, उनकी स्किल, उनका टीम वर्क, उनकी मेहनत और खेल के प्रति उनके समर्पण को दर्शाता है। इसलिए हमने बजरंगबली को मैस्कॉट बनाने का फैसला किया है।

एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप का यहा 25वां संस्करण है। इस टूर्नामेंट में भारत स्टार शॉट पुटर तजिंदरपाल सिंह तूर और लॉन्ग जंपर मुरली श्रीशंकर के नेतृत्व में प्रभावशाली प्रदर्शन की उम्मीद करेगा। पांच दिवसीय एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम शनिवार रात दिल्ली और बेंगलुरु से रवाना हुई थी।

विम्बलडन में भारत के बोपन्ना राउंड ऑफ 16 में पहुंचे: फर्नले और जोहानस की ब्रिटिश जोड़ी को हराया; मेंस सिंगल्स डिफेंडिंग चैंपियन जोकोविच क्वार्टरफाइनल में

लंदन।

रोहन बोपन्ना और मैथ्यू एब्डेन सोमवार को चल रहे विंबलडन 2023 पुरुष युगल स्पर्धा के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। भारत के बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के एबडेन ने सोमवार को जैकब फर्नले और जोहानस की ब्रिटिश जोड़ी को सीधे सेटों में 7-5, 6-3 से हराया। दूसरी ओर मेंस सिंगल्स के डिफेंडिंग चैंपियन नोवाक जोकोविच ने 14वीं बार विंबलडन क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए ह्यूबर्ट हरकाज को हराया है।

सीधे सेट में जीते बोपन्ना

भारत के बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के एबडेन ने सोमवार को जैकब फर्नले और जोहानस की ब्रिटिश जोड़ी को सीधे सेटों में 7-5, 6-3 से हराया। बोपन्ना और एबडेन की टीम ने मैच में धीमी शुरुआत की, लेकिन भारत-ऑस्ट्रेलियाई की जोड़ी ने अपनी पकड़ बना ली और वापसी की

ब्रिटिश टीम ने थोड़ी देर संघर्ष किया, लेकिन बोपन्ना और एबडेन ने मैच पर कंट्रोल बनाए रखा और पहला सेट जीत लिया।

दूसरे सेट में एबडेन बोपन्ना ने तेज शुरुआत की और 4-1 की बढ़त बना ली। जोहानस मंडे और जैकब फर्नले ने वापसी की कोशिश की, लेकिन इंडो-ऑस्ट्रेलियाई ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली।

14वीं बार विंबलडन क्वार्टरफाइनल में पहुंचे जोकोविच

नोवाक जोकोविच ने 14वीं बार विंबलडन क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए ह्यूबर्ट हर्काज को हराया। डिफेंडिंग चैंपियन जोकोविच ने 7-6 (8/6), 7-6 (8/6), 5-7, 6-4 से चार सेट में 3-1 की बढ़त से जीत दर्ज की जोकोविच ने ऑल इंग्लैंड क्लब में 32 मैचों में लगातार जीत पा ली हैं। जोकोविच क्वार्टर फाइनल में रूस के आंद्रे रुबलेव के खिलाफ खेलेंगे।

विमेंस क्वार्टरफाइनलिस्ट डिसाइड

सोमवार को विमेंस सिंगल्स पूरे हुए। इसमें टॉप सीड इगा स्वियातेक भी शामिल है। उन्होंने रविवार को 14वीं रैंक की बेनकिक पर 6-7 (4), 7-6 (2), 6-3 से जीत दर्ज करके पहली बार विंबलडन क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। डिफेंडिंग चैंपियन ऐलेना रयबाकिना ने भी क्वार्टरफाइनल में जगह पक्की की। उनका मुकाबला 2022 की विम्बलडन रनरअप ओन्स जाबेउर से होगा।

इंडियन फुटबॉलर बोले- लगातार जीत से मोटिवेशन मिला

पर फीफा वर्ल्ड कप अभी दूर, भारत में फुटबॉल को अभी करियर नहीं समझा जाता

नई दिल्ली।

पिछले सप्ताह साउथ एशियन फुटबॉल चैंपियनशिप का खिताब भारत ने रिकॉर्ड नौवीं बार जीता। इससे कुछ दिन पहले ही भारत ने इंटरकॉन्टिनेंटल कप का खिताब जीता था। टीम चंद दिनों के फासले में लेबनॉन और कुवैत को हरा चुकी थी। एक के बाद एक सक्सेस से भारतीय फैंस यह उम्मीद रखने लगे कि टीम जल्द ही फीफा वर्ल्ड कप भी खेलेगी। टीम के स्टार डिफेंडर संदेश झिंगन से बात की। 29 साल के झिंगन ने कहा कि ये जीत मोटिवेशनल हैं, पर फीफा वर्ल्ड कप अभी दूर की बात है। इंडियन फुटबॉल पर उन्होंने कहा कि हमारे देश में फुटबॉल का माहौल यूरोप जैसा नहीं है। अभी भारत में खिलाड़ी फुटबॉल को करियर नहीं समझते।

सिर्फ टीम की नहीं, पूरे देश की जीत कहूंगा। देश ने हमें सपोर्ट किया। हमें क्रिटिसाइज भी किया। सबसे अहम है देशवासियों ने हमारा खेल देखा। मुझे लगता है कि क्लब सीजन खत्म होने के बाद इंटरनेशनल सीजन की शुरुआत अच्छी रही। हम ऐसे ही बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं। एशिया कप हमारे टारगेट में है, निश्चित ही यह कठिन होगा, लेकिन हम अपने लक्ष्य को स्टेप बाई स्टेप अचीव करने का प्रयास करेंगे।

क्या भारत 2026 का फीफा वर्ल्ड कप खेल सकता है

फीफा वर्ल्ड कप अभी दूर है। एक दिन या साल में फीफा के लिए क्वालिफाई करना संभव नहीं है। फिलहाल, हमारा पूरा फोकस एशियन कप पर है। 2011 के बाद हमने सीधे 2019 में क्वालिफाई किया। इसके बाद अब दूसरी बार हमने 2023 में क्वालिफाई किया है। हमारा फोकस इस पर ज्यादा है।

कोई भी गोल स्टेप बाई स्टेप हासिल किया जा सकता है। उसके लिए कई छोटे-छोटे प्लान बनाने होंगे। कई बदलाव करने होंगे। उसके बाद में धीरे-धीरे उस फाइनल गोल तक पहुंच पांएगे। उदाहरण के तौर पर अगर आपको इंजीनियर बनना है तो 4 साल में 8 सेमेस्टर पार करने होते हैं। इसी तरह फुटबॉल में भी हमें फीफा वर्ल्ड कप में पहुंचने से पहले छोटे-छोटे कई पड़ाव पार करने होंगे।

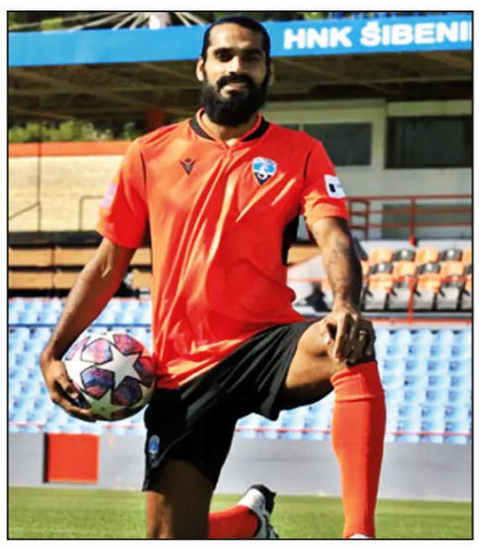

क्रोएशिया में एक साल रहे भारतीय

भारत के लोग जैसे क्रिकेट के दीवाने हैं, ठीक वैसा ही क्रेज क्रोएशिया के लोगों में फुटबॉल और बास्केटबॉल का है। भारत में अगर किसी बच्चे को स्पोर्ट्सपर्सन बनना है, तो उसके पास कई ऑप्शन हैं, लेकिन क्रोएशिया और यूरोप के देशों में ऐसा नहीं हैं। वहां का बच्चा फुटबॉल खेलने के बारे में ही सोचता है। हमारे देश में फुटबॉल लेकर माहौल अलग है। ज्यादातर प्लेयर्स फुटबॉल को करियर की तरह नहीं देखते हैं। बेहतर और बेस्ट मेंटालिटी के साथ प्लेयर्स खेलेंगे, तो हम भी आगे जाकर और ज्यादा अच्छा परफॉर्म कर पाएंगे। मेरे हिसाब से यह आपकी मैंटेलिटी पर निर्भर करता है। मैं पंजाब से हूं, मेरे घर में आज तक कोई एथलीट नहीं बना। मैंने कोशिश की और एक बार यूरोप भी जाकर आया। इस तरह से अगर आपका लक्ष्य सही है, तो आपको कोई नहीं रोक सकता।

टीम में युवाओं के लिए स्कोप

इंडियन टीम में बड़ा या छोटा खिलाड़ी नहीं होता है। मेरा मानना है कि टीम में हर खिलाड़ी बराबर होता है। सभी को अपनी जिम्मेदारी निभानी होती है। लेबनान के खिलाफ खेलने से पहले मैंने चांगते से कहा था कि, मैं तुम्हारे अंदर सबसे ज्यादा मैच्योरिटी देखना चाहता हूं। उस मैच में चांगते ने अच्छा प्रदर्शन किया और मैच्योरिटी दिखाई। टीम के यंग प्लेयर्स सीनियर से सीखते हैं, हालांकि, मैदान के बाहर कोई बड़ा या छोटा नहीं होता, हम सब चिल माहौल में रहते हैं।

म्यांमार में खाते खाना और सोते भारत में!

आपको यह पढ़कर शायद थोड़ा अजीब लगे, लेकिन बिल्कुल सच्च है। इस गांव के लोग बिना वीजा के म्यांमार में जा सकते हैं। दरअसल, इस गांव का आधा हिस्सा भारत में तो आधा हिस्सा म्यांमार में है। यहां के राजा के घर के बीच से गुजरता है बॉर्डर। इस ट्राइब्स के राजा का नाम अंग नगोवांग है, जिनके अधीन लोंगवा समेत कुल 75 गांव आते हैं। वहीं, इनके घर के बीच से होकर म्यांमार और भारत का बॉर्डर गुजरता है। ऐसे में इनका परिवार खाना तो म्यांमार के हिस्से में खाता है, लेकिन सोने के लिए भारतीय सीमा का उपयोग करता है। लोंगवा गांव के राजा की फैमिली भी काफी बड़ी है, जिसमें उनकी 60 बीवियां भी शामिल हैं। वहीं, राजा का बेटा म्यांमार आर्मी में है। भारत-म्यांमार सीमा पर होने के कारण यहां के लोगों को तकनीकी तौर दोनों ही देशों की नागरिकता मिली हुई है। ऐसे में इन्हें म्यांमार जाने के लिए न तो वीजा की जरूरत होती है और न ही भारतीय पासपोर्ट की। यहां के लोग दोनों ही देशों में स्वतंत्र रूप से घूम सकते हैं।

साफ हवा सुधारती है बच्चों के फेफड़ों की सेहत

साफ हवा में सांस लेना अमूमन सभी के लिए सेहतमंद माना जाता है, लेकिन बच्चे के लिए एक और भी फायदेमंद है। ताजा शोध के मुताबिक साफ हवा बच्चे के फेफडे की बेहतर सेहत के लिए लाभदायक है। शोध के अनुसार बच्चे के आसपास साफ हवा मुहैया कराने की कोशिश बचपन में उसके फेफडे की सेहत के लिए अच्छा तो है ही, यह भविष्य में भी उसके लिए फायदेमंद रहता है।

सेहत के लिए फायदेमंद है जलजीरा

गर्म और सुस्त दिन को ताजगी से भरने का आसान उपाय है, एक ग्लास ठंडा जलजीरा! ये रिफ्रेशिंग ड्रिंक आपके कभी न कभी जरूर पी होगी। जलजीरा में मिलाया गया काला नमक, जीरा, अदरक, नींबू, पुदीना, आमचूर पावडर और इसी तरह की अन्य सामग्री, इसे न सिर्फ टेस्ट में शानदार बनाती है बल्कि सेहत के लिए भी ये एक हेल्दी ड्रिंक बन जाती है। हम आपको जलजीरा के ऐसे 5 फायदे बताएंगे, जिसको जानने के बाद आप कभी-कभी नहीं, बल्कि हर रोज इस रिफ्रेशिंग ड्रिंक को पीना चाहेंगे।

पाचन क्रिया को तेज बनाए

जलजीरा में डाला गया काला नमक आंतों की गैस से लड़ता है और पाचन क्रिया को तेज बनाता है। जलजीरा, सीने में जलन से राहत दिलाता है और शरीर को रीहाईड्रेट करता है।

एनेमिया से बचाव

जीरे में आयरन उच्च मात्रा में होता है, इसीलिए वो एनीमिया से बचाव करता है। जलजीरा इम्यूनिटी पावर को भी बढ़ाता है और आपके शरीर को ठंडा रखता है। पेट की खराबी में राहत

जलजीरा में अदरक होता है, इसलिए ये मतली की समस्या को ठीक करता है। अगर आपको पेट में दर्द है, पीरियड्स के क्रैंप्स हो रहे हैं, उल्टी, गैस या अर्थराइटिस की समस्या है, तब भी जलजीरा आपको राहत पहुंचा सकता है।

विटामिन सी की कमी दूर करने में मददगार

जलजीरा में आमचूर पावडर डाला जाता है। आमचूर में उच्च मात्रा में विटामिन सी होता है जो कि आपकी इम्यूनिटी पावर को बढ़ाता है और बहुत सी बीमारियों से आपका बचाव करता है।

लो कैलोरी ड्रिंक

आप जब चाहें जलजीरा पी सकते हैं, वो भी बिना कैलोरी की चिंता किए! इसलिए अगर आप वेट लॉस कर रहे हैं तो सोडा ड्रिंक पीने से बेहतर है आप जलजीरा पिएं। ये आपके शरीर के सिस्टम को डिटॉक्सीफाई करता है और शरीर को हाईड्रेट रखता है। अब तक तो आप जलजीरा के फायदों को जानकर उसे पीने का मन बना ही चुके होंगे। अगर ऐसा ही है तो बाजार से जलजीरा का पैकेट लेने न निकल जाए बल्कि घर पर जलजीरा बनाएं, ताकि वो हेल्दी हो।

लंच करने के बाद न करें ये गलतियां

क्या आप एक भारी लंच करने के बाद तुरंत टहलने के लिए निकल जाते हैं? हो सकता है आप न जाते हों लेकिन आप जैसे बहुत से लोग ऐसा रोज करते हैं। यह एक बहुत ही हानिकारक आदत है जिसे तुरंत रोक देनी चाहिए।

एक्सपर्ट के मुताबिक हमारा पाचन तंत्र इतना मजबूत है कि आप लंच में चाहे जो कुछ भी उल्टा सीधा क्यूं ना खा लें, वह सब कुछ हजम कर लेगा।

हमारा पेट खाने को अच्छी तरह से हजम कर के सारे जरुरी पोषण हमें एनर्जी के तौर पर देता है। पर उसी समय हमारे पेट का सिस्टम थोड़ा संवेदनशील भी है और वह उस वक्त ठीक से कार्य नहीं कर पाता जब आप उसे तकलीफ देते हैं। इसलिए दोपहर में लंच करने के बाद 15-20 मिनट तक आराम करना जरुरी बताया गया है।

आइए जानते हैं कि लंच के बाद कई लोग क्या क्या गलतियां करते हैं , जिससे उनके हाजमें पर बुरा असर पड़ता है।

दांतों को ब्रश करना

लंच करने के बाद ब्रश बिल्कुल नहीं करना चाहिए। अगर आपने कोई सिट्रस वाला आहार खाया है तो दांतों को ब्रश करने से दांतों की परत तुरंत उतर जाएगी, जिसे हम इनेमल कहते हैं।

बहुत ज्यादा पानी पीना

अगर आप खाना खाने के बाद बहुत ज्यादा पानी पीते हैं तो इससे आपका पाचन तंत्र प्रभावित होता है। इससे पेट की कई बीमारियां भी हो सकती हैं।

धूम्रपान करना

लंच करने के बाद शरीर का ब्लड सर्कुलेशन तेज होता है। पर जब उसके बाद आप धूम्रपान करते हैं उसका धूंआ आराम से आपके शरीर में घुस कर फेफड़ों और किडनियों को नुकसान पहुंचाता है।

वॉक पर जाना

लंच करने के सीधे बाद वॉक पर जाने से खाने का पोषण शरीर में अच्छी तहर से नहीं समा पाता।

ड्राइविंग

खाने को पचाने के लिए बहुत सारे खून की आवश्यकता पड़ती है, जिसमें दिमाग सहायता करता है। पर अगर आप खाने के बाद ड्राइविंग करने पर अपना पूरा ध्यान लगा देगें तो आपके भोजन को पचाने के लिये दिमाग वो काम नहीं कर पाएगा।

सोना

खाने के बाद सोने से कई पाचन संबन्धित बीमारियां हो सकती हैं। इससे आपको गैस की भी समस्या हो सकती है।

गर्दन दर्द से पाना हो छुटकारा तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

यदि आपकी गर्दन में दर्द हो तो इसको कभी हलके में नहीं लेना चाहिए क्योंकि इससे कई लक्षणों का पता चलता है। गर्दन में दर्द की समस्या से ना तो आप ठीक से उठ-बैठ सकते हैं और ना ही रोज मर्रा के काम कर सकते हैं। कई लोगों को सिर को दाएं-बाएं घुमाने पर अकडन और दर्द के साथ कडकड़ाहट की आवाज भी सुनाई देती है। गर्दन में लगातार दर्द रहने पर अति शीघ्र चिकित्सक को दिखाना चाहिए। चिकित्सकीय परीक्षणों के बाद ही यह तय हो पाता है कि दर्द किस कारण हो रहा है। अगर दर्द होने का कारण कोई गंभीर बीमारी न होकर सामान्य है तो उसे व्यायाम योगासनों एवं घरेलू उपचारों से भी ठीक किया जा सकता है।

आइस पैक लगाएं

गरदन की दर्द में आइस पैक काफी लाभ पहुंचाता है। आप चाहें तो बरफ के टुकड़े को कपड़े में बांध कर दर्द पर रख सकते हैं। इससे दर्द में काफी आराम मिलेगा।

अदरक का पेस्ट

यह एक दर्द निवारक दवा के रूप में काम करती है। अगर आप अदरक पावडर को पानी में मिला कर पिएं या फिर इसे घिस कर गरम पानी में मिला कर पेस्ट बना कर गरदन पर लगाएं तो राहत मिलेगी।

गर्म सिकाई

जब चोट की सिकाई होती है तो खून का दौरा उस जगह पर तेज हो जाता है जिससे चोट जल्दी ठीक हो जाती है।

मसाज

मसाज किसी भी दर्द को ठीक कर सकता है। मसाज से आप आराम से अच्छी नींद सो सकते हें। पर चोट को तेजी से नहीं मलना चाहिये नहीं तो वहां पर और ज्यादा दर्द पैदा हो सकता है।

सही मुद्रा बना कर रखें

शरीर की सही मुद्रा बना कर रखने से भी गरदन का दर्द ठीक करने में सहायता मिलती है। अपने शरीर को एक दीवार पर सटा कर खड़ा कीजिए अपनी पीठ और बुटक को दीवार से लगाइए और ठुड्डी को बिल्कुल सीधे रखिए। बस इसी मुद्रा में सारे दिन रहिए।

गरम पानी से स्नान

गरम पानी के शॉवर के नीचे कुछ देर खड़े रहें। जैसे की गरम पानी आपकी गरदन पर गिरेगा, कुछ ही देर में आपको असर दिखाई देगा।

हींग एवं कपूर

हींग एवं कपूर समान मात्रा में लेकर सरसों तेल में फेंटकर क्रीम की तरह बना लें। इस पेस्ट को गर्दन में लगाकर हल्के हाथों में मालिश करने पर दर्द आराम हो जाता है।

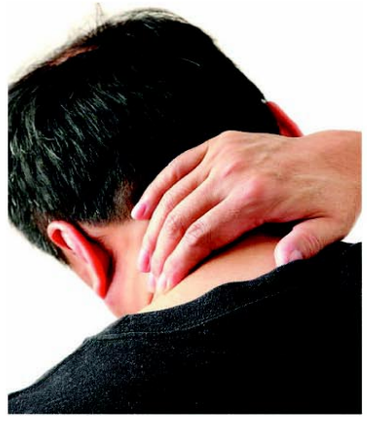

पसीने व उसकी बदबू से छुटकारा पाने के उपाय...

गर्मियां का मौसम आते ही पसीने की समस्या हो जाना आम बात है। मामूली स्वेटिंग तो फिर भी ठीक है, लेकिन कुछ लोगों को बहुत ज्यादा पसीना आता है। इससे वो बहुत ज्यादा ही परेशान रहते हैं। कुछ टाइम के बाद पसीने की बदबू सिर्फ बॉडी ही नहीं, बल्कि बालों से भी आने लगती है। इसके लिए न जाने कितने ही तरह के डियोड्रेंट, परफ्यूम इस्तेमाल करते हैं जो कुछ देर के लिए पसीने की बदबू को रोकते हैं, लेकिन समस्या जैसी की तैसी ही बनी रहती है। हम आपको कुछ आसान तरीके बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर पसीने की समस्या दूर की जा सकती है।

कैसे करें बचाव

पसीने को रोक पाना तो बहुत ही मुश्किल है। लेकिन कुछ आसान से टिप्स अपनाकर अधिक पसीना निकलने की समस्या को जरूर कम किया जा सकता है।

- एंटी-बैक्टीरियल साबुन का इस्तेमाल करें। जितनी बार नहाएं उतनी बार इसका प्रयोग करें। नहाने के पानी में यूडी कोलन की कुछ बूंदें डालना भी फायदेमंद होता है।
- पसीने की वजह से पैरों में फंगल इन्फेक्शन हो सकता है। इससे बचने के लिए उंगलियों के बीच एंटी फंगल पाउडर छिडकने के बाद ही मोजे और जूते पहनें।
- इस मौसम में कुछ लोग मोजे पहनना छोड़ देते हैं। ऐसा करना ठीक नहीं, इससे पैरों में एलर्जी हो सकती है।
- तलवों से अधिक पसीना निकलता हो तो इससे बचने के लिए नहाने से पहले, पानी से भरे टब में दो चम्मच फिटकरी पाउडर डालकर उसमें दो मिनट तक पैरों को डुबोकर रखना चाहिए।
- इस मौसम में बगल से सबसे ज्यादा पसीने की प्रॉब्लम होती है। तो बाहर निकलने से पहले कुछ मिनटों तक शरीर के इस हिस्से पर बर्फ रखना फायदेमंद होता है। इससे ज्यादा पसीना नहीं निकलता।
- शर्ट के बगल वाले हिस्से को पसीने के निशान से बचाने के लिए स्वेट पैड्स का इस्तेमाल करना चाहिए।
- डियो, स्प्रे के बजाय रोलॉन या टेलकम पाउडर का इस्तेमाल ज्यादा अच्छा रहता है, लेकिन इसके ज्यादा प्रयोग करने से बचें क्योंकि ये स्किन को नुकसान पहुंचा सकते हैं।
- पसीने की अधिकता से सिर की त्वचा में दाने निकल आते हैं जिसे दूर करने के लिए माइल्ड शैंपू बहुत ही कारगर होता है।
- हमेशा खुश रहने की कोशिश करें, क्योंकि कई बार ज्यादा पसीना निकलने का कारण तनाव और गुस्सा भी होता है।
- अधिक पसीने की समस्या से बचने के लिए अमोनियम क्लोराइड से बने कुछ ऐसे लोशन और स्प्रे आते हैं, जो स्वेट ग्लैंड्स के पोर्स को ब्लॉक कर देते हैं।
- बगल से ज्यादा पसीना निकलने से परेशान हैं तो लेजर ट्रीटमेंट इसका बेहतर उपचार है जो इससे राहत दिलाता है।
- आइनोटोफोरिसिस ट्रीटमेंट एक ऐसी नई तकनीक है जिसमें टब में भरे पानी को एक यंत्र के जरिए चार्ज कर उसके पॉजिटिव और नेगेटिव आयन्स को एक्टिव किया जाता है। फिर इसमें कुछ समय के लिए हाथों और पैरों को डुबाया जाता है। इससे स्वेट ग्लैंड्स की एक्टिविटी धीमी हो जाती है।

जान सकेंगे शादी के बाद की जिंदगी कैसे जिएं?

वैडिंग कोचिंग से हल होंगी परेशानियां

शादी का नाम सुनकर जहां दिल में गुदगुदी होती है, वहीं नए रिश्ते की शुरुआत के बारे में सोच कर मन आशंकाओं के समुद्र में गोते खाता रहता है। युवितयों के मन में अनेक सवाल जैसे शादी के बाद ससुराल में जींस पहनने देंगे या नहीं, पहली बार कौन सी डिश पकवाएंगे, पति को जाने मेरी किस बात का बुरा लग जाए, मायके ज्यादा आने देंगे कि नहीं, सासू मां का स्वभाव कैसा होगा, नौकरी करने देंगे या नहीं... आदि जहां परेशान करते हैं, वहीं निजी समस्याओं का भी डर सताता है, परंतु इन बातों का समाधान कहीं से नहीं मिलता। कौन समझे मन की बातें घर में दादी-नानी, मां, दीदी और भाभी की नसीहतें सुन-सुन कर दिल कई बार डरता है। सहेलियां हमउम्र होने के कारण उसकी परेशानियों को सुनकर भी कोई राय नहीं दे पातीं। ऐसे में आजकल वैडिंग कोचिंग का प्रचलन बढ़ता जा रहा है, कोचिंग में जाकर शादी से पहले हम खुद को मानसिक तौर पर तैयार कर लेते हैं।

मिल जाते हैं सवालों के जवाब

विवाह से पहले ही रिश्तों और उनकी मर्यादाओं के साथ अन्य पहलुओं को भी समझ लिया जाए तो विवाह में बिखराव और अलगाव की नौबत नहीं आती। इसके लिए घर की किसी बुजुर्ग महिला की नसीहतों के अलावा दुल्हन के लिए वैडिंग कोचिंग बढ़िया रहती है, जहां उसे पति-पत्नी के संबंधों से ताल्लुक रखने वाले छोटे से छोटे सवालों के जवाब काउंसिलिंग में मिल जाते हैं। क्या है वैडिंग कोचिंग विदेशों की तर्ज पर अब महानगरों में भी वैडिंग स्ट्रेस कोचिंग सेंटर खुलने लगे हैं, जिससे विवाह के बाद ही नहीं, विवाह से पहले भी एक-दूसरे की पसंद-नापसंद, इच्छा-अनिच्छा आदि को समझने में आसानी हो। दोनों एक-दूसरे की जरूरतें समझने के साथ फैमिली प्लानिंग पर भी विचार कर सकें। सिर्फ 2-3 सिटिंग ही इसके लिए काफी हैं।

मानसिक तौर पर खुद को करें तैयार

मैरिज काउंसलर की मानें तो आज की पीढ़ी में पहले की तुलना में समर्पण, धैर्य और त्याग जैसी भावनाएं काफी कम होने लगी हैं, सो ऐसी कोचिंग उन्हें एक-दूसरे को समझने में मदद करती है। कामकाजी दुल्हनों को कई बार एकल परिवार के ही दायित्व निभाने में भी दिक्कत आती है। पति के साथ अहं का टकराव होने से भी वैवाहिक जीवन को संभाल पाना कठिन हो जाता है। सफल वैवाहिक रिश्ते के लिए युगल स्वयं को मानसिक स्तर पर पहले तैयार करें। विवाह से पहले घर बसाने के लिए व्यावहारिक बातों की शिक्षा परिवार के बुजुर्गों द्वारा जरूर दी जाती है, लेकिन उसमें भी अहम बातें छूट जाती हैं। प्री-मैरिटल काउंसिलिंग में विवाह योग्य लड़के-लड़कियों को एक-दूसरे के विचारों से सामंजस्य बैठाना सिखाया जाता है।

रेसिपी

चटपटा दहीवाला ब्रेड

5 ब्रेड के स्लाईस , टुकड़ों के कटे हुए, 1/2 कप दही, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून जीरा,1/4 टी-स्पून हींग, 3से 4 3 से 4 कड़ीपत्ते, 1/2 टी-स्पून कसा हुआ अदरक, 1/4 कप पतले स्लाईस्ड प्याज,2 टेबल-स्पून तेल

सजाने के लिए

2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

दही, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक को 2 टेबल-स्पून पानी के साथ एक बाउल में अच्छी तरह मिला लें। ब्रेड के टुकड़े डालकर ब्रेड के दही से कोट होने तक मिला लें। एक तरफ रख दें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पॅन में तेल गरम करें और जीरा डालें। जब बीज चटकने लगे, हींग, कड़ीपत्ते और अदरक डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकन्ड तक भुन लें। प्याज के स्लाईस डालकर हलका भुरा होने तक भुन लें। ब्रेड का मिश्रण डालकर, बीच-बीच में हिलाते हुए, धिमी आंच पर ब्रेड के सुनहरा होने तक भुन लें। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

मल्टीग्रेन रोटी

1/4 कप रागी का आटा, 1/4 कप बाजरा का आटा, 1/4 कप जोवार का आटा,2 टेबल-स्पून बेसन, 1/4 कप गेहूं का आटा, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर,1 टी-स्पून मिर्च पाउडर,1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च,1/4 कप बारीक कटा हुआ टमाटर,3 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, नमक , स्वाद अनुसार,1 1/4 टी-स्पून तेल , पकाने के लिए

परोसने के लिए

लो फॅट दही

विधि

सभी सामग्री को एक गहरे बर्तन में मिलाकर पर्याप्त पानी की सहायता से नरम आटा गूंधिए। आटे को 6 बराबर भागों में बांटिए और 1 भाग को 2 प्लास्टिक के बीच में रखकर व्यास के आकार की रोटी बेलिए। एक नॉन-स्टिक तवे को गरम करके, उस पर रोटी रखकर, 1/2 टी-स्पून तेल की मदद से, रोटी को दोनो तरफ से सुनहरा होने तक सेक लिजिए। बचे हुए भागों से 5 और रोटीयां बनाए। लो-फैट दही के साथ तुरंत परोसिए।

स्किन से जुड़ी प्रॉब्लम्स को दूर करती है, सुपारी

अक्सर देखा गया है कि सुपारी का इस्तेमाल ज्यादातर पूजा में किया जाता है। यह गर्ण तासीर की होती है। इसे जलाकर उसकी राख को दांतों को साफ किया जाता है और दांत चमकीले होते हैं। सुपारी बड़ी और छोटी होती है। आज हम आपको इसे इस्तेमाल करने पर होने वाले लाभ के बारे में बताएगें।

- अगर आपके मसूड़ों से खून है तो सुपारी लेकर उसका मोटा कूटकर काढ़ा बना लें। इस काढ़े से रोज कुल्ला करने पर मसूड़ों से खून आना बंद हो जाता है।
- अगर आपको बहुत ज्यादा यूरिन की समस्या हो रहा है तो ऐसे में सुपारी का पाउडर लेकर 1 या 2 ग्राम गाय के घी के साथ इस्तेमाल करें।
- हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में सुपारी में मौजूद टैनिन बहुत ही उपयोगी होती है।
- इसका अधिक प्रयोग रक्तभार को कम करता है तथा चक्कर आने लगता है।
- सुपारी का इस्तेमाल दांतों की सड़न को रोकने के लिए मंजन के रूप में किया जाता है क्योंकि इसमें एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं।
- अगर आपके दांतों में कीड़ा लगा है तो सुपारी को जलाकर उसका पाउडर बना लें और इससे रोजाना ब्रश करें।
- अगर आपको कही चोट लगने से घाव हो गया हो और खून बह रहा है तो ऐसे में इसका बारीक पाउडर लगाने से खून बहना बंद हो जाता है।
- जिन लोगों को डायबिटीज की समस्या है और उसका मुंह सूखे तो वह एक सुपारी का टुकड़ा मुंह में रख लें। ऐसी करने से मुंह बार-बार नही सूखेगा।
- दाद, खाज, खुजली और चकत्ते होने पर सुपारी को पानी के साथ घिसकर लेप करने से फायदा होता है। बहुत ज्यादा खुजली होने पर सुपारी की राख को तिल के तेल में मिलाकर लगाने से लाभ होता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**